शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बहुप्रतीक्षित राज्य का बजट आज होगा पेश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 07 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-65

13 जुलाई 1931 को मारे गए उपद्रवियों को शहीद का दर्जा देने की जिद

कश्मीर को फिर से धर्मांधता की भट्ठी में झोंकने की कोशिश

2019 को कीचड़ से निकले दोबारा उसी में धंसने की ललक

शुभ-लाभ सरोकार

जम्मू कश्मीर में महाराजा हरि सिंह के विरुद्ध इस्लामी जेहाद करने वाले बर्बर एवं कट्टर मुस्लिम उपद्रवियों को शहीद बताने का दौर फिर से शुरू हो रहा है। महाराजा हरि सिंह को काफिर मान कर जेहाद करते हुए मारे जाने वालों के नाम पर छुट्टी घोषित किए जाने की मांग हो रही है। यह छुट्टी भारत सरकार ने 2019 में खत्म कर दी थी। भाजपा ने इन इस्लामी जेहादियों को शहीद बताए जाने का विरोध किया है।

इस बेजा मांग का सिलसिला जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र में प्रारंभ हुआ। बुधवार 5 मार्च को जम्मू कश्मीर विधानसभा में पीडीपी के विधायक वहीद-उर-रहमान पारा ने मांग की कि 13 जुलाई का अवकाश दोबारा चालू किया जाए। उन्होंने इसे शहीदी दिवस का दर्जा दिए जाने की मांग की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने इस राष्ट्रविरोधी मांग का जोरदार प्रतिरोध किया। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर के महाराजा के खिलाफ जेहाद करने वाले तत्व शहीद नहीं बल्कि देशद्रोही थे। सुनील शर्मा ने स्पष्ट कर दिया कि महाराजा हरि सिंह के विरुद्ध विद्रोह करने वाले को क्रांतिकारी नहीं बल्कि कट्टरपंथियों की भीड़ थी। सुनील शर्मा के नेतृत्व में भाजपा ने विधानसभा से वॉकआउट भी किया। सुनील शर्मा ने कहा कि शहीदों के नाम पर गद्दारों को सम्मान नहीं दिया जा सकता। 13 जुलाई 1931 को मुस्लिम उपद्रवियों ने पहले एक हिंदू इलाके में आग लगाई और फिर महाराजा के शासन के खिलाफ बवाल शुरू किया। इन लोगों को कांग्रेस पार्टी ने शहीद बना दिया था।

किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार ने भी इस मामले में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, जिन लोगों के लिए 13 जुलाई के नाम पर छुट्टी मांग रहे हैं, वे गद्दार थे। यह लोग कश्मीरी पंडितों की बात नहीं करते, 90 के दशक के विषय में बात नहीं करते। ये लोग महाराजा का राज्य में रहते हैं, लेकिन उनका सम्मान नहीं करते। यह लोग पाकिस्तान का सम्मान करते हैं, जिसकी वजह से हमारे लाखों लोग मारे गए।

इस पूरे बवाल की जड़ 9 दशक पहले की एक तारीख 13 जुलाई 1931 से जुड़ी है। उस दिन श्रीनगर की सेंट्रल जेल के बाहर महाराजा हरि सिंह की सेना ने 21 इस्लामी दंगाइयों को गोली मार दी थी। यह इस्लामी दंगाई जेल पर हमला करने आए थे और महाराजा हरि सिंह का तख्तापलट करना चाहते थे। 1948 में जब जम्मू कश्मीर का विलय भारत में हो गया और नेशनल कॉन्फ्रेंस राज्य की सत्ता में आई तो इन्हें शहीद का दर्जा दे दिया गया। इस दिन राज्य में छुट्टी भी घोषित की गई। इनको लोकतंत्र के लिए आंदोलन करने वाला क्रांतिकारी बताया गया। ▶10 पर

ब्रिटेन में सरेआम उड़ी कूटनीतिक प्रोटोकॉल की धज्जियां

लंदन में जयशंकर की गाड़ी पर खालिस्तानियों का हमला

लंदन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

लंदन पहुंचने पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया। उपद्रवियों ने विदेश मंत्री की गाड़ी के सामने ही भारत का झंडा फाड़ा और खालिस्तान समर्थक नारे गए। भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के उल्लंघन की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार चरमपंथियों के एक छोटे समूह के उकसावे की गतिविधियों की कड़ी निंदा करती है। कुछ शरारती तत्वों द्वारा लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग किए जाने के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। भारत सरकार ब्रिटिश सरकार से यह अपेक्षा करती है कि ऐसे मामलों में अपने कूटनीतिक दायित्वों का निर्वहन करेगी।

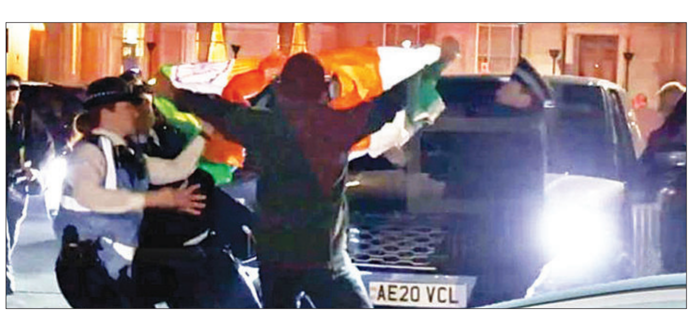

लंदन की नपुंसक पुलिस मूक गवाह बनी देखती रह गई

पीओके के भारत में मिलते ही खत्म हो जाएंगे ये मसले

लंदन में खालिस्तान समर्थकों के समूह ने डॉ. एस जयशंकर और भारतीय राजदूत की गाड़ी को घेर लिया और उन पर हमला करने की कोशिश की। इस दौरान खालिस्तान के झंडे लहराए गए और खालिस्तान जिंदाबाद सहित कई आपत्तिजनक नारे लगाए गए। एक शख्स ने भारतीय झंडा तिरंगा फाड़ दिया। जयशंकर गुरुवार 6 मार्च को लंदन के चैथम हाउस थिंक टैंक के कार्यक्रम में जा रहे थे। जब वे अपनी कार से उतरे तो खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान उन पर हमला करने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उनके सामने एक शख्स ने भारतीय तिरंगा फाड़ डाला। लंदन पुलिस चुपचाप सब कुछ देखती रही। उसने खालिस्तानी गुंड़ों को वहां से हटाने की भी कोशिश नहीं की।

चैथम हाउस के कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि कश्मीर घाटी में शांति के लिए अनुच्छेद 370 को हटाया गया। इसके बाद अब देश को कश्मीर से चुराए गए हिस्से की वापसी का इंतजार है। इसे पाकिस्तान ने चोरी की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को खाली कराने से यह मुद्दा पूरी तरह से हल हो जाएगा। जयशंकर ने कहा कि कश्मीर के अधिकांश मुद्दों का हल निकाल लिया गया है। ▶10 पर

कांग्रेस शासित कर्नाटक में फिर खुला मुस्लिम आरक्षण का पिटारा

कर्नाटक सरकार मुस्लिमों को देगी 4% आरक्षण

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया लाने जा रहे हैं प्रस्ताव

बेंगलुरु, 06 मार्च (एजेंसियां)।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मुस्लिम आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। यह आरक्षण राज्य में दिए जाने वाले ठेकों में लागू किया जाएगा। इसके लिए कानूनी मोर्चे पर हलचल तेज है। राज्य में मुस्लिमों को आरक्षण क़ानून में बदलाव करके दिया जाएगा। भाजपा ने कांग्रेस के इस कदम का विरोध किया है। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार मुस्लिमों को कर्नाटक के सरकारी निर्माण के ठेकों में 4 प्रतिशत का आरक्षण देना चाहती है। कांग्रेस यह आरक्षण देने के लिए 1999 के एक कानून में बदलाव करेगी। नया विधेयक बजट सत्र में ही लाया जाएगा। इस विधेयक का राज्य के वित्त विभाग ने एक मसौदा तैयार भी कर लिया है। बताया गया है कि राज्य के संसदीय कार्य मंत्री ने भी इस बदलाव को मंजूरी दे दी है। जल्द ही यह विधेयक विधानसभा में पेश हो जाएगा। अगर मुस्लिमों के लिए आरक्षण लागू होता है तो राज्य में ठेकों में आरक्षण बढ़कर 47 प्रतिशत हो जाएगा। कर्नाटक में अभी एससी-एसटी और ओबीसी को आरक्षण मिलता है। यह आरक्षण वर्गीकृत करके दिया जाता है। ठेकों में आरक्षण सिद्धारमैया ने ही लागू किया था। उन्होंने 2013-18 की सरकार के दौरान एससी-एसटी जबकि बीते वर्ष ओबीसी को आरक्षण देने का ऐलान किया था।ऐसा पहली बार नहीं है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मुस्लिमों को अलग से आरक्षण देने की तैयारी की हो। इससे पहले नवम्बर, 2024 में ▶10 पर

अब ब्रिटेन से भी होगा अवैध प्रवासियों का निष्कासन

होटलों और लॉजों की तलाशी, 609 अवैध प्रवासी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन से भी अवैध प्रवासियों के निष्कासन की तैयारी है। यूके में भारतीय रेस्तरां में छापेमारी की गई है। 609 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। अवैध प्रवासियों में सबसे ज्यादा संख्या पंजाबियों की है। ब्रिटेन की लेबर पार्टी की सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया है। यह अभियान विशेष रूप से भारतीय रेस्तरां, नेल बार, किराना स्टोर और कार वॉश जैसे छोटे व्यवसायों पर केंद्रित है। हाल ही में 828 स्थानों पर छापा मारा गया। इसमें 609 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में सबसे ज्यादा पंजाबी हैं, जो स्टडी या टूरिस्ट वीजा पर यूके गए थे। ये वीजा की अवधि खत्म होने पर अवैध रूप से यूके में रह रहे थे। उत्तरी इंग्लैंड के हंबरसाइड में एक भारतीय रेस्तरां में छापे में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से चार को हिरासत में ले लिया। ▶10 पर

उत्तराखंड की प्राकृतिक खूबसूरती पर मंत्रमुग्ध हुए पीएम

सबको उत्तराखंड आने की अपील कर गए मोदी

देहरादून, 06 मार्च (एजेंसियां)।

चारधाम शीतकालीन यात्रा का संदेश देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को सीमांत जिले उत्तरकाशी पहुंचे। पीएम मोदी उत्तराखंड में अब घाम तापो पर्यटन, नए विजन का मंत्र दे गए। उन्होंने कहा कि ये दशक उत्तराखंड का है, जहां प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं। एक दिवसीय दौरे पर मुखबा-हर्षिल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड में अब घाम तापो पर्यटन का नया मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि ये दशक उत्तराखंड का है, प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं। उनका दौरा कई मायनों में यादगार बन गया। जाते-जाते वह शीतकाली यात्रा के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पीठ थपथपाकर भी गए। वे देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भारत-तिब्बत सीमा से जुड़े उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ सीमावर्ती जिलों के बाद उत्तरकाशी के मुखबा और हर्षिल पहुंचे। प्रधानमंत्री के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज होगा। वो देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो गंगा के शीतकालीन पूजा स्थल पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा में दर्शन किए। उन्होंने करीब बीस मिनट तक गर्भगृह में पूजा-अर्चना की। इसके बाद पीएम मोदी ने हर्षिल की खूबसूरत वादियों का दर्शन किया। पीएम ने मुखबा मंदिर और हर्षिल व्यू प्वाइंट से वादियों का निहारा। इसके बाद पीएम ने हर्षिल में ट्रैकिंग और बाइक रैली को फ्लैग ऑफ किया। गंगा आरती के बाद प्रधानमंत्री ने हर्षिल में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, मां गंगा ने मुझे बुलाया है। मुझे लगता है कि मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। उन्होंने सरकार को बारहमासी पर्यटन का विजन दिया। ▶10 पर

एसडीपीआई सरगना एमके फैजी ने उगले बड़े राज

देशभर में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े 12 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई नई दिल्ली में एसडीपीआई मुख्यालय सहित देश के कई प्रमुख शहरों में एक साथ शुरू की गई। केंद्रीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से कथित संबंधों और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में की जा रही है। ईडी ने यह छापेमारी नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश के लखनऊ, तमिलनाडु के चेन्नई, झारखंड के पाकुड़, केरल के तिरुवनंतपुरम और मलप्पुरम, कर्नाटक के बेंगलुरु, आंध्र प्रदेश के नांदयाल, महाराष्ट्र के ठाणे, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और राजस्थान के जयपुर में की। नई दिल्ली में दो ठिकानों पर छापेमारी की गई, जिसमें एसडीपीआई का मुख्यालय भी शामिल है। यह कार्रवाई सुबह से शुरू हुई और ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,890/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,970/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 22^0

दुनिया की सबसे अधिक वाले दो देश हैं भारत और चीन

परस्पर सम्मान हमारी परस्पर जरूरत है : जयशंकर

लंदन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-चीन संबंधों और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद की स्थिति पर लंदन में बेबाक बयान दिया है। चीन को लेकर जयशंकर ने कहा, हम दुनिया के दो ऐसे देश हैं, जिनकी आबादी एक अरब से ज्यादा है। हम दोनों का इतिहास बहुत पुराना है। हमारे बीच बहुत ही अनोखे रिश्ते हैं। हम दुनिया के दो ऐसे देश हैं जिनकी आबादी एक अरब से ज्यादा है। हम दोनों के प्राचीन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में समय के साथ उतार-चढ़ाव आए हैं। आज दोनों देश ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं और हम सीधे पड़ोसी भी हैं। हमें एक दूसरे का सम्मान और एक दूसरे का हित देखना होगा। जयशंकर ने कहा, परस्पर सम्मान हमारी परस्पर जरूरत है। पाकिस्तान को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत को वापस मिल जाए तो सारी समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

विदेश मंत्री ने कहा, चुनौती यह है कि जैसे-जैसे कोई देश आगे बढ़ता है, दुनिया और उसके पड़ोसियों के साथ उसका संतुलन बदलता है। जब इस आकार, इतिहास, जटिलता और महत्व वाले दो देश समानांतर रूप से आगे बढ़ते हैं, तो वे अनिवार्य रूप से परस्पर क्रिया करते हैं। मुख्य मुद्दा यह है कि कैसे एक स्थिर संतुलन बनाया जाए और संतुलन के अगले चरण में संक्रमण किया जाए। हम एक स्थिर संबंध चाहते हैं जहां हमारे हितों का सम्मान किया जाए, हमारी संवेदनशीलता को पहचाना जाए और जहां यह हम दोनों के लिए काम करे। वास्तव में हमारे रिश्ते में यही मुख्य चुनौती है। एस जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए सीमा एक महत्वपूर्ण पहलू है। पिछले 40 वर्षों में यह धारणा रही है कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता रिश्ते को बढ़ाने के लिए आवश्यक है। यदि सीमा अस्थिर है, शांतिपूर्ण नहीं है, या उसमें शांति का अभाव है, तो यह निश्चित रूप से हमारे संबंधों के विकास और दिशा को प्रभावित करेगा।

कश्मीर के मुद्दे पर विदेश मंत्री ने कहा, कश्मीर में हमने इसके अधिकांश मुद्दों को हल करने के लिए अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि अनुच्छेद 370 को हटाना एक कदम था। फिर, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधि और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था। चुनाव कराना, जिसमें बहुत अधिक मतदान हुआ, तीसरा महत्वपूर्ण कदम था। मुझे लगता है कि हम जिस हिस्से का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के उस हिस्से की वापसी है, जो अवैध पाकिस्तानी कब्जे में है। जब यह हो जाएगा, तो मैं आपको आश्वासन देता हूं कि कश्मीर का मसला हल हो जाएगा। जयशंकर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का केवल वह हिस्सा समस्याओं के पूर्ण समाधान से बचा हुआ है, जो भारत के पड़ोसी पाकिस्तान के कब्जे में है, जिस पर पड़ोसी मुल्क ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

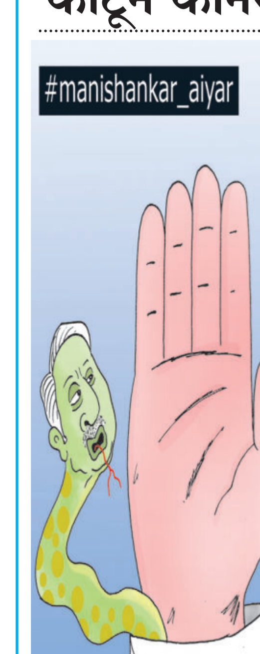

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

गर्मी की छुट्टियों में राजस्थान के लिए चले विशेष ट्रेन

डीआरयूसीसी सदस्य सहित प्रवासियों ने मंडल रेल प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी के नेतृत्व में राजस्थानी प्रवासियों ने गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक बेंगलूरु अमितेश कुमार सिन्हा से शिष्टाचार भेंट की। सेमलानी ने उन्हें राजस्थानी प्रवासियों की मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि बेंगलूरु से अजमेर के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 16209/16210 का ठहराव पाली जिले के जवाईबांध स्टेशन पर सुनिश्चत कराने से हजारों यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। जवाईबांध व इस स्टेशन के आसपास के गावों के हजारों लोग बेंगलूरु-मैसूरु में अपना व्यवसाय एवं नौकरी करते हैं। ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित होने से कर्नाटक में रहने वाले प्रवासियों को अपने घर जाने के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि कर्नाटक के बेंगलूरु, मैसूरु और हुब्बल्ली से राजस्थान के प्रमुख जयपुर, जोधपुर, अजमेर, जालोर, बाड़मेर, उदयपुर तथा कोटा शहर के लिए दैनिक ट्रेन नहीं होने के कारण राजस्थानी प्रवासियों को अपने शहर, गांव जाने में ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलूरु, मैसूरु और हुब्बल्ली-धारवाड़ शहरों में हजारों की संख्या में राजस्थानी प्रवास करते हैं। बेंगलूरु से जोधपुर वाया भीलड़ी-जालोर के लिए अभी तक रेल की सीधी सुविधा नहीं है। बेंगलूरु से भीलड़ी-जालोर मार्ग पर वाया हुब्बल्ली, पुणे मात्र एक ही ट्रेन संख्या 14805/06 चलती है। इसमें क्षमता से अधिक यात्री भार होने के कारण लोगों को आरक्षण मिलना बहुत मुश्किल होता है। इस ट्रेन को साप्ताहिक से त्रि साप्ताहिक करने के साथ इस मार्ग पर बेंगलूरु से जोधपुर वाया भीलड़ी-जालोर एक अतिरिक्त ट्रेन चलाई जाने की मांग की। इस अवसर पर दिलीप जैन, मूलसिंह राजपुरोहित भी उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि रेलवे ने राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए मैसूरु व बेंगलूरु से दस जोड़ा ट्रेन चला रखी है। ताज्जुब की बात ये है कि इनमें से एक भी ट्रेन दैनिक नहीं है। बेंगलूरु-मैसूरु व यशवंतपुर से राजस्थान की ओर जाने वाली नौ ट्रेनों में से पांच साप्ताहिक व चार द्विसाप्ताहिक ट्रेन है। हाल ये है कि कर्नाटक की राजधानी से राजस्थान की राजधानी को जोड़ने के लिए मात्र दो ट्रेन हैं। इनमें एक यशवंतपुर जयपुर साप्ताहिक सुपर एक्सप्रेस वाया बल्लारी, सोलापुर व एक द्विसाप्ताहिक ट्रेन मैसूरु-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन वाया काचीगुड़ा, नागपुर है। जानकारों की माने तो 20 लाख से अधिक राजस्थानी प्रवासी व्यवसाय, उद्योग धंधे व नौकरी के सिलसिले में समूचे कर्नाटक में रहते हैं। त्योहार, गर्मियों की छुट्टियों व वैवाहिक सीजन में प्रवासी बंधु अपने-अपने गांव सपरिवार जाते हैं। लेकिन ट्रेनों की संख्या कम होने के कारण प्रवासियों को या तो वेटिंग टिकट में सपरिवार यात्रा करने को मजबूर होना पड़ता है या फिर राजस्थान की ओर जाने वाली बसों में जान जोखिम में डालकर यात्रा करनी पड़ती है।

हिंदी साहित्य में शामिल है जीवन मूल्य, परंपरा और भविष्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सेंट क्लारेट महाविद्यालय, स्वायत्तशासी, बेंगलूरु के हिंदी भाषा विभाग द्वारा हिंदी साहित्य में जीवन मूल्य, परंपरा और भविष्य विषय पर एक छात्र ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. विनय कुमार यादव, आचार्य एवं अध्यक्ष, बिशप कॉटन महिला क्रिस्चियन कॉलेज, बेंगलूरु ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन मदर टेरेसा सभागार में किया गया, जिसमें बीबीए और बीकॉम संकाय के स्नातक छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. विनय यादव ने हिंदी साहित्य में जीवन मूल्यों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज में नैतिकता और सांस्कृतिक चेतना का वाहक भी है। उन्होंने पारंपरिक और आधुनिक संदर्भों में हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता और उसमें निहित जीवन मूल्यों पर विचार साझा किए। साथ ही छात्र गतिविधि के माध्यम से भी उन्होंने जीवन में निहित मूल्यों को परिभाषित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन बीकॉम की छात्रा अंशुल चौधरी ने किया। भाषा विभागाध्यक्ष डॉ. मादेश एन ने पुष्प गुच्छ देकर अतिथि का स्वागत और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. सुप्रिया सिंह, डॉ. आशीष सहित अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अतुल कुमार पाण्डेय ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने छात्रों को हिंदी साहित्य के जीवन मूल्यों को समझने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।

सिनेमाघरों में एक समान टिकट कीमतें लागू की जाएंगी: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्यभर के सिनेमाघरों के लिए एक समान टिकट कीमतें चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएंगी। विधान परिषद में सदस्य गोविंद राज के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रथा है कि सिनेमाघरों के टिकट की कीमतें सिनेमा मालिकों द्वारा स्वयं तय की जाती हैं।

सरकार को जब भी आवश्यक लगे, कीमतें निर्धारित करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वे एक समान टिकट मूल्य तय करने के संबंध में संबंधित पक्षों से चर्चा करेंगे। मल्टीप्लेक्स सिनेमाघरों में कई स्क्रीन होती हैं। इससे कन्नड़ भाषा की फिल्मों को कोई परेशानी नहीं होती। सरकार को कन्नड़ फिल्मों के लिए सिनेमा हॉलों की कमी का पता चला है। उन्होंने दोहराया कि केवल विदेशी भाषा की फिल्मों के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाए जाने के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। इससे पहले बोलते हुए सदस्य गोविंद राज ने पूछा कि बेंगलूरु के सिनेमाघरों से सरकार को कितना राजस्व मिलता है। सरकार एक समान टिकट मूल्य क्यों नहीं तय कर सकती? कई सिनेमाघर बंद हो चुके हैं और इस संबंध में सरकार ने क्या कार्रवाई की है?

अमित शाह आज बेंगलूरु के दौरे पर

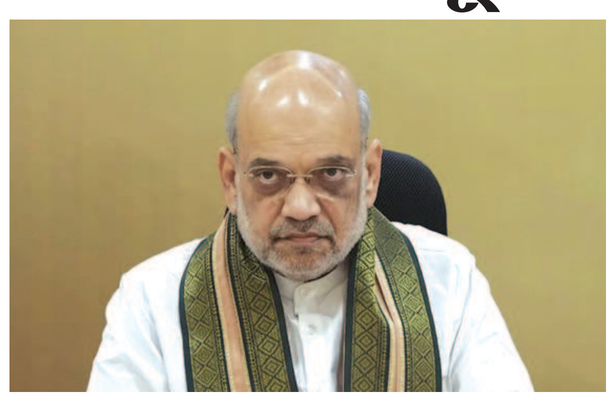

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा में दरार के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शुक्रवार को बेंगलूरु आगमन ने बड़ी उत्सुकता पैदा कर दी है। हालांकि इसे निजी कार्यक्रम बताया जा रहा है, लेकिन इससे भाजपा के भीतर चल रही गुटबाजी पर विराम लगने की संभावना है। बताया जा रहा है कि अमित शाह अपने दौरे के दौरान राज्य के किसी भी भाजपा नेता से मुलाकात नहीं करेंगे। वह तमिलनाडु से शहर का दौरा करेंगे और अस्पताल के उद्घाटन के लिए बेंगलूरु पहुंचेंगे। वह नेलमंगला में विश्वतीर्थ महास्वामी द्वारा स्थापित अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इस बात को लेकर उत्सुकता है कि क्या बेंगलूरु यात्रा के दौरान राज्य भाजपा के भीतर मतभेदों पर चर्चा होगी। राज्य भाजपा के भीतर मौजूदा मतभेद राख से ढकी कोयला खदान की तरह है। राज्य भाजपा के भीतर गुटबाजी और तेज हो गई है। जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर उपजा मतभेद एक और कदम आगे बढ़ गया है। फिलहाल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ पार्टी के अंदर विरोधी गुट मजबूत हो रहा है और यतनाल खेमा बहस कर रहा है। के सुधाकर ने भी विवाद में योगदान दिया है। इससे विजयेन्द्र के खिलाफ विद्रोहियों की लड़ाई मजबूत हो गई है। शुरुआत में यतनाल ही एकमात्र व्यक्ति थे जो लगातार विजयेंद्र के खिलाफ बयान देते रहे। उनके पास सीधे तौर पर समर्थन देने वाला कोई नहीं था। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, यतनाल टीम का विस्तार होने लगा। रमेश जारकीहोली, कुमार बंगारप्पा, अरविंद लिम्बावली और बीपी हरीश के शामिल होने के साथ ही टीम की संख्या बढ़ने लगी। यतनाल और अब डॉ. के. सुधाकर के आरोप विजयेंद्र के व्यवहार के बारे में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विजयेंद्र कोई भी निर्णय लेते समय पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की राय नहीं लेते। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष बदलने की मांग उठ रही है। उन पर भ्रष्टाचार और समझौता की राजनीति का भी आरोप है। हालांकि, आलाकमान द्वारा विजयेंद्र के खिलाफ कोई कार्रवाई किए जाने की संभावना नहीं है। जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति से यह भी स्पष्ट संकेत मिलता है कि विजयेंद्र प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। 23 जिलों के जिला अध्यक्षों की सूची घोषित की गई है, जिनमें से अधिकांश विजयेंद्र गुट के हैं। इसलिए विजयेंद्र के अध्यक्ष पद पर बने रहने में किसी तरह की दिक्कत आने की संभावना नहीं है और यतनाल को प्रदेश अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाने के लिए एक अहम बैठक हो चुकी है। इस बैठक में यतनाल टीम ने चर्चा की और अगला कदम उठाने का निर्णय लिया। इस पृष्ठभूमि में, इस बात के प्रबल संकेत हैं कि भाजपा के भीतर गुटबाजी जारी रहेगी। सवाल यह है कि क्या अमित शाह इन सभी समस्याओं का समाधान निकालेंगे।

मंत्री को जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने शहरी ग्रामीण विकास मंत्री बैरती सुरेश से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए आमंत्रित किया।

इस वर्ष श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल 2025 को फ्रीडम पार्क में आयोजित होगा। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए विशेष अतिथि के रूप में शहरी ग्रामीण विकास मंत्री को आमंत्रित किया। मंत्री ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, सह चेयरमैन दिपक धोखा, मनोज गुंदेचा, कार्यकारिणी सद्स्य आतिश धोखा, रितेश पामेचा, सेलेन्द्र मोगरा, दिपेश धोखा आदि सदय उपस्थित रहे।

राज्य में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के घर समेत आठ सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार सुबह राज्य के विभिन्न हिस्सों में आठ सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर अचानक छापेमारी की। लोकायुक्त के एक सूत्र ने बताया यह छापेमारी उक्त अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से संबंधित है। जब्ती की गई राशि की गणना अभी की जानी है। जिन ठिकानों पर छापेमारी की गई, उनमें जिला खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता इकाई के सांख्यिकी अधिकारी जी एस नागराजू के पांच ठिकाने शामिल हैं। शहर के एस निजलिंगप्पा लेआउट स्थित नागराजू के घर, उनके पिता शानमुखप्पा के आवास, फार्महाउस, कार्यालय और परिवार द्वारा संचालित सहकारी समिति के कार्यालय पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान सोने के आभूषण, पैसे और अन्य कीमती सामान बरामद किए गए।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक एमएस कौलापुरे ने कहा नागराजू के पांच ठिकानों पर आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में छापेमारी की गई है। एक डीएसपी और एक निरीक्षक सहित कई कर्मियों ने इसमें भाग लिया है। जांच चल रही है। डीपीएआर (बेंगलूरु) के मुख्य अभियंता टीडी नजुंदप्पा और बीबीएमपी बेंगलूरु के हाई वे इंजीनियरिंग (प्रोजेक्ट ईस्ट) के गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन के कार्यकारी अभियंता (ग्रेड 1) एचबी कलेशप्पा के अलावा अन्य लोगों पर भी छापेमारी की गई है। सूत्र ने कहा बेंगलूरु में इन दोनों और कोलार, कलबुर्गी और तुमकुरु सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में छह अन्य लोगों के परिसरों और संपत्तियों की तलाशी ली जा रही है।

अभिनेत्री रान्या राव मामले में शामिल सभी लोगों को सजा होगी सुनिश्चित: रिजवान अरशद

सरकार ने अवैध प्रवासियों को बहुत गंभीरता से लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने गुरुवार को कहा कि कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को दुबई से अवैध रूप से सोना तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और इस मामले में शामिल सभी लोगों को दंडित किया जाएगा। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा यह जानकर आश्चर्य हुआ कि एक आईपीएस अधिकारी की बेटी सोने की तस्करी की गतिविधियों में शामिल है। कुछ लोग कहते हैं कि वह उनकी सौतेली बेटी है। सरकार इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और मामले की गहन जांच की जाएगी। तथ्यों का खुलासा किया जाएगा और इसमें शामिल सभी लोगों का पता लगाया जाएगा। विधायक रिजवान अरशद ने जोर देकर कहा जो कोई भी इसमें शामिल है, चाहे वह आम आदमी हो या कोई प्रभावशाली व्यक्ति, उसे दंडित किया जाएगा और हम इस मामले में पूरी पारदर्शिता बनाए रखेंगे। अभिनेत्री रान्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों द्वारा सोमवार रात बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तलाशी लेने के बाद गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 14.8 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस बयान पर कि अगर पाकिस्तान पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत को सौंप दे तो कश्मीर मुद्दा सुलझ जाएगा, विधायक रिजवान ने कहा मुझे बहुत खुशी होगी अगर जयशंकर कहें कि हम पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस ले लेंगे। कांग्रेस पार्टी को बहुत खुशी होगी अगर केंद्र सरकार पीओके को भारत में मिलाने में सफल हो जाए। उन्होंने कहा इसके साथ ही जयशंकर को लद्दाख में चीन द्वारा कब्जाई गई जमीन को वापस लेने पर भी ध्यान देना चाहिए।

आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी बसवनगुड़ी स्थित जयश्री रायसोनी के निवास स्थान पर आयोजित की गई। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने मंडल के सदस्यों का स्वागत किया व होली त्योहार की शुभकामनाएँ दी।

इस महीने की थीम वुमेन्स डे पर आधारित था। प्रमुख वक्ता बिंदु रायसोनी ने कहा कि हर नारी में अनेक रंग समाई है। हर रंग का प्रतीक कुछ खास एहमियत रखता है। जिस प्रकार लाल रंग शौर्य का प्रतीक है, वही सफेद रंग शांति का प्रतीक है। नारी हर असंभव काम को संभव करने की क्षमता रखती है। इसलिए वह आल राउंडर है। सभी सदस्यों ने मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लिया। कांता रायसोनी ने संचालन एवं आभार व्यक्त किया।

स्पीकर खादर ने विधायकों के लिए आरामकुर्सी सुविधा का किया बचाव

सत्र के दौरान आराम के लिए यह आवश्यक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा में विधायकों के लिए रिक्लाइनर सुविधा के प्रावधान पर उठाई गई आपत्तियों का जवाब देते हुए स्पीकर यू टी खादर ने गुरुवार को कहा कि विधायकों के लिए आराम सुनिश्चित करने में कुछ भी गलत नहीं है। चल रहे बजट सत्र के दौरान विधायकों की उपस्थिति में सुधार के लिए स्पीकर खादर ने विधायकों के लिए रिक्लाइनर सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव रखा। इस पहल के तहत 3 से 21 मार्च की अवधि के लिए 15 रिक्लाइनर किराए पर लिए गए और उन्हें कर्नाटक विधानसभा भवन विधान सौधा की लॉबी में रखा गया। विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए खादर ने कहा मैं हमेशा कहता हूं, विधायकों को अपना दुश्मन मत समझो, उन्हें अपना दोस्त और बुजुर्ग समझो। कई वरिष्ठ सदस्य विधानसभा का हिस्सा हैं। भोजन करने के बाद अगर एक से डेढ़ घंटे का ब्रेक मिलता है, तो उन्हें आराम की जरूरत होती है। विधायकों के सदन में जाकर देर से लौटने के बजाय, उन्हें यह सुविधा प्रदान करना बेहतर है। खादर ने आगे बताया कभी-कभी, विधायक सत्र के दौरान थकावट महसूस करते हैं। इसे संबोधित करना हमारा कर्तव्य है, और एक विधायक के रूप में, मैं सुबह से शाम तक सदन में बैठने की चुनौतियों को समझता हूं। इन कठिनाइयों को स्वीकार करना और आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना बेहतर है। यदि आप इन रिक्लाइनर को खरीदते हैं, तो कुल लागत 4 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। यहां तक कि विपक्षी नेता ने भी अपने सदस्यों के लिए रिक्लाइनर सुविधाओं का अनुरोध किया है। इसलिए, एक तरफ 10 रिक्लाइनर और दूसरी तरफ पांच रिक्लाइनर लगाए जाएंगे। सत्र के दौरान 224 विधायकों के आराम के लिए 4 लाख रुपये खर्च करने में क्या गलत है? उन्होंने कहा यदि आप हर चीज का राजनीतिकरण करते हैं, तो प्रभावी ढंग से काम करना मुश्किल हो जाता है। रिक्लाइनर प्रदान करने का कदम वरिष्ठ विधायकों से मिली प्रतिक्रिया और इस अवलोकन पर आधारित था कि कई विधायक दोपहर के भोजन के लिए बाहर निकलने के बाद सत्र में वापस नहीं आए। खादर ने बताया कि रिक्लाइनर विधायकों को ब्रेक के दौरान आराम करने और सत्र के शेष भाग में भाग लेने के लिए तरोताजा होकर लौटने का अवसर प्रदान करेंगे। इस पहल को लागत-प्रभावी बनाए रखने के लिए, रिक्लाइनर को सत्र के लिए खरीदने के बजाय किराए पर लिया गया है, क्योंकि ऐसे फर्नीचर में निवेश करना बेकार माना जाता था जो नियमित रूप से उपयोग में नहीं होगा। सत्र समाप्त होने के बाद किराए पर लिए गए रिक्लाइनर हटा दिए जाएंगे। खादर ने पहली बार जुलाई 2024 में एक विधायी सत्र के दौरान एक रिक्लाइनर कुर्सी पेश की थी। विधायकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद, अधिक रिक्लाइनर लगाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, खादर ने सत्र के दौरान विधायकों के सामने आने वाली समस्याओं पर विचार करते हुए नाश्ते, दोपहर के भोजन, चाय, कॉफी और स्नैक्स के प्रावधान पेश किए हैं। खादर ने उन विधायकों की भी आलोचना की जो बार-बार देर से आते थे और सत्र में शामिल नहीं होते थे। उन्होंने कहा कि उपस्थिति को ट्रैक करने के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा था।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कुरुक्षेत्र में श्री ब्रह्मपुरी अन्नक्षेत्र आश्रम ट्रस्ट के अंतर्गत तीन एकड़ भूमि में 18 मंजिला ज्ञान मंदिर के संचालक स्वामी चिरंजीपुरी महाराज के बेंगलूरु आगमन पर अग्रवाल समाज के कार्यालय में उनका भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन सुशील गुप्ता (पूर्व राज्य सभा सांसद), अध्यक्ष राजेश गोयल, अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, विक्रम अग्रवाल, रोहित केडिया, बिपिन राम अग्रवाल उपस्थित रहे।*

बहुप्रतीक्षित राज्य का बजट आज होगा पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शुक्रवार को अपना रिकॉर्ड बजट पेश कर रहे हैं, जिसमें बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी गई है। जैसा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में वादा किया गया है, वे पांच गारंटी योजनाएं जारी रखेंगे तथा और अधिक जन-हितैषी योजनाएं जोड़ेंगे। कई विधायक विकास परियोजनाओं के लिए धन की कमी को लेकर सरकार की आलोचना कर रहे हैं। इस संबंध में सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक काफी मुखर हैं। वे असंतोष व्यक्त कर रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सिद्धरामैया ने बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। वह ग्रामीण सड़कों के विकास पर बहुत जोर दे रहे हैं और शिक्षा विभाग में भवनों के निर्माण, कक्षाओं की संख्या बढ़ाने, शिक्षकों की भर्ती, स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक सेवाओं को मजबूत करने, जिला केंद्रों में सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाओं को बढ़ाने और उद्योगों के लिए कई विशेष क्षेत्र बनाने सहित नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाले हैं।

सिद्धरामैया, जो बजट में केंद्र सरकार द्वारा किए गए अन्याय का मुद्दा भी उठाएंगे, उचित कर हिस्सेदारी के लिए और दबाव बनाने का प्रयास करेंगे। सिंचाई परियोजनाओं में वे विशेष रूप से मेकेदातु और महादयी परियोजनाओं का प्रस्ताव रखेंगे तथा केंद्र सरकार पर निशाना साधेंगे। उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र को पेयजल आपूर्ति के लिए कलसा बंडूरी के निकट महादयी नदी पर बांध का निर्माण लंबे समय से मांग की जा रही है। आरोप हैं कि केंद्र सरकार गोवा राज्य की आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए पर्यावरण संरक्षण के बहाने अनापत्ति पत्र जारी करने में देरी कर रही है। यहां तक कि पिछली सरकारों ने भी इस उद्देश्य के लिए अपने बजट में कलासा बंडूरी परियोजना का प्रस्ताव रखा था। सिद्धरामैया सरकार एक निर्णायक कदम उठाने वाली है। पुराने मैसूरु में मेकेदातु परियोजना ने काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले पदयात्रा कर तत्कालीन सरकार पर योजना लागू करने का दबाव बनाया था। इस बात की आलोचना हो रही है कि सत्ता में आने के बाद तमिलनाडु की आपत्तियों को समय बर्बाद करने के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सिद्धरामैया बजट में इस परियोजना के शुभारंभ के संबंध में बड़ी घोषणा करेंगे। बजट में लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने तथा कई नई लिफ्ट सिंचाई परियोजनाएं शुरू करने की घोषणाएं भी शामिल होंगी। कुछ परियोजनाओं के प्रस्ताव हैं जो डेयरी फार्मिंग, कृषि और पशुपालन में खेती को पूरक बनाते हैं। पंचखत्रियों में शक्ति और गृहलक्ष्मी योजनाएं महिला सशक्तिकरण पर जोर देती हैं। इसके अतिरिक्त, सिद्धरामैया ने महिला स्वयं सहायता और स्त्री शक्ति संगठनों को आर्थिक गतिविधियों में और अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने का निर्णय लिया है। सिद्धरामैया कई निर्णयों की घोषणा करेंगे, जिनमें युवा कोष में और अधिक स्नातकों को शामिल करना तथा गृहज्योति योजना के लिए पूर्ण वित्त पोषण उपलब्ध कराना शामिल है। बताया जाता है कि सरकार की प्राथमिकताओं में ऊर्जा विभाग में कृषि पंप सेटों को सौर ऊर्जा से जोड़ना, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में अधिकाधिक स्टार्टअप को प्रोत्साहन प्रदान करना तथा राजस्व विभाग में डिजिटलीकरण पर जोर देना शामिल है। सिद्धरामैया एक लोकप्रिय बजट पेश करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में तालुक और जिला पंचायत चुनाव होने की उम्मीद है और बेंगलूरु में बेंगलूरु महानगर निगम के चुनाव होने की उम्मीद है।

मंकीपॉक्स का टीका जल्द ही उपलब्ध होगा: दिनेश गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को कहा कि हैदराबाद स्थित आईसीएमआर में मंकीपॉक्स के लिए वैक्सीन विकसित करने के लिए शोध किया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले साल तक एक प्रभावी टीका उपलब्ध हो जाएगा। विधानसभा प्रश्नकाल के दौरान तीर्थहल्ली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक ने कहा कि मलनाड क्षेत्र में खुजली और डेंगू की समस्या गंभीर है। खुजली की दवा बनाने वाली इकाई बंद कर दी गई है। खुजली की समस्या 1957 से चली आ रही है। कई लोग मर गये हैं। सरकार को लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और तुरंत टीका विकसित करना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि एक मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की जाए क्योंकि मलनाड क्षेत्र में डॉक्टरों की कमी है। जिसके बाद मंत्री ने जवाब दिया कि बरसात के मौसम में डेंगू का प्रकोप अधिक होता है। गर्मियों के दौरान खुजली की समस्या बढ़ जाती है। एहतियाती उपायों के लिए पर्वतीय और तटीय क्षेत्रों के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है। आवश्यक दवाइयां भंडारित कर ली गई हैं। खसरे से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि उन्हें किडनी की समस्या सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी थी। खुजली के लिए कोई विशेष दवा नहीं है। रोकथाम ही सर्वोत्तम समाधान है। इससे पहले, पुणे स्थित वायरोलॉजी संस्थान ने 1989 में एक वैक्सीन की खोज की थी। अब दवा का असर कम हो गया है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में आईसीएमआर एक नई वैक्सीन खोजने के लिए वैक्सीन विकसित कर रहा है। इसलिए राज्य सरकार द्वारा वैक्सीन विकास के लिए वित्तीय सुविधाएं प्रदान करने में देरी हुई।

कर्नाटक में कानून-व्यवस्था अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जेडीएस के गोविंदराजा के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था को बाधित नहीं होने देगी। उन्होंने गरजकर कहा कि विभाग ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। कर्नाटक में कानून-व्यवस्था अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। पुलिस ने उपद्रवियों, गुंडों और असामाजिक तत्वों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून के विरुद्ध कार्य नहीं कर सकता। चाकू, छुरे और लंबी बंदूकें लेकर चलने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने पूछा कि क्या हम शांत रहकर देख सकते हैं कि नागरिकों को परेशान किया जा रहा है या शांति भंग हो रही है। बेंगलूरु और अन्य स्थानों पर अवैध शराब बेचने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि कानून का उल्लंघन किया गया तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने गदा, लम्बी बंदूकें और चाकू लेकर चलने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। 2023 में 449 मामले दर्ज किये गये और 225 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 2024 में 66 मामले दर्ज किये गये। उन्होंने बताया कि 2025 में 65 मामले दर्ज किये गये और 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकार कानून-व्यवस्था को बिगड़ने नहीं देगी। बेंगलूरु सहित सभी स्थानों पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। हमने होयसला वाहनों को रिवॉल्वर जैसे आधुनिक उपकरण दिए हैं। चौबिसों घंटे सेवा उपलब्ध है। हमने महिलाओं को पिंक सिटी वाहन भी उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें स्वतंत्रतापूर्वक काम करने का अवसर दिया गया है। गृह मंत्री के रूप में मैंने स्वयं देखा कि दिल्ली मेट्रो पुलिस अधिकारी किस प्रकार काम करते हैं। हमने भी यही नियम अपनाया है। यदि कोई मदद के लिए नियंत्रण कक्ष को फोन करता है तो वे 9 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचते हैं।

अगर जरूरत पड़ी तो वे और सुरक्षा बल लाएंगे। हमने बेंगलूरु शहर में 7,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। एआई और इंटेलिजेंस के उपयोग से भविष्य में किसी व्यक्ति पर नजर रखना आसान हो जाएगा। हमने पुलिस विभाग में आधुनिक तकनीक को अपनाया है। गैंगस्टर कांड भी नियंत्रण में आएगा। इन सभी उपायों के बावजूद, कभी-कभी कानून का उल्लंघन होता रहता है। उन्होंने कहा कि आगे भी कदम उठाए जाएंगे और नियंत्रण किया जाएगा। हत्या के मामले साल दर साल कम हो रहे हैं, लेकिन दुखद बात यह है कि साइबर अपराध के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बारे में जन जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने वर्टिकल डीजे का पद सृजित करके साइबर अपराध के मामलों को रोकने पर गंभीरता से विचार किया।

दलितों के आंसुओं का अभिशाप कांग्रेस सरकार को नहीं छोड़ेगा

दलितों के प्रति मुख्यमंत्री की चिंता कहां चली गई? सत्ता में आने के बाद भूल गए क्या: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने पूछा कि दलितों के प्रति सिद्धरामैया की चिंता कहां चली गई? जब वे विपक्ष में थे तो दलितों के प्रति जो चिंता थी, क्या सत्ता में आने के बाद उसे भुला दिया गया है। यहां फ्रीडम पार्क में राज्य कांग्रेस सरकार के खिलाफ अनुसूचना निधि दुरुपयोग विरोधी संघर्ष समिति द्वारा विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध समिति के निमंत्रण पर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया यह कहकर सत्ता में आए थे कि वह अहिंदा के नाम से राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंसू पोंछेंगे। उन्होंने इस काले दिन के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी आलोचना की। सिद्धरामैया एक अनुभवी मुख्यमंत्री हैं। वे अक्षम नहीं हैं। क्या मुख्यमंत्री असहाय हैं? या फिर दलितों के प्रति अपनी चिंता भूल गए हैं? क्या आपने उस धन का दुरुपयोग नहीं किया है जिससे दलित समुदाय को सशक्त बनाया जाना चाहिए था? क्या यह न्याय है।

सिद्धरामैया, जब भाजपा सरकार अतीत में सत्ता में थी, तो येदियुरप्पा ने खोखले वादे नहीं किए थे जैसे आपने किए थे। हमारी सरकारों ने दलित बस्तियों में बुनियादी ढांचा और कंक्रीट सड़कें उपलब्ध कराईं। अब सिद्धरामैया स्वयं बताएं कि दलितों के प्रति आपकी चिंता कहां चली गई? उन्होंने सिद्धरामैया से अपील की कि वे किसी भी कारण से एसईपी और टीएसपी फंड का दुरुपयोग न करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दलितों की आंखों में आंसू आ गए तो अभिशाप आपकी सरकार को माफ नहीं करेगी। दलितों पर खर्च के मामले में कर्नाटक 10वें स्थान पर है। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि आने वाले दिनों में जब भाजपा सत्ता में आएगी तो देशभर में दलितों पर पैसा खर्च करने के मामले में हमारी भाजपा सरकार सबसे आगे होगी। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि एसईपी-टीएसपी दलित अनुसूचित जातियों के लिए एक विशेष योजना है। यह योजना परिसंपत्ति निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराने की है, जैसे लोगों को शिक्षित करना, भूमि खरीदना, बोरवेल खोदकर पानी उपलब्ध कराना तथा उद्योगों की स्थापना में सहायता करना शामिल है। उन्होंने धन का अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग करने तथा धोखाधड़ी करने के लिए उनकी आलोचना की। अनुसूचित जाति के लोग मुफ्त बसों में यात्रा नहीं करते। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि आपने हमारे विशेष प्रोजेक्ट से पैसा लिया और इसे अपने खाते में डाल लिया। क्या यह हमारी जाति के साथ विश्वासघात नहीं है? हमारे पास अधिक शिक्षित लोग हैं। हालाँकि, बेरोजगारी भी बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि युवा कोष केवल कागजों पर ही है और हमारे लोगों के लिए उपलब्ध नहीं है। प्रदर्शन में रिपब्लिक पार्टी के वरिष्ठ राज्य नेता डॉ. एम. वेंकटस्वामी, पूर्व मंत्री और राज्य उपाध्यक्ष एन. महेश, राज्य भाजपा महासचिव पी. राजीव, पूर्व विधायक संपांगी, समुदाय के नेता हरिराम, दलित नेता जगन्नाथ, नेता चिना रामू, मुनिकृष्णा, सतीश, पी. मूर्ति, डॉ. मुनिराजू, रमेश, महेश और विभिन्न दलित संगठनों के नेताओं ने भाग लिया।

भीषण गर्मी के मद्देनजर

स्कूलों में समय से पहले घोषित हो सकता है ग्रीष्मकालीन अवकाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में स्कूली बच्चों की परीक्षाएं शुरू होने के साथ ही तापमान में भी दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। इस पृष्ठभूमि में यह कहा जा रहा है कि विद्यार्थियों के हित में परीक्षाएं समय से पहले समाप्त करने तथा स्कूलों में समय से पहले ही गर्मी की छुट्टियां घोषित करने की संभावना है। मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी संदेश भेज दिया है कि गर्मियों से पहले अधिकांश जिलों में तापमान बढ़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में, माता-पिता इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि उनके बच्चों को गर्मी की छुट्टियां कब मिलेंगी। राज्य में स्कूली बच्चों को आमतौर पर अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश दे दिया जाता है। लेकिन इस बार, गर्मी से पहले ही राज्य भर में तापमान में वृद्धि जारी है। इसलिए संभावना है कि इस बार ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा समय से पहले कर दी जाएगी। संभव है कि स्कूली बच्चों की परीक्षाएं मार्च में ही पूरी हो जाएं और फिर छात्रों के हित में जल्दी यानी अप्रैल से पहले ही छुट्टियां घोषित कर दी जाएं। पिछली बार की तुलना में इस बार 2025 की गर्मियों से पहले ही भीषण गर्मी जारी रहने की संभावना है। परिणामस्वरूप, ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डरने लगे हैं। ऐसी स्थिति में भी अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले इसकी घोषणा करें। राज्य में तापमान बढ़ने के साथ ही आने वाले दिनों में गर्म हवाएं चलने की संभावना है। इसलिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने लोगों और बच्चों सहित पशुओं को धूप से बचाने के लिए एहतियाती उपाय अपनाने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। लोगों को दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में बाहर जाने से बचना चाहिए। खूब पानी पीना चाहिए, भले ही आपको प्यास न लगी हो। जितना संभव हो सके हल्के, हल्के रंग के, ढीले-ढाले और हवादार सूती कपड़े पहनें। धूप में बाहर जाते समय सुरक्षात्मक चश्मा, छाता, टोपी, जूते या सैंडल का उपयोग करना चाहिए। दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच जब धूप तेज हो, तब अधिक मेहनत वाले कामों और बाहर काम करने से बचने की सलाह दी गई है। शराब, चाय और कॉफी से बचें, क्योंकि ये शरीर में पानी की कमी कर देते हैं। यदि बाहर काम कर रहे हों तो सुरक्षात्मक उपायों का पालन करना होगा।

बच्चों या पालतू जानवरों को पार्क किए गए वाहनों के पास नहीं छोड़ा जाना चाहिए। यदि आप बेहोशी या बीमार महसूस करते हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। घर में बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरणी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का प्रयोग करना चाहिए। इससे शरीर को पुनः हाइड्रेट करने में मदद मिलती है। पशुओं को छाया में रखना चाहिए। उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दिया जाना चाहिए। घर को ठंडा रखने के लिए पर्दे, शटर या सनशेड का प्रयोग करें। रात में खिड़कियाँ खोलनी चाहिए। पंखे का प्रयोग करें, ढीले कपड़े पहनें और बार-बार ठंडे पानी से नहाएं। किसानों और यात्रियों को यात्रा करते समय अपने साथ पानी ले जाना चाहिए। औसत व्यक्ति के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है। लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को गर्मी के संपर्क में आने से बचाएं। विभाग ने लोगों को हल्के, हल्के रंग के, ढीले-ढाले, सूती कपड़े पहनने की सलाह दी है। जिला प्रशासन ने लू से पीड़ित होने वाले व्यक्ति के उपचार के लिए सलाह जारी की है। ऐसे व्यक्ति को ठंडे स्थान पर, छाया में रखें। उन्हें नम कपड़े से पोंछें और उनके शरीर को बार-बार धोएं। अपने सिर पर सामान्य तापमान का पानी डालें। शरीर का तापमान कम करना महत्वपूर्ण है। व्यक्ति को पीने के लिए कुछ दिया जाना चाहिए या नींबू पानी, स्मूदी या शरीर को पुनः जलयुक्त करने के लिए कुछ उपयोगी चीज दी जानी चाहिए। व्यक्ति को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। रोगी को तत्काल अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता होती है, क्योंकि तापघात घातक हो सकता है।

अभिनेत्री रान्या राव की सोने की तस्करी की जांच में उच्च स्तरीय सांठगांठ का खुलासा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, जो एक सेवारत आईपीएस अधिकारी की बेटी है, को सोने की तस्करी के नेटवर्क में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि उसने दुबई से बेंगलूरु तक सोने की तस्करी के लिए मोटी कमीशन कमाया था। सूत्रों के अनुसार रान्या राव ने सोने की तस्करी करने वाले सरगनाओं के इशारे पर काम किया, जिन्होंने जांच से बचने के लिए आईपीएस अधिकारी की बेटी होने के अपने दर्जे का फायदा उठाया। जांच में पता चला कि अभिनेत्री, जिसकी वित्तीय पृष्ठभूमि महंगी खरीद का समर्थन नहीं करती थी, वैध रूप से 17.29 करोड़ रुपये का सोना हासिल नहीं कर सकती थी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने पाया कि रान्या राव को तस्करी किए गए सोने के प्रति किलोग्राम 4 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक का कमीशन मिलता था। अधिकारियों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह ने अवैध संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए रणनीतिक रूप से उसकी प्रोफाइल का इस्तेमाल किया। जांच में बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के कर्मचारियों की संलिप्तता के बारे में भी संदेह पैदा हुआ, जो तस्करी नेटवर्क के भीतर गहरी सांठगांठ का सुझाव देता है। जांचकर्ता अब तस्करी किए गए सोने के प्राप्तकर्ताओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पिछले दो सालों के बैंक लेन-देन समेत रान्या राव के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और नेटवर्क में उसके कनेक्शन का पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच चल रही है। रान्या राव से एयरपोर्ट और उसके घर से भारी मात्रा में सोना और नकदी जब्त किए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मामले को अपने हाथ में लिए जाने की उम्मीद है। डीआरआई अधिकारियों ने कथित तौर पर उसके घर से मिली 2.67 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी के बारे में ईडी के साथ जानकारी साझा की है। अभिनेत्री पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भी आरोप लग सकते हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि रान्या राव ने शुरू में एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच का विरोध किया था और कथित तौर पर अपने पिता के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद का हवाला देकर अधिकारियों को धमकाया था। उसके व्यवहार ने संदेह पैदा किया, जिसके चलते डीआरआई अधिकारियों ने उस पर कड़ी निगरानी रखी। आगे की जांच में पता चला कि कथित तौर पर एयरपोर्ट से उसे एस्कॉर्ट मुहैया कराने वाले कुछ पुलिस कर्मियों की अब जांच चल रही है। अभिनेत्री को सोमवार रात को बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया, जहां अधिकारियों ने दुबई से एमिरेट्स की फ्लाइट से आने के दौरान 14.8 किलोग्राम सोना जब्त किया। अधिकारी दुबई में उसकी लगातार यात्राओं के कारण उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे, जिसके कारण अंततः तस्करी के इस अभियान का भंडाफोड़ हुआ।

सरकारी नियमों के चलते मेंगलूरु की टाइल फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर

2,000 नौकरियां खतरे में

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु का प्रतिष्ठित 'मेंगलूरु टाइल्स' उद्योग कड़े और अव्यवहारिक सरकारी नियमों के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है, जिससे लगभग 2,000 श्रमिक और उनके परिवार संकट में हैं।

टाइल उत्पादन के लिए महत्व-पूर्ण मिट्टी की खुदाई पर अवैज्ञानिक नीतियों ने कारखाना मालिकों को परिचालन रोकने पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। स्थानीय अधिकारियों ने टाइल निर्माण के लिए आवश्यक मिट्टी के खनन पर कई बाधाएँ लगाई हैं। नए नियम, जो पहले अस्तित्व में नहीं थे, अब सख्ती से लागू किए जा रहे हैं, जिससे कारखानों के लिए परिचालन जारी रखना मुश्किल हो रहा है। जबकि मिट्टी की खुदाई केवल फरवरी, मार्च और अप्रैल के दौरान ही की जाती है, अव्यवहारिक नीतियों के कारण उत्पादन सीमित हो रहा है, जिससे कारखाना मालिकों और श्रमिकों में व्यापक चिंता पैदा हो रही है। एक सदी से भी अधिक समय से, मेंगलूरु अपनी उच्च गुणवत्ता वाली टाइलों के लिए जाना जाता है। अपने चरम पर, इस क्षेत्र में मेंगलूरु में 80 टाइल कारखाने थे, कुंडापुर में 17 और उत्तर कन्नड़ जिले में 16। हालांकि, मिट्टी की कमी और श्रम मुद्दों के कारण, उत्तर कन्नड़ में सभी कारखाने बंद हो गए हैं। कुंडापुर के टाइल फैक्ट्री मालिक संघ के अध्यक्ष प्रकाश टी सोन्स ने कहा कि वर्तमान में, कुंडापुर में केवल नौ कारखाने संचालित हैं, जबकि मेंगलूरु में केवल चार टाइल कारखाने हैं। खनन विभाग के नए नियमों के अनुसार, मिट्टी की खुदाई के लिए 14 से अधिक विभागों से मंजूरी की आवश्यकता होती है। ऐसी परिस्थितियों में काम करना व्यावहारिक रूप से असंभव है। दक्षिण कन्नड़ के विपरीत, उडुपी जिला इन कड़े नियमों को लागू करता है। अधिकारियों को इस मुद्दे को गंभीरता से लेने और इसे जल्द से जल्द हल करने की आवश्यकता है। कारखाने के मालिक हमेशा निजी भूमि से ही मिट्टी प्राप्त करते रहे हैं, अब तक किसी सरकारी भूमि का उपयोग नहीं किया गया है।

उन्हें कभी भी सब्सिडी या छूट नहीं मिली है। हालाँकि, उडुपी जिला खनिज विभाग के हालिया निर्देश के अनुसार खनन विभाग से मिट्टी प्राप्त करने से पहले विभिन्न विभागों से कई परमिट प्राप्त करना आवश्यक है, जिससे खरीद लगभग असंभव हो गई है। अधिकारी मिट्टी के खनन को रेत और बजरी की खुदाई की तरह मान रहे हैं, जिसके बारे में कारखाना मालिकों का तर्क है कि यह अनुचित है। रेत परिवहन के लिए परमिट प्रणाली मिट्टी पर लागू नहीं की जा सकती, क्योंकि सैकड़ों ट्रक प्रतिदिन मिट्टी का परिवहन करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुंडापुर में सर्वर की समस्याओं ने शेष कारखानों को कच्चे माल की आपूर्ति में और बाधा उत्पन्न की है। चूँकि पूरे वर्ष के उत्पादन के लिए मिट्टी केवल फरवरी, मार्च और अप्रैल के दौरान ही एकत्र की जा सकती है, इसलिए मानसून के मौसम की शुरुआत के साथ खुदाई असंभव हो जाती है, जिससे टाइल निर्माताओं के सामने चुनौतियाँ और बढ़ जाती हैं। 1865 से चली आ रही मेंगलूरु की टाइल और ईंट उद्योग की शुरुआत भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजारों में हुई है। मेंगलूरु की टाइलें अपनी गुणवत्ता और टिकाऊपन के लिए विश्व स्तर पर पहचानी जाती हैं, जो पीढ़ियों से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। टाइल निर्माताओं ने उत्पादन जारी रखने के लिए लगातार सरकार द्वारा अनिवार्य रॉयल्टी का भुगतान किया है। उद्योग के संघ ने उत्पादन स्तरों के आधार पर रॉयल्टी राशि निर्धारित करने के लिए सरकार के साथ काम किया।

उद्योग स्थायी रूप से बंद हो सकता है

हाल ही तक, यह प्रक्रिया सुचारू थी, जिससे निर्बाध टाइल उत्पादन सुनिश्चित होता था। हालांकि, खान और भूविज्ञान विभाग द्वारा निजी भूमि से मिट्टी की खुदाई पर लगाए गए नए प्रतिबंधों ने कई टाइल कारखानों को बंद करने के लिए मजबूर कर दिया है, जिससे हजारों श्रमिकों की आजीविका को खतरा है। टाइल और ईंट उद्योग कर्नाटक के निर्माण क्षेत्र की रीढ़ रहा है, जिसने एक सदी से भी अधिक समय से अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है। फैक्ट्री मालिकों ने 25 फरवरी को डिप्टी कमिश्नर को औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया, जिसमें नए नियमों से राहत मांगी गई। खान और भूविज्ञान मंत्री, श्रम विभाग और संबंधित जिला अधिकारियों से भी अपील की गई है। हालांकि, अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उद्योग ठप होने के कारण, हजारों कर्मचारी अनिश्चितता में हैं। तत्काल हस्तक्षेप के बिना, कर्नाटक का ऐतिहासिक टाइल उद्योग स्थायी रूप से बंद हो सकता है।

कर्नाटक में 137 अवैध अप्रवासियों का पता लगाया गया, निगरानी कड़ी की गई: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने खुलासा किया है कि राज्य में बांग्लादेश और पाकिस्तान के नागरिकों सहित 137 अवैध अप्रवासियों की पहचान की गई है। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। पहचाने गए अवैध अप्रवासियों में 25 पाकिस्तानी नागरिक हैं। अवैध अप्रवास के बढ़ते खतरे पर चर्चा के दौरान परमेश्वर ने विधानसभा को सूचित किया कि सभी पहचाने गए अप्रवासियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने विधानसभा में कहा कई मौकों पर, हमने विदेश मंत्रालय को उनके संबंधित दूतावासों से संपर्क करने के लिए सूचित किया है। निर्वासन तकउन्हें विदेशियों के हिरासत केंद्र में रखा जाएगा। अवैध अप्रवासी बेंगलूरु शहर (84), बेंगलूरु ग्रामीण (27), शिवमोग्गा (12), हासन (3), मेंगलूरु (1) और उडुपी (10) में पाए गए हैं। 2016 में, बीजापुर जिले से 33 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित किया गया था। गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि पाकिस्तान या बांग्लादेश से किसी भी अवैध अप्रवासी को राज्य में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। हजारों बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित किया जा चुका है।

हासन, चिकमंगलूरु और कोडागु में कॉफी बागानों में काम करने वाले अवैध अप्रवासियों के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई लोग मजदूर के रूप में काम करते हैं और छिपे रहते हैं। कुछ लोग व्यापक नेटवर्क के माध्यम से राशन कार्ड, पहचान पत्र और मतदाता पहचान पत्र भी प्राप्त करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार इस मामले में कोई समझौता नहीं करेगी और सभी पहचाने गए अवैध अप्रवासियों को तुरंत गिरफ्तार कर निर्वासित किया जाएगा। अवैध आग्नेयास्त्रों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बीजापुर जिले में बड़ी संख्या में देसी पिस्तौल और गोलियां जब्त की गई हैं, जो कानून प्रवर्तन के लिए चुनौती बन गई हैं। भू-माफिया के बारे में परमेश्वर ने कहा कि 27 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से आठ मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित हैं, क्योंकि धोखेबाज उनके दस्तावेजों का उपयोग अवैध रूप से जमीन बेचने के लिए कर रहे हैं। मंत्री ने राशन चावल की अवैध बिक्री के बारे में भी चेतावनी दी, जहां सार्वजनिक वितरण चावल को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बेचा जा रहा है। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने अवैध अप्रवास, खासकर रोहिंग्याओं के बीच, पर चिंता जताई और सुझाव दिया कि अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो कर्नाटक को पश्चिम बंगाल जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने केंद्र से राज्य की सीमा पर ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) इकाई स्थापित करने का आग्रह किया।

तेजस्वी सूर्या ने गायक-नर्तक शिवश्री स्कंदप्रसाद के साथ किया विवाह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण बेंगलूरु से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को बेंगलूरु में एक अंतरंग, पारंपरिक समारोह में कर्नाटक गायक और भरतनाट्यम नर्तक शिवश्री स्कंदप्रसाद के साथ विवाह किया। दो बार सांसद रह चुके इस सांसद की शादी में कई भाजपा नेता और मंत्री शामिल हुए, जिन्होंने सोशल मीडिया पर नवविवाहित जोड़े के साथ तस्वीरें साझा कीं। इसमें केंद्रीय राज्य मंत्री (एमओएस) वी. सोमन्ना, अर्जुन राम मेघवाल, सांसद पी.सी. मोहन और शोभा करंदलाजे, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, भाजपा नेता प्रताप सिम्हा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष, इतिहासकार और लेखक विक्रम संपत सहित अन्य लोग शामिल हुए। शिवश्री भक्ति और शास्त्रीय संगीत के प्रशंसकों के लिए एक जाना-पहचाना चेहरा हैं, लेकिन उन्होंने फिल्म संगीत में तब कदम रखा जब उन्होंने एआर रहमान के पोन्नियिन सेलवन के मूल स्कोर के हिस्से 'वनथीज मैसेज' को अपनी आवाज दी।

भाजपा ने अचानक नक्सलियों के आत्मसमर्पण को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की

प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा में उस समय गरमागरम बहस हुई, जब भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर नक्सलियों के अचानक आत्मसमर्पण को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने आत्मसमर्पण की तेजी पर सवाल उठाए और नक्सलवाद के खतरे को कम आंकने के खिलाफ चेतावनी दी। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बोलते हुए भाजपा विधायक और महासचिव वी. सुनील कुमार ने आत्मसमर्पण प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा मैं नक्सल प्रभावित क्षेत्र से आता हूं और मैंने उनकी हिंसा के प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। नक्सलियों का अचानक आत्मसमर्पण गंभीर सवाल खड़े करता है। कुमार ने जोर देकर कहा कि वह आत्मसमर्पण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जिस तरह से आत्मसमर्पण किया गया, उस पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा यह रातोंरात कैसे हो गया? नक्सली, जिन्हें तलाशी अभियान के दौरान नहीं पकड़ा जा सका, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के एक ट्वीट के बाद अचानक सामने आ गए। वास्तव में प्रशासन कौन चला रहा है? उन्होंने खतरे की गंभीरता को उजागर करते हुए भाजपा कार्यकर्ता शेषप्पा गौड़ा की नक्सलियों द्वारा की गई नृशंस हत्या का जिक्र किया। जब इस तरह के अत्याचार हुए हैं, तो सरकार इस मुद्दे को इतनी आसानी से हल करने का दावा कैसे कर सकती है? पूर्व गृह मंत्री और भाजपा विधायक अरगा ज्ञानेंद्र ने भी इसी तरह की चिंता जताई और आत्मसमर्पण प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा हमने अपने कार्यकाल के दौरान बहुत खोजबीन की, लेकिन वे नहीं मिले। एक ट्वीट के बाद वे कैसे आत्मसमर्पण कर गए? इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने आरोपों को खारिज किया और भाजपा के रुख पर सवाल उठाया। आप क्या चाहते हैं? क्या हिंसा जारी रहनी चाहिए? कर्नाटक समेत कई राज्यों में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। क्या आप नहीं चाहते कि नक्सलवाद खत्म हो? राव ने सरकार के कदमों का बचाव करते हुए कहा कि आत्मसमर्पण प्रक्रिया नक्सलवाद का समर्थन नहीं बल्कि शांति की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा, पूर्व नक्सलियों के मुख्यधारा में शामिल होने और लोगों के प्रतिनिधि के रूप में सेवा करने के कई उदाहरण हैं। गत 8 जनवरी को कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के छह माओवादियों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मौजूदगी में आत्मसमर्पण किया। सरकार ने तब कर्नाटक को वामपंथी उग्रवाद मुक्त राज्य घोषित किया था। हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने आत्मसमर्पण की घटना को 'सरासर नाटक' करार दिया, जिससे इस मुद्दे पर राजनीतिक तनाव बढ़ गया। दोनों दलों के अपने-अपने रुख पर अड़े रहने के कारण नक्सलियों के आत्मसमर्पण से निपटने को लेकर बहस जारी रहने की उम्मीद है, जो इस संवेदनशील मुद्दे पर गहरी राजनीतिक विभाजन को दर्शाता है।

भाजपा सरकार दक्षिणी राज्यों के साथ सहज नहीं : मंत्री पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर अपनी चिंता व्यक्त की और मांग की कि अगर केंद्र परिसीमन करना चाहता है तो उसे दक्षिण में सीटों की संख्या की रक्षा करनी चाहिए। परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक के बाद, पाटिल ने बताया भाजपा सरकार दक्षिणी राज्यों के साथ सहज नहीं है क्योंकि उनके पास दक्षिण में संख्या नहीं है। वे ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर उन्हें निष्पक्ष होना है, तो उन्हें परिसीमन करना है तो दक्षिण में सीटों की संख्या की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि परिसीमन के कारण दक्षिणी राज्यों में सीटों की संख्या प्रभावित होगी। दक्षिणी राज्य इससे प्रभावित होंगे क्योंकि संसद में उनका प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा, लेकिन आनुपातिक रूप से बढ़ेगा नहीं। दक्षिणी राज्य में सीटों की संख्या में वृद्धि मौजूदा सीटों के अनुपात में बढ़नी चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा भाजपा के नारों में ही राष्ट्रवाद का एजेंडा है, लेकिन उनके कामों में नहीं। वे जनहित में काम नहीं करते। उनके पास आरएसएस का एक छिपा हुआ एजेंडा है, जो इस देश की केवल 5-20 प्रतिशत उच्च जाति के लोगों की सुरक्षा करता है। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें पीएम मोदी से संसद में यह आश्वासन देने का अनुरोध किया गया कि यदि परिसीमन किया जाता है, तो यह 2026 से अगले 30 वर्षों तक 1971 की जनसंख्या जनगणना के आधार पर होना चाहिए। निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक के लिए 64 दलों को बुलाया गया था, जिसमें 58 दलों (संगठनों सहित) ने भाग लिया। प्रस्ताव के अनुसार यह सर्वदलीय बैठक सर्वसम्मति से जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का कड़ा विरोध करती है, जिसे भारत के संघीय ढांचे और तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व के लिए एक बड़ा खतरा माना जाता है।

10वीं की छात्रा ने बच्ची को दिया जन्म, आरोपी गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर कन्नड़ जिले में एक घटना घटी है जहां 10वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा ने एक बच्ची को जन्म दिया। मुंडागोड़ा थाना पुलिस ने मामले के सिलसिले में आरोपी गिरीश दुर्गाप्पा भोवी (20) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपना परिचय पीड़िता से कराया, जो मूल रूप से येल्लापुर की रहने वाली है। जब पीड़िता मुंडागोडा तालुका के एक गांव में अपने रिश्तेदारों के घर आई थी, तो आरोपी ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया। आरोप है कि उसने पीड़िता को धमकी देते हुए कहा कि अगर उसने इस मामले के बारे में किसी को बताया तो वह उसे नहीं छोड़ेगा, चाहे उसकी जान ही क्यों न चली जाए। आरोपी की धमकियों के कारण घर पर बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। इसी बीच बुधवार को, पीड़िता के माता-पिता ने उसे अचानक पेट दर्द होने पर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जब डॉक्टर ने छात्रा की जांच की तो पता चला कि वह गर्भवती है। माता-पिता यह खबर सुनकर स्तब्ध हैं कि उनकी स्कूल जाने वाली बेटी गर्भवती है। बाद में छात्रा ने एक बच्ची को जन्म दिया, जिसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। सूत्रों ने बताया कि बच्चे को आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने फिलहाल आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

आर. अशोक ने माओवाद प्रभावित क्षेत्र के अपने भयावह दौरे का किया जिक्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के विपक्ष के नेता आर अशोक ने बुधवार को चिकमंगलूरु जिले के माओवादी प्रभावित क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान हुए एक भयावह अनुभव को याद करते हुए बताया कि कैसे उन्हें भारी पुलिस सुरक्षा के बीच यात्रा करनी पड़ी, मानो वे कोई 'चोर' हों। विधानसभा सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान बोलते हुए अशोक ने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान की एक परेशान करने वाली घटना को साझा किया। उन्होंने उडुपी जिले में भाजपा विधायक सुनील कुमार के निर्वाचन क्षेत्र करकला की यात्रा के बारे में बताया, जहां सुरक्षा प्रोटोकॉल ने उन्हें हैरान कर दिया था। उन्होंने कहा पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों ने मुझसे अपने वाहन का सायरन और लाइट बंद करने को कहा। जब मैंने इस पर सवाल उठाया, तो उन्होंने मुझसे हाथ जोड़कर विनती की कि मैं ऐसा करूं। मेरे पास चोर की तरह लगभग 60 किलोमीटर की यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। जंगल के बीच में स्थित गेस्ट हाउस में, मैंने पूरी रात कुर्सी पर बैठकर बिताई, डर के कारण सो नहीं पाया। अशोक ने उस भयावह माहौल को याद करते हुए बताया कि कैसे एक किलोमीटर दूर 200 पुलिसकर्मी तैनात थे, जिससे वह असुरक्षित महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा अगर किसी ने टाइल की छत से गोली चलाई होती, तो मैं बच नहीं पाता। अगर मैं, एक मंत्री के रूप में, इतना डरा, तो आम ग्रामीणों की दुर्दशा की कल्पना कीजिए। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा कि क्या अशोक इस घटना के बाद भी सुनील कुमार को अपना दोस्त मानते हैं। अशोक ने इस अनुभव के बावजूद उनकी दोस्ती की पुष्टि की।

भारतमाला परियोजना में बड़ा घोटाला

एसडीएम समेत 5 अफसर निलंबित

रायपुर, 06 मार्च (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर जिले के एक सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को निलंबित कर दिया है। यह निलंबन भारतमाला राजमार्ग परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण में मुआवजे की गड़बड़ी को लेकर किया गया है। सरकार की जांच में सामने आया कि इस योजना के तहत 43.18 करोड़ रुपए का गलत तरीके से उपयोग किया गया था। यह मामला इतना गंभीर है कि अब तक पांच अधिकारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

सरकार के अनुसार, रायपुर जिले के अभनपुर में तैनात पूर्व एसडीएम निर्भय कुमार साहू पर आरोप है कि उन्होंने रायपुर-विशाखापत्तनम भारतमाला रोड परियोजना के लिए कुछ भूस्वामियों को गलत तरीके से मुआवजा दिया। इस परियोजना के तहत किसानों को दी जाने वाली राशि में अनियमितताएं पाई गईं, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। फिलहाल, साहू जगदलपुर नगर आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं, लेकिन निलंबन के बाद अब उन पर आगे की जांच का खतरा भी मंडरा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, यह घोटाला पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुआ था। जांच में यह भी सामने आया कि अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग किया और सरकारी नियमों को ताक पर रखकर मुआवजा राशि का गलत तरीके से वितरण किया। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भाजपा के एक नेता की शिकायत के बाद इस मामले की जांच शुरू की गई। जांच में पांच अधिकारियों को इस अनियमितता में लिप्त पाया गया और उन पर अपने आधिकारिक कर्तव्यों में लापरवाही बरतने का आरोप लगा।

इस मामले पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी और राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार किसी भी प्रकार की अनियमितताओं को स्वीकार नहीं करेगी। जनता का पैसा गलत हाथों में नहीं जाने दिया जाएगा।

सरकारी कार्रवाई के बाद अब इस मामले में अन्य आरोपियों पर भी सख्त कदम उठाए जाने की संभावना जताई जा रही है। निलंबित अधिकारी निर्भय कुमार साहू से जब प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, तो उन्होंने न तो कॉल का जवाब दिया और न ही टेक्स्ट मैसेज का। जांच एजेंसियां अब इस पूरे मामले में गहराई से छानबीन कर रही हैं, जिससे आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।

देहरादून में 16 अवैध मदरसों पर लगा ताला

देहरादून, 06 मार्च (एजेंसियां)।
प्रशासन ने मुस्लिम संगठनों के विरोध के बावजूद अभी तक 16 अवैध मदरसों को सील किया। अवैध मस्जिदों और मदरसों पर कारवाई अभी जारी है। देहरादून में 60 से अधिक अवैध रूप से संचालित मदरसे पुलिस प्रशासन द्वारा चिन्हित किए गए हैं। देहरादून प्रशासन इस पर सख्त रवैया अपनाया है। जिला प्रशासन, पुलिस, प्राधिकरण और अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम अवैध मदरसों को सील करने की कार्रवाई कर रही है।

इन मदरसों के पास शिक्षा विभाग, मदरसा बोर्ड की कोई अनुमति नहीं थी और इनकी संस्था के पंजीकरण और इनके भवनों को लेकर अनियमितताएं पाई गई हैं। देहरादून में अभी तक 16 अवैध मदरसे और एक अवैध रूप से बनाई गई मस्जिद को प्रशासन ने सील किया है। देहरादून प्रशासन की कारवाई के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर उपद्रव करने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कुछ देर बाद उन्हें रिहा किया गया। प्रशासन का कहना है कि अवैध मदरसा संचालकों को सत्यापन के दौरान जानकारी दे दी गई थी कि उनका मदरसा अवैध रूप से संचालित किया जा रहा है, लिहाजा उन्हें स्वयं बंद कर देना चाहिए था। प्रशासन का ये भी कहना था कि जो मदरसा, उत्तराखंड मदरसा बोर्ड में पंजीकृत है उन पर कोई कारवाई अभी नहीं की जा रही है।

अवैध मदरसों के बैंक खातों और उनके भू दस्तावेजों की जांच भी की जाएगी। ऐसी सूचनाएं प्रशासन को मिली है कि इन अवैध मदरसों में बाहरी राज्यों के बच्चे लाकर पढ़ाए जा रहे हैं जो कल उत्तराखंड के स्थाई निवासी बनने के हकदार हो जाएंगे। मदरसों को सील करने के लिए आदेश 28 फरवरी को पारित किया गया था। इसके बाद उत्तराखंड मदरसा बोर्ड के पास करीबन 88 आवेदन मान्यता पाने के लिए आए। बोर्ड ने अभी तक इनमें से 51 मदरसों को मान्यता प्रदान की है।

देहरादून के जिला मजिस्ट्रेट सविन बंसल ने बताया कि सदर देहरादून तहसील में ऐसे अंपजीकृत मदरसे 16 पाए गए थे जबकि विकासनगर में 34 , डोईवाला में 6 और कलसी में 1। अवैध मदरसे हैं। जांच के दौरान इन मदरसों के पास पंजीकरण संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद प्रशासन ने इन मदरसों को सील करने के लिए एक संयुक्त टीम का गठन किया। इस टीम में जिला प्रशासन, पुलिस के साथ अल्पसंख्यक आयोग और मदरसा बोर्ड के अधिकारी शामिल थे।

एमएलसी चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन से पीएम मोदी गदगद

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को तेलंगाना एमएलसी चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने एमएलसी चुनावों में भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन देने के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने जनता जनार्दन के बीच कड़ी मेहनत करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की भी सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा, एमएलसी चुनावों में तेलंगाना भाजपा को इस तरह के अभूतपूर्व समर्थन के लिए मैं तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारे नवनिर्वाचित उम्मीदवारों को बधाई। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्नातक एमएलसी चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों की जीत की भी सराहना की। तेलंगाना में भाजपा ने विधान परिषद (एमएलसी) की तीन में से दो सीटें जीती हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एमएलसी चुनावों में तेलंगाना भाजपा को इस तरह के अभूतपूर्व समर्थन के लिए मैं तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारे नवनिर्वाचित उम्मीदवारों को बधाई। उन्होंने कहा कि मुझे हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर बहुत गर्व है, जो लोगों के बीच कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

इससे पहले तेलंगाना विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा समर्थित उम्मीदवार ने जीत हासिल की थी। एक अन्य शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुआ था। भाजपा समर्थित मलका कोमरैया ने मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की और निर्दलीय उम्मीदवार श्रीपाल रेड्डी पिंगिली ने वारंगल-खम्मम-नलगोंडा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी।

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश में स्नातक एमएलसी चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों की जीत की सराहना की। प्रधानमंत्री ने चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों की जीत पर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की ओर से किए गए एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, विजेता उम्मीदवारों को बधाई। केंद्र और आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकारें राज्य के लोगों की सेवा करती रहेंगी और राज्य की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार ए. राजेंद्र प्रसाद और पी. राजशेखरम ने आंध्र प्रदेश में स्नातक विधान परिषद सदस्य चुनाव जीत लिया है, जबकि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र एमएलसी चुनाव में एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार प्रसाद ने आंध्र प्रदेश के अविभाजित कृष्णा-गुंटूर जिलों से स्नातक एमएलसी सीट जीती है। इसी प्रकार तेलुगु देशम पार्टी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जन-सेना वाले राजग का प्रतिनिधित्व करने वाले पी. राजशेखरम ने अविभाजित पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी जिलों से स्नातक एमएलसी चुनाव जीता। निर्दलीय उम्मीदवार जी श्रीनिवासुलु नायडू ने श्रीकाकुलम, विजयनगरम और विशाखापत्तनम के अविभाजित जिलों से शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीट हासिल की।

गोल्ड स्कैम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने गोल्ड स्कैम की एक आरोपी को दो विकल्प दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निवेशकों से लिए गए 25 करोड़ रुपए तीन महीने के अंदर लौटाएं या फिर जेल जाएं। हीरा गोल्ड एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर नोहेरा शेख पर लाखों निवेशकों से 5,600 करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। उनके खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

आज हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को आदेश दिया कि अगर वह 90 दिनों के अंदर निवेशकों से ली गई धनराशि का एक हिस्सा यानी 25 करोड़ रुपए वापस नहीं करती हैं तो उन्हें हिरासत में लिया जाए।

जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि शेख 11 नवंबर 2024 से कोर्ट के लगातार आदेशों की अवहेलना कर रही हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा, हम आरोपी को आखिरी मौके के तौर पर प्रस्ताव देते हैं कि वह तीन महीने की अवधि के अंदर 25 करोड़ रुपए जमा कराए। ऐसा न करने पर उसकी जमानत स्वतः रद्द हो जाएगी और उसे ईडी द्वारा वापस जेल भेज दिया जाएगा।

शेख की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि उसके पास में पैसे नहीं है।

हालांकि, ईडी ने बताया कि शेख के स्वामित्व वाली कई संपत्तियों को जब्त कर लिया गया है और जब शेख के वकील से उन संपत्तियों की लिस्ट मांगी गई जिन्हें नीलाम किया जा सकता है, तो कोर्ट को उनका खुलासा नहीं किया गया।

शेख ने केवल तीन संपत्तियों की लिस्ट शेयर की थी। इनमें से ईडी को तेलंगाना में दो की नीलामी करने की इजाजत दी गई थी।

कंपनी अधिनियम 1956 के तहत गठित यह कंपनी आभूषण और सोने की वस्तुओं का कारोबार करती थी और इसने निवेश की गई राशि पर 36 फीसदी रिटर्न देने का वादा करते हुए कई योजनाएं शुरू की थीं। शुरुआत में कंपनी ने रिटर्न का भुगतान किया, लेकिन साल 2018 के आसपास, कुछ निवेशकों ने कंपनी और शेख के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। उसे अक्टूबर 2018 में गिरफ्तार किया गया था। हीरा गोल्ड और उसकी एमडी के खिलाफ एसएफआईओ की तरफ से जांच शुरू की गई थी। यह जांच अभी भी जारी है। कंपनी के खिलाफ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली में कई मामले लंबित हैं।

पहले सूखा, अब हिमस्खलन से जूझ रहा कश्मीर

जम्मू, 06 मार्च (ब्यूरो)।
इस बार भयानक सर्दियों के बावजूद कश्मीर सूखे से जूझता रहा है और अब जब मार्च के शुरू में बर्फबारी हो रही है तो कश्मीरियों को हिमस्खलन की घटनाओं से जूझना पड़ रहा है। दिसंबर और जनवरी में शुष्क मौसम के साथ अब अनुकूल सर्दी का मौसम आ गया है, जिसमें पहले फरवरी के आखिरी सप्ताह में और अब मार्च के पहले सप्ताह में भारी बर्फबारी हुई है। लेकिन, जैसे-जैसे सूरज फिर से चमकने लगा है, हिमस्खलन का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। खासकर उत्तरी और मध्य कश्मीर के गुरेज, बांडीपोरा, कुपवाड़ा, बारामुल्ला और गंदरबल जिलों के इलाकों में हिमस्खलन का खतरा मंडरा रहा है।

पिछले दो हफ्तों से कश्मीर में भारी बर्फबारी हो रही है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते तापमान के साथ इतनी भारी मात्रा में बर्फबारी से बर्फ की परतें पिघल जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर हिमस्खलन होता है, जिससे पहाड़ों से बहुत ज्यादा बर्फ तेजी से नीचे गिरती है और रास्ते में सब कुछ नष्ट हो जाता है। 28 फरवरी को, शुक्रवार दोपहर को विश्व प्रसिद्ध स्की रिसार्ट गुलमर्ग के कंगडोरी में अफरावत चोटी पर एक बड़े हिमस्खलन की घटना कैमरे में कैद हो चुकी है।

अफरावत चोटी पर कंगडोरी में भारी हिमस्खलन के बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया, क्योंकि वहां पर्यटकों और स्कीयरों की भीड़ थी। सौभाग्य से किसी के घायल होने या बुनियादी ढांचे को नुकसान होने की सूचना नहीं मिली, लेकिन सर्दियों के अंत में इतनी भारी बर्फबारी के कारण और अधिक हिमस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने भी सप्ताहांत के लिए बहुत अच्छा मौसम पूर्वानुमान नहीं दिया है, क्योंकि 9 से 12 मार्च के बीच जम्मू कश्मीर और लद्दाख में और अधिक बर्फबारी होने की उम्मीद है। अधिक बर्फबारी के कारण, हिमस्खलन का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे कश्मीर के ऊपरी इलाकों में रहने वाले स्थानीय लोगों की रातों की नींद उड़ जाएगी।

जम्मू कश्मीर के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि गंदरबल, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, रियासी में 2500 मीटर से ऊपर मध्यम खतरे के स्तर का हिमस्खलन होने की संभावना है वहीं सोमवार को गंदरबल जिले के सोनमर्ग इलाके में जीरो पाइंट और जोजिला दर्रे के बीच भी एक छोटा हिमस्खलन हुआ। सौभाग्य से हिमस्खलन शून्य आबादी वाले क्षेत्र में हुआ और बर्फबारी के कारण लोगों की आवाजाही नहीं हो रही थी और किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। मंगलवार को मामूली हिमस्खलन के बाद अधिकारियों ने अगले 24 घंटों में गंदरबल में 2300 मीटर से ऊपर मध्यम खतरे के स्तर के हिमस्खलन की संभावना के बारे में फिर से चेतावनी दी थी और कल सोनमर्ग के सरबल गांव में श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर एक बड़ा हिमस्खलन हुआ, जहां फोर-लेनिंग परियोजना और जोजिला सुरंग परियोजना पर काम कर रहे निर्माण श्रमिक बर्फ की चपेट में आ गए। जब हिमस्खलन हुआ, तो उस समय की हलचल कैमरे में कैद हो गई, क्योंकि ह्यूग पर्वत से भारी मात्रा में बर्फ राजमार्ग की ओर बढ़ रही थी, जहां दो वाहनों में सवार श्रमिक फंस गए। हिमस्खलन बुधवार सुबह करीब 10 बजे हुआ और सौभाग्य से किसी के हताहत होने या बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है।

तमिलनाडु में सेंथिल बालाजी और अन्य के खिलाफ ईडी का छापा

चेन्नई/बेंगलुरु, 06 मार्च (एजेंसियां)।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी तमिलनाडु राज्य विपणन निगम में कथित अनियमितताओं को लेकर की गई। यह कार्रवाई मंत्री सेंथिल बालाजी और अन्य के खिलाफ धन शोधन की ताजा जांच के तहत की गई। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम का राज्य में शराब व्यापार पर एकाधिकार है।

राज्य में करीब 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है जिनमें बालाजी, कुछ सरकारी ठेकेदारों और अन्य संस्थाओं से जुड़े परिसर भी शामिल हैं। जांच तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। तमिलनाडु के बिजली मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता की भूमिका की ईडी जांच कर रहा है, जो राज्य परिवहन विभाग में नौकरी के बदले नकदी घोटाले जैसे पहले के धन शोधन मामले की जांच के दायरे में रहे हैं। मामले में संघीय एजेंसी ने उन्हें गिरफ्तार किया और वर्तमान में वह जमानत पर बाहर हैं।

टनल को लेकर 5 साल पहले ही मिली थी चेतावनी

हैदराबाद, 06 मार्च (एजेंसियां)।
तेलंगाना के जिस एसएलबीसी सुरंग में लोग फंसे उसके बारे में पांच साल पहले ही चेतावनी दी गई थी। यह रिपोर्ट जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए बनाई गई थी, जिसे 2005 में सुरंग बनाने का ठेका मिला था। जनवरी 2020 में अम्बर्ग टेक एजी नाम की कंपनी ने यह रिपोर्ट तैयार की थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि सुरंग के मुहाने से 13.88 किमी से 13.91 किमी के बीच एक फॉल्ट ज़ोन है, यानी ऐसा हिस्सा जहां चट्टान कमजोर है और पानी भरा हो सकता है। जब जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने रिपोर्ट की पुष्टि की, लेकिन ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। अम्बर्ग ने भी इसे गोपनीय बताते हुए कुछ भी कहने से मना कर दिया।

रिपोर्ट में बताया गया था कि कंपनी ने भूकंपीय तरंगों के जरिए चट्टान की ताकत का आकलन किया था। इस जांच में पाया गया कि कुछ हिस्सों में चट्टान कमजोर थी, वहां पानी भरा होने की संभावना थी और यह क्षेत्र खिसक भी सकता था। बचावकर्मियों के मुताबिक, सुरंग का वही हिस्सा गिरा, जिसके बारे में रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी। बचाव अभियान में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि छत दोष क्षेत्र के चारों ओर करीब तीन मीटर तक गिर गई। सुरंग में बार-बार पानी भरने की वजह से राहत कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। बचाव अभियान 13.5 किमी के बाद केंद्रित है, जहां सुरंग बोरिंग मशीन फंसी हुई है और मजदूरों का कोई पता नहीं चल रहा।

यह रिपोर्ट 2020 में जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को सौंपी गई थी, लेकिन यह साफ नहीं है कि इसे राज्य सरकार के सिंचाई विभाग को दिया गया था या नहीं। जब सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी रिपोर्ट की जानकारी नहीं है।

भूवैज्ञानिकों का कहना है कि चार साल में चट्टानों की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं होता, लेकिन पानी के रिसाव की संभावना बढ़ सकती है। 2020 में हुए एक और अध्ययन में भी इस सुरंग से जुड़ी खामियां पाई गई थीं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक मंडपल्ली राजू और जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के भूविज्ञानी ऋतुराज देशमुख के शोध पत्र के मुताबिक, सुरंग का निर्माण बिना पूरी जांच-पड़ताल के शुरू कर दिया गया था। चूंकि सुरंग टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट के अंतर्गत आती है, इसलिए यहां ड्रिलिंग और अन्य जांच की अनुमति नहीं थी, जिससे निर्माण से पहले की ज़रूरी जानकारी नहीं मिल पाई।

रिपोर्ट के अनुसार, सुरंग बनाने का काम उपलब्ध डेटा, श्रीशैलम लेफ्ट बैंक अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के अनुभव, हवाई फोटो अध्ययन और रिमोट सेंसिंग तकनीकों के आधार पर किया गया था। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान सनी सिंह, गुरप्रीत सिंह (रॉबिन्स टनल बोरिंग मशीन कंपनी) और मनोज कुमार, श्रीनिवास, संदीप साहू, संतोष साहू, अनुज साहू और जगत खेस (जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड) के रूप में हुई है।

फिर माहौल खराब कर रहे कट्टरपंथी

जम्मू, 06 मार्च (ब्यूरो)।
जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा द्वारा 13 जुलाई 1931 के उपद्रवियों पर की गई टिप्पणी पर विधानसभा के भीतर और बाहर बबाल मचा हुआ है। एक बार फिर कश्मीर में कट्टर इस्लामिक तत्व प्रदेश का माहौल खराब करने में लगे हैं। अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक भी फिर से पंख फड़फड़ाने लगे हैं।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने गुरुवार को विधानसभा में सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेता इल्तिजा मुफ्ती के नेतृत्व में विरोध मार्च पोलो व्यू श्रीनगर में संपन्न हुआ। इल्तिजा मुफ्ती ने 13 जुलाई 1931 को किए गए इस्लामिक तांडव को लोकतंत्र के लिए की गई लड़ाई बता दिया।

आईटीआई छात्रों की करियर काउंसिलिंग कराने का निर्देश

विदेशी भाषाएं भी सिखाई जाएंगी

गोरखपुर, 06 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जंगल कौड़िया स्थित स्व. रामपति यादव राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जोर दिया कि आईटीआई में विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट, करियर काउंसिलिंग और वर्क एक्सपोजर का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रदेश में आईटीआई में विदेशी भाषाओं से संबंधित कोर्स का संचालन भी किया जाए, जिससे विदेशों में नौकरी के लिए जाने वाले छात्रों को किसी प्रकार की भाषाई असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्हें अलग से ट्रेनिंग करने के बजाए स्थानीय दक्ष वर्क फोर्स जैसी तरजीह मिले।

सीएम योगी ने इस बात पर भी जोर दिया कि ट्रेनिंग पूरी करने के बाद विद्यार्थियों की आय का मार्ग प्रशस्त हो, इसके लिए भविष्य की जरूरतों पर आधारित कोर्स का संचालन किया जाए। इसके साथ ही, सीएम योगी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें सफलता के मूलमंत्र भी सिखाए।

आईटीआई में विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए सीएम योगी ने विद्यार्थियों को सफलता के मूलमंत्र सिखाए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें क्योंकि डिटेलिंग से ही बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान किया जा सकता है। स्वयं के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने की सीख देते हुए सीएम योगी ने विद्यार्थियों को आत्म अनुशासन के पालन करने का पाठ भी पढ़ाया। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान सभी जरूरी प्रक्रियाओं का पालन करने तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर कार्य करने का सही फ्रेमवर्क निर्धारित करने का मूलमंत्र भी दिया।

सीएम योगी ने सिउरिया में निर्माणाधीन पंप हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान परियोजना को लेकर जारी निर्माण कार्य की प्रगति जानने के लिए उन्होंने डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अध्ययन किया। पंप हाउस के निर्माण निर्धारित समय सीमा के अंदर हो, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने अधिकारियों व इंजीनियर्स को निर्देश भी दिए। इस दौरान सांसद प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि किशन, विधायक महेंद्र पाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

कौशांबी में पकड़ा गया बब्बर खालसा का बड़ा आतंकी

महाकुंभ में थी बड़ी खुराफात की तैयारी

प्रयागराज, 06 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश एसटीएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गुरुवार तड़के कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक सक्रिय आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। पकड़ा गया आतंकी लजार मसीह पंजाब के अमृतसर के रामदास इलाके के कुर्लियान गांव का रहने वाला है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और जर्मनी स्थित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है। पकड़ा गया आतंकवादी महाकुंभ में खतरनाक हमला करने की योजना बनाकर यहां पहुंचा था।

गिरफ्तारी के दौरान लजार मसीह के पास से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने उसके पास से तीन हथगोले, दो डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा, एक संदिग्ध सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर, एक आधार कार्ड (जिसमें गाजियाबाद का पता दर्ज था) और बिना सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, लजार मसीह 24 सितंबर 2024 को पंजाब में न्यायिक हिरासत से फरार हो गया था, जिसके बाद से वह लगातार पुलिस के रडार पर था।

यूपी एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि लजार मसीह पाकिस्तान में बैठे आईएसआई गुर्गों के सीधे संपर्क में था और देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। ऑपरेशन कौशांबी के कोखराज थाना क्षेत्र में चलाया गया, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। इस गिरफ्त-ारी से आतंकवाद के बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि इससे पहले 23 फरवरी को पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के दो अहम ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया था। ये दोनों खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंडा और अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासियां के संपर्क में थे। पुलिस जांच में सामने आया कि उन्हें पंजाब में टारगेट किलिंग का निर्देश दिया गया था। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान जगदीश सिंह उर्फ जग्गा और शुभदीप सिंह औलख उर्फ शुभ के रूप में हुई थी।

पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के अनुसार, इन आतंकियों ने 10 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक व्यक्ति की हत्या और दूसरे को गंभीर रूप से घायल करने की बात कबूल की है। यह हमला हरविंदर सिंह रिंडा के निर्देश पर किया गया था। इनके पास से दो .32 बोर की पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों आरोपी पंजाब के तरनतारण जिले के रहने वाले हैं। इस ऑपरेशन के बाद सुरक्षा एजेंसियां अब बीकेआई के नेटवर्क पर कड़ी नजर रख रही हैं।

एएमयू में हिंदू छात्रों को नहीं मिली होली मनाने की इजाजत

अलीगढ़, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में हिंदू छात्रों को होली मिलन समारोह की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। छात्रों ने 25 फरवरी को वाइस चांसलर को पत्र देते हुए 9 मार्च को होली मिलन समारोह के लिए अनुमति मांगी थी। हालांकि प्रशासन ने उच्च स्तरीय बैठक के बाद निर्णय लिया कि वो कैंपस में कोई नई परंपरा शुरू करने की परमिशन नहीं दे सकते। अब तक लोग होली हॉस्टल में मनाते आए हैं और आगे भी होली वही मनाई जाए।

यूनिवर्सिटी प्रशासन के इस निर्णय के बाद हिंदू छात्रों ने इसे भेदभावपूर्ण बताया। छात्रों ने सवाल उठाए कि विश्वविद्यालय में अन्य धार्मिक आयोजनों जैसे रोजा इफ्तार, मोहर्रम का जुलूस और चेहल्लुम की अनुमति होती है, फिर होली मिलन समारोह की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है। छात्रों ने तर्क दिया कि पीएम मोदी एएमयू को मिनी इंडिया तक कह चुके हैं। बावजूद इसके हिंदू छात्रों के साथ भेदभाव हो रहा है। वहीं मामले पर एएमयू के प्रॉक्टर प्रोफेसर मोहम्मद वसीम अली ने कहा कि विश्वविद्यालय में कभी भी इस तरह के विशेष आयोजनों की अनुमति नहीं दी गई है और इसलिए इस बार भी इसे मंजूरी नहीं दी जाएगी। उनका कहना था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

यूपी में महापुरुषों के नाम शुरू होंगी दस योजनाएं

कबीर, शबरी, लक्ष्मीबाई से लेकर कई अन्य हस्तियां शामिल

लखनऊ, 06 मार्च (एजेंसियां)।

यूपी में दस योजनाएं 10 महापुरुषों के नाम पर शुरू होंगी। सीएम योगी ने सदन में विशेष रूप से जानकारी दी। इनका जिक्र बजट के दौरान भी हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट पर चर्चा के दौरान कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की। करीब दस ऐसी योजनाएं महापुरुषों को समर्पित करते हुए सीएम ने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर और समरस समाज की दिशा में नई ऊंचाई देगी। इन योजनाओं से कृषि, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में विकास होगा। साथ ही रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण और बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भक्ति और समर्पण का प्रतीक माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय की स्थापना से किसानों और श्रमिकों को सस्ते दर पर भोजन व आराम की सुविधा मिलेगी। सरकार ने अयोध्या में भी शबरी के नाम पर भोजनालय बनाया है। हर परिवार से न्यूनतम एक व्यक्ति को रोजगार से जोड़ने

के लिए जनपदीय आर्थिक क्षेत्र रोजगार जोन के रूप में बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपद की विशेषताओं और संभावनाओं को देखते हुए 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर इसका विकास किया जाएगा। यह अनूठी पहल देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल को समर्पित होगी।

कामकाजी महिलाओं के लिए वार-ाणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झांसी और आगरा में वर्किंग वुमेन हॉस्टल बनेंगे। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अग्रदूत रहीं अहिल्याबाई के नाम पर ये हॉस्टल उनके 300वें जयंती वर्ष में अर्पित किए जाएंगे। रानी लक्ष्मीबाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अमर वीरांगना थीं। उनके नाम पर मेधावी बालिकाओं को स्कूटी देने की योजना शुरू की गई है।

मानवता और श्रम की महत्ता का प्रचार करने वाले महान संत कबीरदास के नाम पर 10 टेक्सटाइल पार्क स्थापित होंगे।

इससे प्रदेश के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। पहले लखनऊ-हरद-ोई में निर्माणाधीन पीएम मित्र पार्क को भी योगी कैबिनेट ने संत कबीर को ही समर्पित किया था।

समाज में समानता और श्रम की प्रतिष्ठा के पक्षधर संत रविदास के नाम पर प्रदेश में दो लेदर पार्क स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से एक आगरा में होगा। यह योजना चर्म उद्योग को नई दिशा देने के साथ-साथ हजारों कारीगरों और श्रमिकों को रोजगार देगी। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर लखनऊ में सीड पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कृषि संबंधी संसाधन उपलब्ध होंगे। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष मना रही सरकार ने अटल जी के नाम पर प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय बनाने के लिए भी बजटीय प्रावधान किया है।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर समाज कल्याण छात्रावासों के पुनर्निर्माण और नव निर्माण की योजना से दलित, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा में सहायता मिलेगी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150 वें जन्मवर्ष को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मना रही सरकार ने मिर्जापुर और सोनभद्र में उनके नाम पर दो जनजातीय संग्रहालय स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके लिए बजट में धनराशि का प्रावधान किया गया है।

योगी सरकार ने मिल्कीपुर के विकास के लिए खोला खजाना

अयोध्या, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अपने वादों पर खरा उतरने वाली प्रदेश की योगी सरकार ने मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए खजाना खोल दिया है। पर्यटन व सांस्कृतिक दृष्टि से भी मिल्कीपुर को सजाया और संवारा जाने लगा है।

इसी क्रम में 106.60 लाख रुपए से विकासखंड अमानीगंज के राम पट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।

राम मंदिर निर्माण के बाद जिले के सभी पौराणिक स्थलों को विकसित करने का काम तेजी से चल रहा है। मिल्कीपुर में विधानसभा के उपचुनाव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं यह घोषणा की थी कि गहनाग बाबा धाम का जल्द ही सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। इस क्रम में कार्य शुरू हो चुका है। बता दें कि मिल्कीपुर में सड़कों के निर्माण व कुछ विद्यालयों के निर्माण की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है। वह सब निर्माणाधीन हैं।

गहनाग बाबा धाम आस्था का केंद्र है। यहां लगने वाले मेले के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए इसका पर्यटन विकास करने का प्लान बनाया गया है। अयोध्या तीर्थ विकास परिषद ही यहां सौंदर्यीकरण का कार्य करा रहा है। पौराणिक स्थलों को डेवलप करने के उद्देश्य से ही परिषद का वर्ष भर पहले गठन किया गया था, जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं।

अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के सीईओ संतोष शर्मा ने बताया कि गहनाग बाबा धाम का निरीक्षण किया गया था। इसके बाद प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। स्वीकृति मिलने के बाद काम शुरू करा दिया गया है। जिसमें धर्म स्थल का सौंदर्यीकरण और सरोवर को कुंड का स्वरूप दिया जाएगा। वहीं दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के बैठने के लिए शेड, बेंच का निर्माण, पेयजल और शौचालय का निर्माण कराया जाएगा।

अवैध कब्जा कर पूरी तरह जम चुके थे रोहिंग्या

झोपड़ियों में चलता था स्कूल, जिम और क्लब

गोरखपुर, 06 मार्च (एजेंसियां)।

गोरखपुर के रोहिंग्या प्रकरण में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस की सख्ती के बाद 20 झोपड़ी डालकर रह रहे करीब 40 लोगों ने ठिकाना बदल लिया है। कहां गए हैं, किसी को पता नहीं है।

गोरखपुर के पिपराइच में रोहिंग्या प्रकरण की पड़ताल में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रेलवे स्टेशन के पास स्थित खाली जमीन पर झोपड़ी बनाकर रहने वाले लोगों के बच्चे उर्दू पढ़ते थे। वहां पर एक जगह जिम बना मिला, जहां पर जुगाड़ से बने डंबल, सीमेंट से बना गदा, बेंच, चेस्ट और विंग्स के लिए भी हाथ से बने उपकरण बरामद हुए। रोहिंग्याओं ने मंत्रणा के लिए वहां पर बाकायदा अपना क्लब बना रखा था।

सड़क पर भीख मांगकर खाने वाले रोहिंग्या अपनी बस्ती में आकर जिम करते थे और क्लब

में मौज करते थे। यह देखकर हर कोई हैरान है। जब इन रोहिंग्याओं पर पुलिस का शिकंजा कसने लगा तब वे वहां से नौ दो ग्यारह हो गए। पुलिस उनके नए ठिकाने का पता लगा रही है। पिपराइच रेलवे स्टेशन के पास खाली जमीन पर कब्जा करके करीब 40 रोहिंग्या परिवार झोपड़ियां बनाकर रह रहा था। जब पुलिस ने वहां छापा मारा तो वहां केवल खाली झोपड़ियां मिलीं। स्कूल चलने के प्रमाण मिले और जिम में कसरत के उपकरण बरामद हुए। झोपड़ियों के अंदर से कई महिला और पुरुष की पासपोर्ट साइज की 5-5 फोटो अलग-अलग कागज के पैकेट में मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि इन लोगों को किसी की मिलीभगत से सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा था। ऐसे कई और कागजात भी वहां मिले हैं। रोहिंग्याओं को कुछ स्थानीय लोगों ने ही बसाया था, लेकिन आज वे भी नदारद हैं।

नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष अनुपमा आर्या ने रविवार को पांच नामजद और 50 अज्ञात रोहिंग्या के विरुद्ध पिपराइच थाने में मारपीट और जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि भूमि विवाद में रोहिंग्या की मदद से उनके ऊपर जानलेवा हमला किया गया। मामला सामने आने के बाद एलआईयू, एटीएस और अन्य सुरक्षा एजेंसी सक्रिय हो गईं और मौके पर पहुंचकर पूछताछ व जांच शुरू कर दी।

एक झोपड़ी में से एक प्लास्टिक चढ़ा पत्र मिला है। जिस पर लिखा है, मैं शकीला देवरिया की रहने वाली हूं। पिता का पैर टूट गया है, घर में कोई और नहीं है, जो परिवार की देखभाल कर सके। इसलिए आप लोगों से अनुरोध है कि मेरी मदद करें। बताया जा रहा है कि यह झूठा पत्र बनवाकर स्टेशन के आस-पास उसे दिखाकर भीख मांगते थे। अधिक रुपए जेब से निकलवाने के लिए पत्र का इस्तेमाल किया जा रहा था। एक झोपड़ी से परीक्षा में कॉपी रखकर लिखने वाला एक पैड मिला है। उसमें किसी बच्ची ने हैरान कर देने वाली तस्वीर बनाई है। पेंसिल से एक लड़की का चेहरा बनाया है, उसके हाथ पैर नहीं हैं। बगल में नौ रॉड लगीं एक सलाखें बनाई गई हैं। इससे होकर एक लाइन बाहर की तरफ खींची है। यह तस्वीर देखने के बाद मनोवैज्ञानिक डॉ. आकृति पांडेय ने बताया कि इसके जरिये कोई बच्ची कुछ कहना चाह रही है। झोपड़ी में रहने वालों के साथ कोई एक बच्ची है, जो कैद में है, वहां से वह आजाद होना चाहती है। इसलिए ऐसा चित्र उसने बनाया है। कोई भी सामान्य इंसान बिना सोचे समझे ऐसी तस्वीर नहीं बना सकता है। फिलहाल वहां रहने वाले कहां गए, अब इसके बारे में किसी को पता नहीं है। पुलिस को भी अब उनकी तलाश नहीं है।

अंसल में नई रजिस्ट्री पर लगी रोक

जमीन घपले की जांच के लिए फोरेंसिक ऑडिट शुरू

लखनऊ, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अंसल के जमीन घोटाले के एक से अधिक मामले सामने आने के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने नई रजिस्ट्री करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। साथ ही साथ अंसल के बैंक खाते भी सीज कर दिए गए हैं। एलडीए ने शहीद पथ स्थित अंसल एपीआई की सुशांत गोल्फ सिटी हाईटेक टाउनशिप में नई रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है। इसके अलावा टाउनशिप की फोरेंसिक ऑडिट के लिए टीम भी बनाई है, जिसने बुधवार से जांच शुरू कर दी है।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि रजिस्ट्री पर रोक को लेकर तीन महीने पहले भी जिला प्रशासन और निबंधन कार्यालय को सूचना भेजी गई थी। इसके बाद भी अंसल की ओर से कुछ रजिस्ट्री किए जाने की शिकायत आई है। अंसल के खिलाफ जो एफआईआर कराई गई है, उसमें इसका भी उल्लेख है। आगे रजिस्ट्री न हो, इसके लिए रजिस्ट्री पर रोक का आदेश फिर से जारी किया गया है। इसकी जानकारी रिसीवर को भी जा रही है। इसके अलावा सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप की फोरेंसिक ऑडिट भी शुरू कराई जा रही है। ऑडिट की टीम अंसल के अभिलेखों, सम्पत्तियों, जनसुविधाओं, टाउनशिप के अंदर व बाहर कराए गए विकास कार्यों की पूरी जांच करेगी। ऑडिट के लिए मेसर्स अग्रवाल गुप्ता व अरोड़ा चार्टर्ड एकाउंटेंट कंपनी को नियुक्त किया गया है।

अंसल प्रापर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन-सीएलटी) की ओर से नियुक्त रिसीवर ने अंसल के सुशांत गोल्फ सिटी के बैंक खातों के संचालन पर रोक लगा दी है। अब कंपनी के अधिकारी उन खातों से रुपए नहीं निकाल पाएंगे। इसको लेकर रिसीवर की ओर से बैंकों को पत्र भेजा गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि खातों के संचालन के लिए नए अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। फाइनेंस कंपनी के बकाया पर एनसीएलटी ने अंसल के बोर्ड को भंग करते हुए नवनीत गुप्ता को रिसीवर को नियुक्त किया है। मंगलवार को रिसीवर व उनकी टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल बिल्डर के ऑफिस में दस्तावेजों की जांच की थी।

बुधवार को भी टीम ने दोबारा ऑफिस पहुंचकर दस्तावेजों की जांच की। कंपनी से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि रिसीवर ने बैंक खातों पर रोक लगा दी है। ऐसे में कंपनी के खातों में पड़े रुपए अब कंपनी के अधिकारी नहीं निकाल पाएंगे। रिसीवर की टीम में सात सदस्य शामिल हैं। इनकी ओर से जमीन की खरीद फरोख्त, आवंटन, जमा पैसा से लेकर रजिस्ट्री और कब्जे तक हर बिंदु पर अलग-अलग रिपोर्ट मांगी गई है। कंपनी के कर्मचारियों ने कुछ रिपोर्ट बनाकर सौंप दी हैं और कुछ तैयार कर रहे हैं।

सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल ऑफिस के अलावा रिसीवर की टीम मंगवार शाम एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार से भी मिली।

संपादकीय

सौदेबाजी का ट्रंप कार्ड

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता, यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है। लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे। भारत को पता है कि ट्रंप जब कनाडा व यूरोपीय देशों के नेताओं को नहीं बख्श रहे तो हमें अपने सम्मान व हितों की रक्षा खुद करनी होगी। वह भी तब जब ट्रंप अमेरिका फर्स्ट का नारा लगातार लगा रहे हैं। उन्होंने टैरिफ लगाने में गोरे देश कनाडा तथा चीन को भी नहीं बख्शा। भारत के टैरिफ के भेदभाव को लेकर ट्रंप लगातार मुखर रहे हैं। कथित अवैध अप्रवासी भारतीयों के साथ अमेरिका ने जैसा अमानवीय व्यवहार किया, वह किसी से छिपा नहीं है। भारत को अच्छी तरह पता है कि हमारा सदाबहार मित्र रूस अब ट्रंप के करीब है और ब्रिक्स के देश चीन के ज्यादा नजदीक हैं। ऐसे में हमें अपने हितों की रक्षा अपने बूते ही करनी होगी।

> विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता, यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है।

राजनीति और राजनेताओं की ओर न देखकर नए विकल्प खोजने की तैयारी करनी चाहिए

केजरीवाल के लिए जी का जंजाल बनी कैग रिपोर्ट

राकेश कुमार आर्य

> दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से बाहर फेंकने में सफल हुए केजरीवाल उस समय देश के प्रमुख नेताओं को भ्रष्टाचारी कहकर कोसते फिरा करते थे। उन्होंने मुलायम सिंह यादव, सोनिया गांधी, शरद पवार और मायावती जैसी राजनीतिक हस्तियों को नाक से पानी पिला दिया था। लोगों ने केजरीवाल को राजनीति में एक नई आशा के रूप में देखा था। देश के अधिकांश लोगों को ऐसा लगा था कि वह राजनीति में कुछ नया कर पाने में सफल होंगे।

जो अपने आप को कट्टर ईमानदार कहते थे, वे इस समय कट्टर बेईमान सिद्ध हो चुके हैं। कभी कैग की रिपोर्ट को आधार बनाकर दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से बाहर फेंकने में सफल हुए केजरीवाल उस समय देश के प्रमुख नेताओं को भ्रष्टाचारी कहकर कोसते फिरा करते थे। उन्होंने मुलायम सिंह यादव, सोनिया गांधी, शरद पवार और मायावती जैसी राजनीतिक हस्तियों को नाक से पानी पिला दिया था। लोगों ने केजरीवाल को राजनीति में एक नई आशा के रूप में देखा था। देश के अधिकांश लोगों को ऐसा लगा था कि वह राजनीति में कुछ नया कर पाने में सफल होंगे। दिल्ली की जनता ने उन्हें दिल्ली की कमान सौंपकर सारे देश को यह संदेश दिया था कि अब प्रचलित राजनीति और राजनेताओं की ओर न देखकर नए विकल्प खोजने की तैयारी करनी चाहिए। केजरीवाल धूमकेतु की भांति राजनीति के शिखर पर चढ़े। राजनीति को उन्होंने अपनी चमक से एक बार भौचक्का सा कर दिया था। तब किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि वह इतनी शीघ्रता से नीचे आ जाएंगे ? परन्तु आज का सच यही है कि केजरीवाल अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दिनों से गुजर रहे हैं। उनके कर्मों का फल ऐसा ही आना था। उन्होंने राजनीति में 'रेवड़ी संस्कृति' को स्थापित कर एक नई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को जन्म दिया। जिसमें जनता के लोक कल्याणकारी कार्यों की ओर ध्यान न देकर देश प्रदेश के खजाने को खाली करने पर राजनेताओं ने ध्यान देना आरंभ किया। निसंदेह भाजपा ने भी इस 'राजनीतिक अपसंस्कृति' को अपनाने में कोई संकोच नहीं किया। यह कितना रोचक तथ्य है कि जो केजरीवाल कभी कैग की रिपोर्ट को आधार बनाकर शीला दीक्षित को सत्ता से बेदखल करने में सफल हुए थे, आज उन्हीं के लिए कैग की रिपोर्ट जी का जंजाल बन चुकी है। उन्होंने कभी कैग की रिपोर्ट को ही आधार बना कर लोकपाल विधेयक लाने की मांग की थी, परन्तु जब वह सत्ता में आए तो उन्होंने लोकपाल विधेयक लाने की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया। इसके विपरीत उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि वह स्वयं ही लोकपाल हैं अर्थात वे स्वयं इतने ईमानदार हैं कि उन्हें अपने ऊपर किसी लोकपाल को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। अपने इसी अहंकारी स्वभाव के कारण उन्होंने जेल जाकर भी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया। यद्यपि दिल्ली सहित सारे

देश की जनता उनसे उस समय यह अपेक्षा कर रही थी कि वे अपने आप को दूध का धुला सिद्ध करने के लिए राजनीति में किसी नए आदर्श की स्थापना करेंगे। केजरीवाल यह भूल गये कि राजनीति अपेक्षाओं का खेल है और जब कोई राजनेता अपेक्षाओं से खिलवाड़ करता है तो समय आने पर उसकी अपनी अपेक्षाएं ही बलि का बकरा बन जाती हैं। इसी को इतिहास की क्रूर नियति कहते हैं। आज के केजरीवाल इसी नियति का शिकार बन चुके हैं। वह देश में रोहिंग्या मुस्लिमों के मसीहा बनते जा रहे थे। बांग्लादेशी घुसपैठियों के वह 'बेताज बादशाह' बन चुके थे। इसी प्रकार खालिस्तानी आतंकियों को भी वह अपना समर्थन दे रहे थे। कथित किसान आंदोलन के उग्रवादी जिस समय लालकिले की प्राचीर पर जाकर अपना झंडा चढ़ा रहे थे, उस समय भी वह किसी बड़े 'राजनीतिक खेल' की प्रतीक्षा कर रहे थे या कहिए कि किसी बड़े भारी विनाश की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिसमें वह स्वयं में भविष्य का एक हीरो देख रहे थे। इस प्रकार कट्टर बेईमान कट्टर देश विरोधी शक्तियों के हाथों में खेल रहा था। ऐसे में यदि उसे कट्टर देशविरोधी भी कह दिया जाए तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। उन्होंने राजनीति की शब्दावली को न्यूनतम स्तर पर लाकर राजनीति को घटिया स्वरूप प्रदान किया। राजनीतिक शालीनता को उन्होंने झूठों के पुलिंदों में बदल दिया। यहां तक कि राजनीतिक वेशभूषा को भी उन्होंने पैंट शर्ट अथवा पेंट और टीशर्ट में परिवर्तित कर दिया। 'मफलर संस्कृति' को उन्होंने आम आदमी के नाम पर स्थापित करने का प्रयास किया, परंतु बहुत शीघ्र ही पैंट शर्ट अथवा टी शर्ट और पेंट या मफलर संस्कृति वाले लोग देश के मतदाताओं के लिए घृणा का पात्र बन गए। इसके पीछे केजरीवाल की राजनीतिक कार्य शैली ही महत्वपूर्ण रही। वह भली प्रकार जानते थे कि उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने में कांग्रेस का महत्वपूर्ण योगदान रहा था, परंतु इसके उपरांत भी अपनी चालाकी का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को गाली देनी आरंभ की और जनता में यह भ्रांति फैलाने का प्रयास किया कि कांग्रेस नहीं बल्कि भाजपा उन्हें राजनीतिक पूर्वाग्रह के चलते जेल में पहुंचा रही है। जबकि देश की जनता जानती थी कि उन्हें जेल में पहुंचाने का काम न्यायालय कर रहा था। केजरीवाल अपनी प्रशंसा अपने आप ही करते रहे। उन्होंने जनता के सामने अपने आप को न केवल कट्टर ईमानदार साबित करने का प्रयास किया बल्कि सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया की राजनीतिक कार्य शैली को भी सराहने की सारी सीमाओं को लांघ गए। उन्होंने दिल्ली की जनता सहित देश के मतदाताओं में भी यह भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि उनकी शिक्षा नीति न केवल भारत के लिए अपितु सारे विश्व के लिए एक अच्छा मॉडल बन सकती है। जिसे लेकर वह इतने उत्साहित रहे कि मनीष सिसोदिया को राष्ट्रीय पुरस्कार देने की मांग करने से भी नहीं चूके। जबकि यह केजरीवाल ही थे, जिन्होंने भारतीय शिक्षा संस्कारों को कभी अपनी शिक्षा नीति में सम्मिलित नहीं किया। उन्होंने ईसाइयों और मुसलमानों को प्रसन्न करने के लिए भारतीय शिक्षा संस्कारों की दिल्ली की शिक्षा नीति में पूर्णतया उपेक्षा की। वह नहीं चाहते थे कि देश की शिक्षा नीति में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, दर्शन आदि का चिंतन कहीं स्थान प्राप्त करने में सफल हो सके। देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू की भांति वह कथित भारतीयता को भारत के लिए अपमानजनक मानने वाले नेता हैं। उन्होंने एक तानाशाह की भांति अपने आप को राजनीति में दीर्घकाल तक स्थापित करने का प्रयास किया। इसके लिए उन्होंने हर हथकंडा अपनाया। करोड़ों रुपया उन्होंने विज्ञापनों पर खर्च कर अपने आप को एक मॉडल के रूप में स्थापित करना चाहा। परंतु उनके सारे प्रयास व्यर्थ गए। जनता का अधिक देर तक कोई भी नेता मूर्ख नहीं बना सकता। केजरीवाल भी इसके अपवाद नहीं थे। यद्यपि वह अपने आप को अपवाद समझने की भूल कर रहे थे। उन्होंने अपने चेहरे को चाहे लाख बार छुपाने का प्रयास किया हो, परंतु दिल्ली की जनता ने उनका चेहरा बेनकाब कर दिया। आज बेनकाब केजरीवाल जनता के सामने आने से बच रहे हैं।

दृष्टि कोण

छोटे शहरों के नौजवानों की कहानी आशियाना मैकरॉबर्टगंज

रमन हितकारी आशियाना मैकरॉबर्टगंज में कानपुर के क्राइस्ट चर्च कॉलेज के दोस्त, रेहान फजल के संबंधों और उनके परिवार के साथ अपने बीच घनिष्ठ संबंधों पर भी कलम चलाते हैं। वे एक अध्याय दक्षिण एशिया के अग्रणी पत्रकारों में से एक रेहान फजल को सर्मपित करते हैं। छोटे शहरों के नौजवानों की कहानी आशियाना मैकरॉबर्टगंज जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र और शिक्षक गोपालस्वामी पार्थसारथी के प्रति गहरे सम्मान का भाव रखते हैं, जिनकी सरपरस्ती में जेएनयू देश का श्रेष्ठ शिक्षण संस्थान बना। वे जेएनयू के पहले उप वुलपति थे। हालाँकि, एक सवाल पूछने का मन कर रहा है: क्या जेएनयू बिरादरी उस शख्स के नाम से वाकिफ है जिसने जेएनयू परिसर की शुरुआती इमारतों को डिजाइन किया था? उस शख्सियत का नाम था सी.के. वुकरेजा थे। वे एक सिद्ध वास्तुकार थे। कह सकते हैं कि पार्थसारथी और वुकरेजा ने जेएनयू की बुनियाद रखी थी। आशियाना मैकरॉबर्टगंज' में, नामवर पत्रकार और लेखक रमन हितकारी दोनों के बारे में लिखते हैं। गंगा ढाबा जेएनयू परिसर में गंगा, झेलम और सतलुज छात्रावासों के करीब है। इसे तेजबीर नाम के एक जाट सज्जन चलाते थे। गंगा ढाबा आधी रात के बाद तक खुला रहता। नींबू पानी और बन ऑमलेट गंगा ढाबा के सिग्नेचर पेशकश रहे। नींबू पानी और बन ऑमलेट थोड़ा अजीबोगरीब कांबिनेशन लग सकता है, फिर भी जेएनयू के भीतर इसके काफी चाहने वाले खूब रहे हैं। गंगा ढाबा गवाह है अंतहीन चर्चाओं का। 1982 में, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने नईं दिल्ली रेलवे स्टेशन को पूर्वाचल छात्रावास, जेएनयू से जोड़ने वाला रूट नंबर 615 शुरू किया। उस समय दिल्ली एशियाईं खेलों की मेजबानी करने की तैयारी कर रही थी। शहर का सौंदयाकरण किया जा रहा था और इसे महत्वपूर्ण खेल आयोजन के लिए तैयार किया जा रहा था। तब कईं नए बस मार्ग शुरू किए गए, जिनमें उपर्युत्त 615 शामिल था, जो नईं दिल्ली रेलवे स्टेशन (अजमेरी गेट साइड) और पूर्वाचल छात्रावास के बीच चली थी। रमन हितकारी 'आशियाना मैकरॉबर्टगंज' में इस महत्वपूर्ण बस रूट को याद करते हैं: ठ वो मईं का महीना था, और धूप तेज थी। साल था 1984 का। मैं सफदरजंग बस स्टैंड पर खड़ा था, एक छोटा सा बैग और एक पानी की बोतल लिए। मुझे इंतजार था बस नंबर 615 का जेएनयू पहुंचने के लिए। मुझे जेएनयू में अपनी प्रवेश परीक्षा देने के लिए जाना था। मेरा पेपर दोपहर 2:30 बजे शुरू होने वाला था, और मैं लगभग 1:15 बजे तक बस स्टैंड पर खडाथा। मैं घबराया हुआ था। जब मैंने परीक्षा देने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी, बस नंबर 615 आ गईं। मैं इसमें सवार हो गया।ठ यह 615 के साथ रमन हितकारी के जुड़ाव की शुरुआत थी, जो जेएनयू में अपने पूरे समय में उनके जीवन का एक अभिन्न अंग बना रहा। वास्तव में, जवाहरलाल नेहरू विश्वविदृालय (जेएनयू) के कईं पीढ़ियों के छात्र इस बस रूट पर निर्भर रहे हैं। वे इससे गहराईं से जुड़े हुए हैं। शिक्षक, छात्र, और जेएनयू से किसी भी तरह से जुड़े किसी भी व्यक्ति के लिए 615 को भुलाना संभव नहीं है। यह सुपर बाजार, पूवा न्यायालय, राष्ट्रीय संग्रहालय, सफदरजंग रोड, लक्ष्मीबाईं नगर, सरोजिनी नगर, आर.के. पुरम, मुनिरका गांव, वसंत विहार से होकर गुजरती है, और अंततः गोदावरी छात्रावास और पूर्वाचल छात्रावास तक पहुंचती है। लगभग 20 मिनट के बाद वही बस अपना मार्ग फिर से शुरू करती है। इसकी लगभग 50 मिनट की यात्रा के दौरान इसमें जेएनयू के छात्र सवार होते हैं। उनके बीच बस में ही बस के भीतर ही चर्चाएं और बहसें चलती रहती हैं। रमन हितकारी की पहली पुस्तक उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों, जिनमें कानपुर, लखनऊ और प्रयागराज (हालांकि वह पुराने नाम, इलाहाबाद को पसंद करते हैं) में बिताए गए उनके शुरुआती वर्षो की यादों से भरी हुईं है। उनके विवरणों को पढ़कर, मुझे अपनी हालिया प्रयागराज यात्रा फिर ये याद आने लगी। वे प्रयागराज के सिविल लाइन्स, इंडियन कॉफी हाउस, एल चिको रेस्तरां वगैरह का जि्क्रा करते हैं। मैंने इन सब जगहों को हाल ही में देखा। मेरा इलाहाबाद से मेरा पहला परिचय धर्मवीर भारती के उत्वृष्ट उपन्यास, गुनाहों का देवता के माध्यम से हुआ। यह उपन्यास इलाहाबाद शहर को बेहतरीन तरीके से चित्रित करता है। मेरी हिदुस्तान टाइम्स की पूर्व सहयोगी पूनम सक्सेना ने भारती जी के उपन्यास का अंग्रेजी अनुवाद किया। मुझे वह भी पसंद आया था। मैंने चंदर और सुधा के माध्यम से इलाहाबाद के समाज को गहराईं से देखा-समझा था। को एक बार पढ़ना शुरू किया, तो मैं इसे दो दिनों में पढ़ गया।

कुछ अलग

बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन से निपटना

आजादी के बाद के 70 सालों में जलवायु परिवर्तन से भारत में ही आपदाओं में आठ गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसका खुलासा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत संगठन 'आई फारेस्ट' की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद के शुरुआती सालों में जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदा यानी बाढ़, चक्रवात, हीटवेव आदि की तादाद कुल मिलाकर 27 ही थी, लेकिन उसके बाद के बरसों में इनकी तादाद बढ़कर आठ गुणा का आंकड़ा पार कर गयी। इसमें 1998 में गुजरात में व 1999 में ओडिशा में आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही, 2013 में उत्तराखंड में आई जल प्रलय और 2014 में आये हुदहुद और अम्फान नामक आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही व 2019 में जून से सितम्बर के बीच मानसून मौसम में 110 फीसदी से अधिक हुई बारिश से देश के 14 राज्य बाढ़ के भीषण प्रकोप से प्रभावित रहे। फानी तूफान के कहर तथा 1998, 2002, 2003 और 2015 में हुई भीषण तापमान वृद्धि और भीषण लू की घटनाओं को लोग भूले नहीं हैं। यदि हम वर्ष 1991 से 2000 तक जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं का जायजा लें तो इस दौरान 96 आपदाओं का देश को सामना करना पड़ा। जबकि उसके बाद वर्ष 2020 तक देश की जनता को 210 आपदाओं का कहर झेलना पड़ा। वर्ष 2024 तो देश के लिए अभूतपूर्व गर्मी की मार वाला रहा, अप्रैल से जुलाई तक सबसे खराब और सबसे लम्बे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरों यानी भयंकर लू की मार सहने को देश विवश हुआ। इस दौरान देश के 741 जिलों में से लगभग 500 जिलों का दैनिक तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यावरण और मानवाधिकार संगठन 'जर्मन वॉच' के क्लाइमेट इंडेक्स से खुलासा हुआ है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में जिनमें डोमिनिका, चीन, होंडुरास, म्यांमार, इटली, ग्रीस, स्पेन, वानुआतू और फिलीपींस शामिल हैं, में छठे स्थान पर है और यहां साल-दर-साल आपदाएं विकराल होती जा रही हैं। बीते तीन दशकों में अकेले भारत में जलवायु परिवर्तन से जन्मी मौसमी आपदाओं से देश को कुल 180 अरब डालर का नुकसान हुआ और औसतन 4,66,45,209 लोग प्रभावित हुए। 1993 से 2022 के बीच देश में हुई चरम मौसमी घटनाओं में करीब 80 हजार लोगों की जानें गयीं। जबकि दुनिया में आठ लाख लोग मौत के मुंह में चले गये और 4.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इन आपदाओं से सालाना 2000 डॉलर का देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ रहा है, साथ ही 2675 जिंदगियां हर साल इनकी शिकार होती हैं। इस बारे में जलवायु विशेषज्ञ लारा शेफर कहते हैं कि समूची दुनिया में जलवायु संकट तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। पिछले तीन दशक सबूत हैं कि ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से चरम मौसमी घटनाओं से जूझ रहे हैं। हम जलवायु संकट के अप्रत्याशित और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह समाज को अस्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना सही है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। यही कारण है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये ताकि वे समझ सकें कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे तो भी दुनिया के 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या होगी।

देश दुनिया से

निरस्त्रीकरण आज विश्व की आवश्यकता है

वास्तव में आज मानवता की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानवता के सिद्धांतों को बनाए रखना, देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा करना, सतत विकास को बढ़ावा देना, राज्यों के बीच विश्वास और भरोसा बढ़ाना और सशस्त्र संघर्ष को रोकना और समाप्त करना बहुत ही जरूरी और आवश्यक है। निरस्त्रीकरण आज विश्व की आवश्यकता है हर वर्ष 5 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि यह दिवस विशेष रूप से युवाओं में निरस्त्रीकरण के मुद्दों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। गौरतलब है कि इस दिवस की शुरुआत 'शांति और सुरक्षा' के लिए निरस्त्रीकरण और अप्रसार के महत्व को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2021 में संयुत्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा इसकी स्थापना की गईं थी। यदि हम यहां इसके इतिहास की बात करें तो इस संदर्भ में 7 दिसंबर 2022 को संयुत्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव अपनाया और प्रति वर्ष 5 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस' के रूप में घोषित किया। गौरतलब है कि 5 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस का पहला आयोजन किया गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष 24 से 30 अक्टूबर तक 'संयुत्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सप्ताह' मनाया जाता है। कहना चाहूंगा कि इस सप्ताह का आयोजन निरस्त्रीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसी तरह से, परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस 26 सितंबर को मनाया जाता है।सच तो यह है कि आज पूरा विश्व बारूद के ढ़ेर पर खड़ा हुआ है। संपूर्ण विश्व में हथियारों की होड़ लगी हुईं है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि आज विश्व में अमेरिका सबसे बड़ा हथियार निर्यांतक देश है, जबकि रूस दूसरे स्थान पर है।फ्रांस, चीन और जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किंगडम, स्पेन, दक्षिण कोरिया, इजरायल भी शीर्ष हथियार निर्यांतक देशों में शामिल हैं।वास्तव में, वैश्विक हथियार व्यापार एक बहुत बड़ा उदृोग है, जो सदियोंसदि यों से अस्तित्व में है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हर साल दुनिया में अरबों डॉलर के हथियारों की खरीद- फरोख्त की जाती है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में दुनिया भर में हथियारों का व्यापार 127 बिलियन डॉलर था। आज स्थिति यह है कि दुनिया के विभिन्न हथियार निर्यांतक देश हर साल हथियार बेचकर अरबों-खरबों रुपये कमाते हैं।स्वीडिश थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीटूट के अनुसार, वर्ष 2019- 23 की अवधि के लिए भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक था, जिसमें वर्ष 2014-18 की अवधि की तुलना में आयात में 4.7™ की वृद्धि हुईं थी। वहीं, यूक्रेन में युद्ध की पृष्ठभूमि में, रिपोर्ट में यह बात कही गईं है कि वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 के बीच यूरोपीय देशों द्वारा हथियारों के आयात में 94™ की वृद्धि हुईं है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2019-23 में 10 सबसे बड़े हथियार आयातकों में से नौ, जिनमें भारत, सऊदी अरब और कतर के शीर्ष 3 शामिल हैं, एशिया और ओशिनिया या मध्य पूर्व में थे। वर्ष 2022-23 में 30 से अधिक देशों से प्रमुख हथियारों का हस्तांतरण प्राप्त करने के बाद यूक्रेन वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा हथियार आयातक बन गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूरोप के राज्यों ने वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 के बीच प्रमुख हथियारों के अपने आयात को लगभग दोगुना (ऋ94 प्रतिशत) कर दिया। वर्ष 2019-23 में एशिया, ओशिनिया और मध्य पूर्व में हथियारों की कहीं बड़ी मात्रा प्रवाहित हुईं, जहां 10 सबसे बड़े हथियार आयातकों में से नौ हैं। संयुत्त राज्य अमेरिका ने वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 के बीच अपने हथियारों के निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि रूस के हथियारों का निर्यात आधा हो गया। रूस पहली बार तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यांतक था, जो फ्रांस से ठीक पीछे था। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज अमरीका, रूस और चीन जैसी बड़ी ताक़तों की आपसी होड़ बढ़ने के कारण हथियारों के वैश्विक कारोबार में लगातार बढ़ोतरी हुईं है।हैरानी की बात तो यह है कि आज पूरे विश्व में हथियारों का कारोबार तेज़ी से फल-पूल रहा है। हर साल हथियारों का कईं बिलियन डॉलर का अंतरराष्ट्रीय कारोबार होता है। आंकड़े बताते हैं कि आज भारत दुनिया के हथियार बेचने वाले 25 बड़े देशों में की सूची में शामिल है।भारत 2015 से 2019 की अवधि तक दूसरा सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश रहा। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2023-24 देश में 1.27 लाख करोड़ रुपये के हथियारों का निर्माण हुआ यानी रक्षा उत्पादन किया गया। यह उत्पादन वर्ष 2014-15 की तुलना में 2.7 गुना ज्यादा है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वेंद्र सरकार 2029 तक रक्षा निर्यांत को 50, 000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं कि हथियारों की होड़ के कारण आज दुनिया विनाश के मुहाने पर खड़ी हुईं है। यदि हम यहां रूस-यूक्रेन युद्ध की ही बात करें तो तीन साल की जंग में यूक्रेन 18 प्रतिशत तक सिवुड़ गया है। दोनों देशों (रूस-यूक्रेन) के बीच विध्वंस, तबाही और बर्बादी में हजारों लाखों लोग मारे जा चुके हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार रूस-यूक्रेन युद्ध से अब तक 1-1.5 खरब डॉलर (लगभग 80-125 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो चुका है, जो कि बहुत बड़ी क्षति है। युद्ध के कारण कोईं भी देश बहुत पीछे चला जाता है और उससे उबरना बहुत ही मुश्किल होता है। युद्ध के कारण आर्थिक व जानमाल को तो नुकसान पहुंचता ही है पर्यांवरण और पारिस्थितिकी तंत्र भी व्यापक असर पड़ता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इजरायल में युद्ध ने 67.57 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचाया है, जहां स्वास्थ्य और शिक्षा का बजट जंग में खर्च हुआ। वहीं, गाजा और वेस्ट बैंक में 50 अरब डॉलर का निवेश बर्बाद हुआ, बेरोज़गारी दर 80™ तक पहुंच गईं और 61™ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि निरस्त्रीकरण का मतलब है-' हथियारों को कम करना, सीमित करना या खत्म करना।' वास्तव में, यह आम तौर पर किसी देश के सैन्य या किसी खास तरह के हथियारों को संदर्भित करता है।

आप का नजरिया

ग्लेशियरों पर संकट के बीच हमारी जिम्मेदारी

हाल ही में उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा ग्राम के पास हुई हिमस्खलन की घटना में बीआरओ के मजदूर दब गए थे, जिनमें से कुछ को बचा लिया गया, लेकिन कई की जानें नहीं बच सकीं। दरअसल, हिमस्खलन की घटनाएं पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं, जिससे अचानक बाढ़ें आ रही हैं और सड़कों पर वाहन सवार सैलानियों की मौतें हो रही हैं। फरवरी, 2021 में उत्तराखंड की नीती घाटी में हिमस्खलन के कारण ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों में बाढ़ आई, जिससे व्यापक तबाही हुई। इस घटना के चलते वैश्विक स्तर पर हिमस्खलनों और ग्लेशियरों के संकट को लेकर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि ग्लेशियरों के पिघलने की प्रक्रिया में मानवीय गतिविधियों का भी योगदान है, जिससे इन घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। ग्लेशियरों का पिघलना प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप जैसे जलविद्युत परियोजनाओं, निर्माण कार्यों और पर्यावरणीय असंतुलन ने इसे और बढ़ा दिया। इसलिये, हमें इन संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ से हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना दुगनी दर से बढ़ गया है। वे हर साल आधे मीटर की मोटाई खो रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में पीछे भी खिसक रहे हैं। गढ़वाल हिमालय में पिछले चार दशकों में औसतन 18 मीटर प्रति वर्ष ग्लेशियर पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने की दर तापमान, बारिश, नमी, हवाओं की गति और सूर्य की किरणों के परावर्तन पर निर्भर करती है। पिघलते ग्लेशियरों से उत्पन्न जल से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी सदानीरा नदियों का अस्तित्व है, जो वर्षा के बिना भी बहती रहती हैं। यदि ग्लेशियरों का पिघलना जारी रहता है, तो इससे समुद्र स्तर 230 फुट तक बढ़ सकता है, जो वैश्विक जल संकट का कारण बन सकता है। नदियों में पानी की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, गंगा और यमुना के स्रोतों, गंगोत्री और यमुनोत्री के ग्लेशियरों को नैनीताल उच्च न्यायालय ने 20 मार्च, 2017 को एक आदेश में न्यायिक जीवित मानव का दर्जा दिया। हालांकि ग्लेशियर स्वयं मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान से काल-कवलित हो रहे हैं, लेकिन इनकी सतह जब सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है, तो वे वातावरण संतुलन में भी मदद करती हैं। छोटे ग्लेशियर्स औसतन 70 से 100 मीटर तक मोटे होते हैं, जबकि बड़े ग्लेशियर्स 1.5 किमी तक मोटे हो सकते हैं। गतिक ग्लेशियर्स अपनी यात्रा के दौरान शिलाओं को तोड़ते हुए उन्हें उनके मूल स्थानों से दूर ले जाते हैं, जिससे हिमस्खलन के दौरान हिमखंडों के साथ बड़ी-बड़ी शिलाओं की भी बौछार होती है। जब ये हिमखंड और शिलाएं नदियों-नालों में गिरती हैं, तो कभी-कभी बहते पानी की राह रोक अस्थायी बांध बना देती हैं। इन बांधों के टूटने से अचानक बाढ़ों और तबाही का खतरा उत्पन्न हो सकता है। हिमस्खलनों के अतिरिक्त, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों में उत्पन्न होती और फैलती ग्लेशियल झीलें सर्वाधिक चिंता का कारण बन रही हैं। जिनके टूटने पर भारी मात्रा में पानी बहकर ये अचानक बाढ़ों का कारण बनती है, जिसे ग्लेशियल आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है।

अमेरिकी वित्त विभाग में सेंध लगाने वाले चीनी हैकरों और अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा शुरू

न्यूयॉर्क, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के वित्त विभाग में सेंध लगाने वाले चीनी हैकरों और दो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।अमेरिकी न्याय विभाग ने लोक सुरक्षा मंत्रालय के दो अधिकारी समेत 12 चीनी नागरिकों पर हैकिंग के लिए मुकदमा शुरू किया है। न्याय विभाग ने कहा कि आरोपियों ने अमेरिका में एशियाई देशों के विदेश मंत्रालय, धार्मिक संगठनों और अमेरिकी संघीय और राज्य सरकार की एजेंसियों को निशाना बनाया था।

न्यूयॉर्क में न्याय विभाग ने एनक्सुन इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (आई-सून) के आठ कर्मचारियों और लोक सुरक्षा मंत्रालय के दो अधिकारियों पर 2016 से 2023 तक ईमेल, सेल फोन, सर्वर और वेबसाइट हैक करने का आरोप लगाया। कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू पोडोलस्की ने कहा कि सभी 10 आरोपी धार्मिक संगठनों, पत्रकारों और सरकारी एजेंसियों को निशाना बनाने के लिए हैकिंग का सहारा ले रहे थे। इसमें दो आरोपी पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) से जुड़े हैं। वे पीआरसी के लिए संवेदनशील जानकारी जुटा रहे थे। इसके अलावा कुछ निजी हैकरों को चीन के सार्वजनिक सुरक्षा और राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने डाटा हैक करने के लिए भुगतान भी किया था। मुकदमे में कहा गया कि हैकर्स ने पीड़ितों को सट्टेबाजी के जरिये निशाना बनाया। पहले आरोपियों ने कमजोर नेटवर्क वाले कंप्यूटर की पहचान की।

इसके बाद हैक की गई जानकारी को चीनी सरकार को बेच दिया। बताया जाता है कि कंपनी ने हर ईमेल इन बॉक्स को हैक करने के लिए मंत्रालय से 10 हजार से 75 हजार अमेरिकी डॉलर तक वसूल किए थे।10 आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी की सूचना देने वाले को 10 मिलियन डॉलर तक का इनाम देने की विदेश विभाग ने घोषणा की है। वॉशिंगटन डीसी में स्थित चीनी दूतावास ने कहा कि उनके देश के हैकर इसमें शामिल नहीं हैं। दूतावास के प्रवक्ता लीयू पेंग्यू ने हैकिंग से जुड़े आरोपों को तथ्यहीन बताया।

न्यूज ब्रीफ

एआई के सहारे रिश्ते बचाने में कामयाब हो रहे कपल

वॉशिंगटन। चैट जीपीटी की शुरुआत होने के बाद से ही अमेरिका में इसका चलन बढ़ा है। लोग अपने रिलेशन के लिए भी चैट जीपीटी की सलाह लेने लगे हैं। इससे पहले लोग इस समस्या को सुलझाने के लिए पारंपरिक थेरेपी का सहारा लेते थे। इसमें करीब 400 डॉलर से ज्यादा फीस देना पड़ता है।

ऐसे में चैट जीपीटी एक किफायती विकल्प बनकर सामने आया है। हालांकि चैट जीपीटी अभी अपने शुरुआती दौर में है और यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इसके द्वारा दी जाने वाली सलाह अक्सर सामान्य और सीमित होती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक डॉम वर्सासी और एबेला बाला के लिए चैट जीपीटी एक बड़ा गेम-चेंजर साबित हुआ। लॉस एंजिल्स की रहने वाली 36 साल की बाला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हम पिछले 6 महीनों से अपने रिश्ते को बचाने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। इसी के जरिए हमने अपने रिश्ते को बचा लिया है।बाला ने लिखा कि चैटजीपीटी ने हमारे बीच के झगड़ों को कम करने के लिए अजीब ढंग से मदद की है। हम में से कोई भी एक रोबोट के साथ बहस में नहीं पड़ना चाहता। वहीं वार्सासी ने लिखा कि अगर इन्हीं झगड़ों के लिए हम थेरेपी लेने के लिए जाते हैं तो यह बहुत ही महंगी पड़ती है और महंगा होने के अलावा हम किसी तीसरे इंसान के साथ अपनी निजी बातें शेयर करने में भी सहज नहीं होते हैं। चैट जीपीटी इस समस्या से निपटने में हमारी मदद कर रहा है।

दक्षिण कोरिया चिकित्सा सुरक्षा बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए उठाएगा कदम

सियोल, 06 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सरकार चिकित्सा सुरक्षा को बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए कदम उठाएगी। इसमें सरकार की तरफ से ज्यादा मुआवजा देने की जिम्मेदारी भी शामिल है।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संसदीय नीति मंच में एक योजना पेश की गई है। इसके अनुसार, जरूरी इलाज के दौरान अगर किसी की मौत हो जाती है, तो इच्छा के विरुद्ध कोई सजा नहीं का नियम लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इलाज के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं के लिए बीमा कवरेज भी बढ़ाया जाएगा।योजना के तहत, सरकार सोच रही है कि अगर जरूरी इलाज के दौरान किसी मरीज की मौत हो जाती है, और परिवार वाले सहमत हैं, तो इलाज करने वाले डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। इससे मेडिकल स्टाफ पर काम का बोझ कम होगा।सरकार एक नई समिति बनाएगी जो अस्पतालों में होने वाली दुर्घटनाओं की जांच करेगी। यह समिति 150 दिनों के अंदर यह तय करेगी कि डॉक्टरों से कोई गलती हुई है या नहीं। अब, ऐसे मामलों में, पुलिस यह नहीं देखेगी कि कितना नुकसान हुआ, बल्कि यह देखेगी कि डॉक्टरों ने अपनी ड्यूटी ठीक से की या नहीं। इस योजना में चिकित्सा संस्थानों के लिए चिकित्सा दुर्घटनाओं के विरुद्ध बीमा खरीदना अनिवार्य करना भी शामिल है, जबकि बीमा शुल्क का एक हिस्सा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

दुनिया के 60 देशों में घूम चुकी इस महिला को इस देश में हुआ जिंदगी का सबसे बुरा अनुभव

न्यूयार्क सिटी। घूमने-फिरने के शौकीन लोग हर बार कोई नई जगह जाना पंसद करते हैं। कई बार ये अनुभव काफी खुशनुमा, कई बार काफी डरावना होता है। ऐसा ही एक मामला न्यूयॉर्क से सामने आया है। गेराल्डिन जोआकिम 'नाम की महिला ने बताया कि वे साल में करीब चार बार वेकेशन पर विदेश जाती हैं। उन्हें नई-नई जगहों पर घूमना काफी पसंद है। अब तक अपने शौक के कारण 60 देशों घूम चुकीं हैं। इस दौरान उनका अनुभव काफी अच्छा रहा लेकिन इस दौरान एक देश में उनका अनूभव काफी खबर रहा। वे माइक्रोनेशिया के याप, ब्राजील, जापान के ओकिनावा, रूस, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक सहित कई अन्य जगहों की यात्रा कर चुकी हैं। जोआकिम बताती हैं, एकमात्र ऐसी जगह है जहां वे दुबारा कभी नहीं जाएंगी और वे जगह है वेनेजुएला की राजधानी काराकास नाम का शामिल है। महिला ने बताया कि मेरे लिए काराकास जाना अबतक का सबसे बुरा अनुभव रहा है। उन्होंने बताया कि मैं देर रात फ्लाइट से वहां पहुंची। इसके बाद कैंब बुक की, कैंब के आने पर उसमें बैठ गई। कैंब में बैठे आदमी ने दावा किया कि वह उसका ड्राइवर है। लेकिन थोड़ी देर बाद उसने आगे की सीट पर पहले से ही एक और आदमी बैठा हुआ था। वह आमतौर पर दो अजनबियों के साथ कार में नहीं बैठती, लेकिन उसके पास कोई विकल्प नहीं था। महिला ने बताया कि उन्होंने 30 मिनट की यात्रा के दौरान अपने हैंड बैगेज से एक छोटा सा चाकू को हाथ में पकड़ रखा था।

अमेरिका ने रूसी हमलों के खिलाफ खुफिया जानकारी साझा करने पर लगाई रोक

वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका ने यूक्रेन को एक और झटका दिया है। अमेरिका ने यूक्रेन की सैन्य सहायता पर रोक लगाने के बाद अब यूक्रेन के साथ रूसी हमलों के खिलाफ खुफिया जानकारी साझा करने पर भी रोक लगा दी गई है। सूत्र बताते हैं कि अमेरिका को दी जा रही खुफिया जानकारी साझा करने पर रोक लगा दी है। यूक्रेन को रूस के अंदर लक्ष्यों के बारे में दिए जा रहे डाटा को रोक दिया गया है। इससे यूक्रेन के लिए रूस में लंबी दूरी के ड्रोन हमलों को अंजाम देना कठिन होगा। उसे रूस के बम बरसाने वाली गतिविधियों और बैलास्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण की भी जानकारी नहीं मिल पाएगी। इससे यूक्रेन रूस के हमलों के खिलाफ अपनी रक्षा भी नहीं कर पाएगा। बताया जा रहा है कि अमेरिका के इस कदम से यूक्रेन को बड़ा झटका लगा है। इसके जरिये अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को यूक्रेन पर दबाव बना रहा है। यह कदम व्हाइट हाउस में ट्रंप और जेलेंस्की की बहस को लेकर उठाया गया है।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अगर जेलेंस्की शांति वार्ता पर आगे बढ़ते हैं तो सैन्य सहायता और सूचना देने पर लगे प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि यूक्रेन के एक सकारात्मक कदम से सैन्य और खुफिया मोर्चे पर लगी रुकावट दूर हो जाएगी। हम यूक्रेन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। हमें आक्रामकता को पीछे धकेलना है और शांति वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए दुनिया को एक बेहतर स्थान पर लाना है।बताया जा रहा है कि ट्रंप रूस के साथ चल रहे युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि जेलेंस्की भी इसमें उनका साथ दें। मगर जेलेंस्की ने युद्ध समाप्त करने के लिए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे हैं। अमेरिका के दबाव के आगे यूक्रेन झुकता नजर आ रहा है। दोनों देशों में खनिज समझौते पर जल्द बात शुरू हो सकती है। ट्रंप ने यूएस कांग्रेस को संबोधित करते हुए कहा था कि यूक्रेन खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। रूस भी शांति के लिए तैयार है। युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है। यदि युद्ध समाप्त करना है तो दोनों पक्षों से बात करनी होगी।

ट्रंप को जस्टिन त्रूडो ने दिया कड़ा संदेश, चुनाव में मिलता दिख रहा फायदा

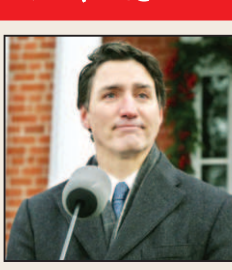

ओटावा। कनाडा में इस साल आम चुनाव होना है जिसकी काउंटडाउन जारी है। मौजूद पीएम जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है कि उनकी सरकार बरकरार रहेगी या नहीं यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन उससे पहले सत्तारुढ़ लिबरल पार्टी के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार का फायदा खालिस्तानी प्रेमी पार्टी लिबरल को मिलता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नए सर्वे में जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को बढ़त मिलती नजर आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महीने पहले 2025 का चुनाव जस्टिन ट्रूडो की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी हारती नजर आ रही थी। जनमत सर्वेक्षणों में पीएम जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी विपक्षी कंजर्वेटिव से 26 फीसदी पीछे थी। महंगाई संकट और जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ गुस्से के कारण लिबरल पार्टी का समर्थन घट गया था। लोग उसके खिलाफ थे। इतना ही नहीं, आगामी चुनावों से पहले ट्रूडो के इस्तीफे की मांग बढ़ गई थी लेकिन अब पासा पलटता हुआ दिख रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कई वजहों से कनाडा की सियासी हवा बदल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कनाडा को टैरिफ वार की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप के कनाडा धमकाने का फायदा ट्रूडो को होता दिख रहा है, जिस तरह से ट्रूडो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को जवाब दे रहे हैं, उससे लग रहा है कि कनाडा की जनता खुश है। यही वजह है कि लिबरल के पक्ष में लोग आ रहे हैं। हाल ही जारी सर्वे में बताया गया है कि जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी अब तक कंजर्वेटिव से पीछे थी लेकिन अब उसने इस अंतर को कम कर दिया है। पिछले हफ्ते जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को 2021 के बाद पहली बार कंजर्वेटिव पर बढ़त हासिल करते दिखाया गया है। सर्वे में ट्रूडो की पार्टी वापसी करती दिख रही है। हैरानी की बात है कि दो महीने पहले तक लिबरल घिरे हुए थे। सर्वे में लिबरल पार्टी आगे निकल चुकी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रंप के टैरिफ वार में जिस तरह ट्रूडो जवाब दे रहे हैं, इससे कनाडा के लोग फिर उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं और इसका फायदा चुनाव में ट्रूडों को हो सकता है।

चीन को मिला खजाना 60,000 साल तक उसकी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा

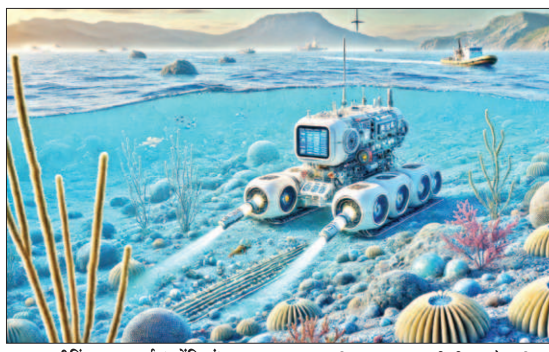

बीजिंग, 06 मार्च (एजेंसियां)।

चीन जमीन के अंदर गड़ा ऐसा खजाना मिला है, जिससे 60,000 साल तक के लिए उसका काम बन जाएगा। दरअसल चीन ने थोरियम के विशाल भंडार की खोज की है, जो ड्रैगन को असीमित ऊर्जा स्त्रोत उपलब्ध करा सकता है। थोरियम एक रेडियोधर्मी धातु है, जो परमाणु ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल हो सकती है।

यह यूरेनियम से 200 गुना ज्यादा ऊर्जा पैदा कर सकता है और इससे बनने वाले थोरियम-मोल्टन साल्ट रिएक्टर (टीएमएसआर) कई मायनों में क्रांतिकारी हैं। इसके अलावा, यह ऊर्जा उत्पादन में बहुत ही कम रेडियोधर्मी कचरा उत्पन्न करता है, जिससे यह भविष्य की ऊर्जा तकनीक बन सकता है। सर्वे बताता है कि मात्र 5 साल तक इन खदानों से निकला कचरा ही अमेरिका जैसे देश की 1,000 साल की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकता है। सर्वे के मुताबिक, चीन के इनर मंगोलिया में स्थित माइनिंग कॉम्प्लेक्स में 10 लाख टन थोरियम मौजूद है। अगर इस थोरियम का पूरी तरह इस्तेमाल किया जाए, तब यह चीन की ऊर्जा जरूरतों को अगले 60,000 साल तक पूरा कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक चीनी भूवैज्ञानिक ने बताया, 'सालों तक दुनिया तेल और गैस को लेकर जंग लड़ती रही, लेकिन असली असीमित ऊर्जा हमारी धरती के नीचे छिपी थी। उन्होंने कहा कि अगर थोरियम-आधारित रिएक्टर पूरी तरह विकसित हो जाएं, तब बड़े-बड़े जहाज बिना ईंधन भरे सालों तक महासागरों में सफर कर सकते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यहां लोहे की खुदाई के दौरान निकला वेस्ट मटेरियल ही थोरियम का विशाल भंडार है, जो अब तक पूरी तरह अनछुआ पड़ा है। चीन पहले से ही रेयर अर्थ मेटल्स में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। अब जब थोरियम जैसे नए ऊर्जा स्त्रोत की खोज कर ली है, तब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। अमेरिका और यूरोप पहले से ही चीन की ऊर्जा और टेक्नोलॉजी की बढ़ती ताकत को लेकर चिंता में हैं। अगर चीन इस थोरियम ऊर्जा स्त्रोत को व्यवहारिक रूप से विकसित कर लेता है, तब यह दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इतना ही नहीं इससे चीन की ऊर्जा निर्भरता खत्म हो सकती है और वह तेल, गैस और कोयले की जगह स्वच्छ और असीमित ऊर्जा का उपयोग कर सकता है।

अफगानिस्तान में 6000 किलो से अधिक ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

काबुल, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान पुलिस ने सोमवार रात उत्तरी अफगानिस्तान के तखर प्रांत में भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की। स्थानीय अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।

प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद अकबर हक्कानी ने कहा, पुलिस ने प्रांत की राजधानी तालुकान शहर के खटयान क्षेत्र में कुल 6,299 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। उन्होंने कहा कि ड्रग्स को एक गैस टैंकर के अंदर छिपाया गया था।अधिराकी ने कहा कि वाहन ताखर के पड़ोसी प्रांत बदख्शां से आ रहा था। इस मामले के सिलसिले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने अफीम की खेती और ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसने तब तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है जब तक देश ड्रग्स से मुक्त नहीं हो जाता।

इस बीच, दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में मादक पदार्थ निरोधक पुलिस ने 15 किलोग्राम हेरोइन समेत भारी मात्रा में अवैध ड्रग्स बरामद की है और 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने मंगलवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिनों में कई अभियानों के दौरान 15 किलोग्राम हेरोइन, 689 किलोग्राम हशीश और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं और सैकड़ों नशीली गोलियां बरामद की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के दौरान पुलिस ने आठ एकड़ अफीम की खेती को भी नष्ट कर दिया।

टैरिफ मामला : दो अप्रैल से पहले भारत निकाल लेगा बेहतर रास्ता, बातचीत जारी

वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह 2 अप्रैल से कई देशों पर 'रिसिप्रोकल टैरिफ (जवाबी टैरिफ) लागू करेंगे। इसमें भारत, ब्राजील और चीन जैसे देश शामिल हैं। ट्रंप ने व्यापार संतुलन बनाने के लिए जवाबी टैरिफ लगाने की मंशा जाहिर की, जिससे वैश्विक व्यापार युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप की इस घोषणा के समय भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका में व्यापार वार्ता के लिए लगभग एक सप्ताह की यात्रा पर हैं।व्यापार वार्ता से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच सकारात्मक वार्ता जारी है और दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। इनमें शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हल करने पर चर्चा हो रही है।

एक सूत्र ने कहा, वाणिज्य मंत्री गोयल के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में महत्वपूर्ण बैठकें कर रहा है। हमने 2025 के अंत तक एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण पूरा करने पर सहमति बनाई है।एक अन्य सूत्र ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बैठक में तय किए गए संयुक्त बयान के अनुसार व्यापार मामलों पर विचार करेगा।

ट्रंप प्रशासन के इस कदम से उभरते बाजारों में चिंता जरूर बढ़ी है, लेकिन अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने संकेत दिया कि अमेरिका मैक्सिको और कनाडा पर लगाए गए कुछ शुल्क वापस लेने पर विचार कर सकता है। इस बयान के बाद भारतीय शेयर बाजार सहित एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखी गई।

इस बीच पीयूष गोयल 3 से 8 मार्च तक अमेरिका में हैं। इस दौरान वह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर और वाणिज्य सचिव लुटनिक से मिलेंगे। एक अन्य सूत्र के अनुसार, इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार समझौते का रोडमैप तैयार करने पर बातचीत होगी।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की वेबसाइट के अनुसार, 2024 में भारत और अमेरिका के बीच कुल व्यापार 129.2 अरब डॉलर था, जिसमें भारत से अमेरिका को निर्यात 87.4 अरब डॉलर और अमेरिका से भारत को निर्यात 41.8 अरब डॉलर था।13 फरवरी को वॉशिंगटन में मोदी-ट्रंप की बैठक में 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर से अधिक करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसके लिए दोनों देशों ने 2025 के अंत तक एक बहुपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण पूरा करने की योजना बनाई है।

संयुक्त बयान के अनुसार, भारत और अमेरिका व्यापार क्षेत्र में नए, निष्पक्ष समझौतों के लिए काम करेंगे। इसमें बाजार पहुंच बढ़ाने, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाएं कम करने, और आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करने जैसे मुद्दों पर सहमति बनी है।हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ लागू करने की घोषणा की है, लेकिन भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता से किसी संभावित समाधान की उम्मीद बनी हुई है। आगामी दिनों में दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर नई घोषणाएं संभव हैं।

हमास से अमेरिका भी खाता है दहशतः अब कहा हमारे बंधक छोड़ो वरना मारे जाओगे

वाशिंगटन, 06 मार्च (एजेंसियां)।

भले ही अमेरिका पूरी दुनिया को आंखे दिखाता रहा है लेकिन हमास से वो भी दहशत खाता है। लंबे समय से अमेरिकी नागरिकों को हमास ने बंधक बना रखा है। उन्हे छुड़ाने की अमेरिका हिम्मत नहीं जुटा पाया। अब तमाम विचार विमर्श के बाद उसने चेतावनी दी है और कहा है बंधकों को छोड़ तो वरना मारे जाओगे।

गाजा में बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिकों की रिहाई और युद्ध को समाप्त करने के लिए हमास के साथ सीधी और गुप्त वार्ता शुरू की है। यह पहली बार है जब अमेरिका ने हमास के साथ सीधे बातचीत की है, जिसे वह 1997 से आतंकवादी संगठन मानता आ रहा है। इस कदम को ट्रंप प्रशासन की नीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, हमास को सभी बंधकों को अभी रिहा करना होगा, बाद में नहीं, और जिन लोगों की हत्या की गई उनकी लाशें तुरंत लौटानी होंगी, वरना आपके लिए सब खत्म हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मैं इजरायल को वह सब कुछ भेज रहा हूं जो उसे काम पूरा करने के लिए चाहिए।

अगर आप मेरे कहे अनुसार नहीं करते, तो एक भी हमास सदस्य सुरक्षित नहीं रहेगा। यह आपकी आखिरी चेतावनी है! उन्होंने हमास नेतृत्व से कहा कि वे अभी गाजा छोड़ दें और बंधकों को तुरंत रिहा करें, वरना बाद में नरक भुगतना पड़ेगा।

यह बयान ट्रंप के हाल ही में व्हाइट हाउस में आठ पूर्व बंधकों से मुलाकात के बाद आया है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं से बातचीत में अमेरिका और हमास की वार्ताओं की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, हमास के साथ सीधी बातचीत चल रही है और इजरायल को इसकी जानकारी दी गई थी। लेविट ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि यह कदम अमेरिकी लोगों के हित में है, खासकर जब अमेरिकी जिंदगियां दांव पर हों। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बातचीत केवल बंधकों की रिहाई तक सीमित हैं या गाजा में लंबे समय तक युद्धविराम पर भी चर्चा शामिल है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा, हमने अमेरिका के साथ संपर्क में हमास के साथ सीधी बातचीत पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है, लेकिन विस्तार से कुछ नहीं बताया।

इजरायल हमास को आतंकवादी संगठन मानता है, उसने हमेशा इस समूह के साथ सीधे बातचीत से इनकार किया है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजरायल को इन वार्ताओं के कुछ पहलुओं की जानकारी अन्य माध्यमों से मिली, जिससे संकेत मिलता है कि पूर्ण समन्वय नहीं था।

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबल होना तय

दुबई, 06 मार्च (एजेंसियां)।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया। वहीं न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका का हराया है। रविवार को अब रोमांचक मुकाबले के आसार हैं क्योंकि भारतीय टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में न्यूजीलैंड को हराया था जिससे उसका पलड़ा भारी है। इस मैच में कीवी टीम के बल्लेबाजों के लिए भारतीय स्पिनरों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में हार से एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना टूट गया है। इस साफ है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम दबाव के सामने बिखर जाती है। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर कीवी टीम से 2019 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार का हिसाब बराबर करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली अभी लय में हैं।

न्यूजीलैंड दौरे पर आकिब ही रहेंगे मुख्य कोच : पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) ने पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को न्यूजीलैंड दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया है। वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। पाक टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे में सीमित ओवरों की एक सीरीज खेलेगी। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे के बीच समय कम होने के कारण आकिब को ही मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं , 'पीसीबी ने इस बीच नये मुख्य कोच को तलाशने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पिछले साल पीसीबी ने जैसन गिलेस्पी को टेस्ट और गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों के प्रारूप में कोच बनाया था पर दोनों के साथ ही बोर्ड अधिकारियों के मतभेद हो गये थे। ऐसे में इन दोनो ने ही पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही पाक टीम के पास कोई पूर्ण कालिक कोच नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सेमीफाइनल की जीत से नोबल बढ़ा, अब दुबई में फाइनल के लिए तैयार है : रचिन रविंद्र

लाहौर। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में मैच विजेता पारी खेलकर उत्साहित हैं। रचिन ने इस मैच में 101 गेंदों पर 108 रन बनाये थे। इससे न्यूजीलैंड टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। रचिन ने कहा कि उससे उनका हौंसला बढ़ा है। अब वह आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले पांच एकदिवसीय शतक लगाने वाले एकमात्र पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में रचिन ने दूसरे विकेट के लिए अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के साथ 154 गेंदों पर 164 रन बनाये। विलियमसन ने 102 रन बनाए। रचिन ने कहा कि सेमीफाइनल में शानदार जीत में योगदान देना शानदार अहसास है। मैं उतनी अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया, जितनी मैं चाहता था। साथ ही कहा कि अब जब हम दुबई पहुंच जाएंगे, तो फाइनल पर ध्यान देंगे। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने 43 रन देकर 3 विकेट लिए और दक्षिण अफ्रीका टीम को कोई अवसर नहीं दिया। सैंटनर ने कहा, इस बड़ी जीत से दुबई में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए हमारा मनोबल बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ी साझेदारी नहीं बनाने से टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली हार से तीन कप्तानों पर गाज गिरी

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट में इस बार टीम की हार के कारण एक नहीं तीन-तीन कप्तानों का करियर खराब हो गया। सबसे पहले इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का आता है। भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उसके कप्तान मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया। पाक टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा और वह एक मैच भी नहीं जीत पायी। वहीं दूसरी गाज इंग्लैड के कप्तान जोस बटलर पर गिरी। बटलर को भी टीम के खराब प्रदर्शन के कारण पद गंवाना पड़ा। इंग्लैड टीम का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में खराब रहा। वहीं तीसरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को तो एकदिवसीय प्रारुप से ही संन्यास लेना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रिजवान से इस कदर नाराज हुआ कि टी20 टीम से ही बाहर कर दिया। उनकी जगह न्यूजीलैड दौरे पर टी20 का कप्तान सलमान आगा को बनाया गया है।

'डबल जलेबी' के जादू से राष्ट्रीय टीम तक : अंगद बीर सिंह ने भारतीय टीम में एंट्री पर साझा किए अनुभव

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)।

युवा खिलाड़ी अंगद बीर सिंह भारतीय हॉकी के नए सितारे बनकर उभरे हैं। हाल ही में संपन्न हीरो हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसर्स के लिए खेलते हुए उन्होंने शूटआउट में दुनिया के बेहतरीन गोलकीपरों में से एक माने जाने वाले डेविड हार्टे (तमिलनाडु ड्रैगन्स) के खिलाफ शानदार 'डबल जलेबी' गोल दागा, जिससे वे चर्चा में आ गए। इस जबरदस्त प्रदर्शन के बाद उन्हें एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भारत चरण के लिए पहली बार भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम में चुना गया और भुवनेश्वर में आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया।

अंगद इससे पहले जूनियर राष्ट्रीय टीम के साथ कई सफलताएं हासिल कर चुके हैं। 2022 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में स्वर्ण, 2023 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में कांस्य और 2023 पुरुष जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा साबित की थी।

पहला मैच और खास लम्हेहॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में अंगद ने अपनी पहली सीनियर अंतरराष्ट्रीय भिड़ंत को याद करते हुए कहा, मैच से पहले मैं बेहद रोमांचित था। यह मेरे कई वर्षों की मेहनत का नतीजा था। उन्होंने बताया कि जब मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम के सामने उनके डेब्यू की घोषणा की, तो उनका उत्साह और भी बढ़ गया। 22 वर्षीय अंगद ने कहा, उस पल मुझे महसूस हुआ कि कुछ खास होने वाला है।

हालांकि, शुरुआती कुछ मिनटों में उनके मन में घबराहट थी, लेकिन जल्द ही वे सहज हो गए। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मैं सतर्क था, गलती करने से बचना चाहता था लेकिन फिर मैंने खुद से कहा कि यह भी एक आम मैच की तरह है, अपना खेल खेलो, आत्मविश्वास रखो। इसके बाद मैं पूरी तरह खेल में डूब गया।

सीनियर खिलाड़ियों का सहयोगअंगद ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और संजय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, सभी सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा हौसला बढ़ाया। उन्होंने मुझसे कहा कि बिना दबाव के खेलो। खासतौर पर मनप्रीत और हार्दिक पूरे मैच के दौरान मेरा मार्गदर्शन कर रहे थे। संजय और मेरा मैदान पर अच्छा तालमेल है, उन्होंने भी मेरी काफी मदद की। कोच फुल्टन के शांत और सकारात्मक दृष्टिकोण को लेकर भी अंगद ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मैच से पहले कोच ने मुझसे कहा कि बस अपना खेल खेलो और इस पल का आनंद लो। गलतियों की चिंता मत करो, मैं तुम्हारे साथ हूं।, ये शब्द मुझे हमेशा याद रहेंगे और इससे मुझे खुलकर खेलने की आजादी मिली। सीनियर स्तर की नई चुनौतियांअंगद ने जूनियर और सीनियर स्तर के खेल में अंतर को लेकर कहा, जूनियर स्तर पर खेल बुनियादी होता है, लेकिन सीनियर स्तर पूरी तरह रणनीतिक होता है। खेल की गति तेज होती है और हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है। मैं लगातार सीखने और अपने खेल में सुधार करने पर ध्यान दे रहा हूं। उन्होंने अपने भविष्य के लक्ष्यों के बारे में कहा, मानसिक रूप से तैयार रहना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक तैयारी। अगले मैच में मैं मानसिक रूप से पहले से ज्यादा तैयार रहूंगा। मेरा लक्ष्य हर मैच में सीखना, अपनी टीम के साथियों से तालमेल बढ़ाना और अपने प्रदर्शन को निखारना है।

ओलंपिक में स्वर्ण जीतने का सपनाअंगद के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में हमारी टीम ने कांस्य पदक जीते, लेकिन अब मैं उस टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जो भारत के लिए स्वर्ण लेकर आए।

परिवार की खुशीअपनी इस सफलता को लेकर अंगद ने अपने परिवार की प्रतिक्रिया को भी याद किया। उन्होंने बताया, भारतीय टीम के लिए खेलना मेरे पिता का सपना था। मेरे डेब्यू मैच के दौरान पूरा परिवार और रिश्तेदार एक साथ मैच देख रहे थे। उनकी खुशी और गर्व ने इस पल को मेरे लिए और भी खास बना दिया। अंगद बीर सिंह का यह सफर न केवल उनके लिए, बल्कि भारतीय हॉकी के लिए भी एक रोमांचक भविष्य की ओर इशारा करता है।

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई, 06 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।

गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

औली में नेशनल स्की चैम्पियनशिप 16 से 19 तक

विश्व विख्यात हिम क्रीड़ा केन्द्र औली मे नेशनल स्की चैम्पियनशिप का आयोजन 16से 19 मार्च तक होगा, जिसकी हर स्तर पर तैयारियां शुरू की जा चुकी है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण ने लंबी छलांग लगायी, रोहित पिछड़े

दुबई, 06 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों में पहुंच गये है। वरुण को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्हेंाने लंबी छलांग लगाते हुए 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ा है, वरुण के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में पिछड़े हैं। वरुण 143 पायदान की छलांग लगाकर अब 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण ने चैम्पियस ट्रॉफी 2025 में अब तक 2 मैच खेले, जिसमें 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में यह 5 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 2 विकेट हासिल किए थे।दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली को एक पायदान का फायदा हुआ है और वो चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 2 पायदान नीचे आकर पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। विराट इस ने चैम्पियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 72.33 के दमदार औसत से 217 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाये थे।

रोहित की फॉर्म अच्छी नहीं रही है। उन्होंने अब तक 4 मैच खेले, जिसमें 26 के बेहद खराब औसत से 104 रन बनाए। शीर्ष -10 बल्लेबाजों में शुभमन, कोहली और रोहित के अलावा श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। श्रेयस एक पायदान ऊपर आकर 8वें नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर ऑलराउंडरों की बात करें तो शीर्ष दस में केवल भारत के रविन्द्र जडेजा है। जडेजा को नौवां स्थान मिला है। वहीं भारतीय टीम के अक्षर 17 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

खेल मंत्री मांडविया करेंगे ओलंपिक तैयारी और खेल प्रशासन पर 'चिंतन शिविर' की अध्यक्षता

हैदराबाद, 06 मार्च (एजेंसियां)।

2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारियों और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 7-8 मार्च को हैदराबाद में एक उच्च स्तरीय चिंतन शिविर की अध्यक्षता करेंगे।

यह दो दिवसीय विचार-विमर्श सत्र कान्हा शांतिवनम में आयोजित किया जाएगा, जहां विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ खेल प्रशासक, प्रमुख सरकारी अधिकारी और खेल विशेषज्ञ एक मंच पर आकर भारत को वैश्विक खेल शक्ति बनाने की रणनीति तैयार करेंगे। इस दौरान खेल प्रशासन को सशक्त बनाने, जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान, खेल अवसंरचना के विकास, समावेशिता बढ़ाने और सहयोगी प्रयासों को गति देने पर विचार-विमर्श होगा।

डॉ. मांडविया, इस चिंतन शिविर में विभिन्न हितधारकों के साथ रणनीतिक चर्चा करेंगे। राज्यों के प्रतिनिधि अपने बेहतरीन मॉडल और नवाचारों को साझा करेंगे, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी खेल नीतियों का निर्माण किया जा सके।

चिंतन शिविर के प्रमुख फोकस क्षेत्र-

- – केंद्र सरकार की विभिन्न खेल योजनाओं का अवलोकन और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय।
- – खेल विकास एवं अवसंरचना में कॉर्पोरेट भागीदारी।
- – जमीनी स्तर की प्रतिभाओं की खोज और पोषण।
- – खेल प्रशासन में सुशासन को बढ़ावा।
- – खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियानों का विस्तार।
- – खेलों में समावेशिता को प्रोत्साहन।
- – खिलाड़ियों और कोचों के कल्याण पर विचार।

खेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में डॉ मांडविया ने कहा, हाल ही में संपन्न उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता हमारी अपार क्षमता को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य ओलंपिक में उत्कृष्टता प्राप्त करना और भारत को खेलों की महाशक्ति बनाना है। यदि हम विचारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करें, तो हम एक संगठित और सतत खेल ढांचा सुनिश्चित कर सकते हैं। ओलंपिक की मेजबानी करना एक राष्ट्रीय मिशन है और हमें एकजुट होकर इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

खेल मंत्री ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपने बेहतरीन खिलाड़ियों की पहचान करें, जिन्हें कोचिंग की भूमिका में लाया जा सके। इससे खेल व्यवस्था की खामियों को दूर किया जा सकेगा और प्रतिभा विकास की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकेगा। यह चिंतन शिविर भारतीय खेल जगत में बदलाव लाने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगा और वैश्विक स्तर पर दीर्घकालिक सफलता की नींव रखेगा।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 06 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये से लेकर 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये से लेकर 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

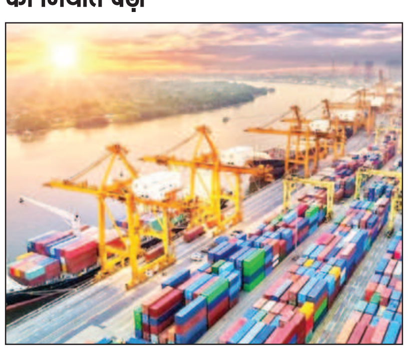

नई दिल्ली। भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलयेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है ।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

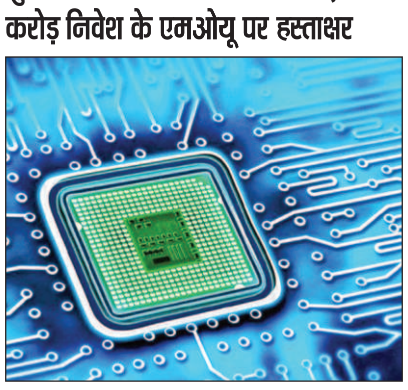

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन की महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी एवं हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कश्मीर को

इनके लिए एक सूफी संत की मजार के पास एक स्मारक भी बनाया गया था। यह छुट्टी दशकों तक इसी तरह चलती रही थी। वर्ष 2019 में मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यह छुट्टी खत्म कर दी। अब जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार में यह छुट्टी दोबारा चालू करने की मांग की गई है।कश्मीर में कट्टर मानसिकता वाले लोग लगातार 13 जुलाई 1931 की घटना को महाराजा हरि सिंह के खिलाफ क्रांति और जनआंदोलन करार देते हैं। इसे कश्मीर शहीद दिवस बताते हैं। कहा जाता है कि यह महार-ाजा के कथित क्रूर शासन के खिलाफ एक विद्रोह था। जबकि असल में यह एक काफिर हिंदू शासक के खिलाफ लड़ाई थी। इस संबंध में कश्मीरी पंडित समाजसेवी सुशील पंडित का कहना है कि आधुनिक कश्मीर का पहला नरसंहार तभी हुआ था, वह भी पूरी साजिश के साथ। सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई, ज़िंदा जला दिया गया, विकलांग बना दिया गया और नदी में फेंक दिया गया। महिलाओं का यौन शोषण और बलात्कार हुआ। अनगिनत लोगों के घर लूट लिए गए तो कई लोगों को इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया। जब पुलिस ने दंगाइयों पर कार्रवाई की तो उनमें से कुछ की मौत हो गई, जिसके बाद उनके गिरोह द्वारा उन्हें शहीद बता दिया गया और स्वतंत्र भारत में जम्मू कश्मीर की नई सरकार ने उन आतंकियों के कृत्यों को पवित्र बनाने के लिए नायकों की तरह उनका सम्मान करते हुए 13 जुलाई को उन्हें याद किया जाने लगा।उस समय जम्मू कश्मीर के स्वायत्त राजा हरि सिंह थे। तब जम्मू कश्मीर के साथ-साथ लद्दाख, गिलगिट-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद-मीरपुर और अक्साई चीन के अलावा शक्सगाम घाटी के इलाके भी उनके क्षेत्र का हिस्सा हुआ करते थे। लेकिन, अंग्रेज उनसे कुछ इलाके छीनना चाहते थे। महाराजा हरि सिंह उन दुर्लभ राजाओं में से एक थे, जिनका शासन मुस्लिम बहुल इलाके में था। इसीलिए, अंग्रेजों ने एक साजिश के तहत पेशावर के एक अहमदी अब्दुल क़दीर को खानसामा के वेश में श्रीनगर में स्थापित कर दिया। इसके बाद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को भी लाया गया। वह एक राजनीतिक महत्वाकांक्षा वाला व्यक्ति था, जिसकी पुश्तें आज भी जम्मू कश्मीर को अपनी बपौती समझती हैं। खानकाह मोहल्ला स्थित शाह-ए-हमदान में एक सार्वजनिक सभा हुई, जहां अब्दुल कदीर ने एक भड़काऊ भाषण दिया। महाराजा के विरुद्ध जंग के लिए कुरान का हवाला दिया गया। उसने भड़काया कि एक काफिर कैसे मुस्लिमों के ऊपर राज कर सकता है, इसकी इस्लाम में सख्त मनाही है।कानून के अनुसार जिस गोहत्या पर प्रतिबंध था, उसके लिए उसने मुस्लिमों को खुल कर उकसाया। उसे जब राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया तो दंगे भड़क गए। कानूनी प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिशें हुईं। मज़बूरी में जेल परिसर में ही सुनवाई होती थी। 13 जुलाई 1931 को भी एक ऐसी ही सुनवाई थी। लेकिन, भीड़ ने वहां हमला कर दिया और जज के चैंबर में घुसने की कोशिश करने लगे। भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया और आगजनी शुरू कर दी। जैसा कि आज भी होता है, जम कर मुस्लिम भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। जेल के कैदियों ने भी वहां से भागने का प्रयास शुरू कर दिया। पुलिस बल ने सारे पैंतरे आजमा लिए, लेकिन मुस्लिम भीड़ तितर-बितर नहीं हुई। कुछ कैदियों को भगा भी दिया गया। इसके बाद स्थानीय जिलाधिकारी ने गोली चलाने के आदेश दिए। हरि पर्वत किले की तरफ भी भीड़ चल पड़ी थी। लाठीचार्ज का कोई असर नहीं हो रहा था। महाराजगंज तब व्यापारियों का अड्डा हुआ करता था, जहां जमकर लूटपाट मचाई गई।

इसके बाद भोरी कदल से लेकर आईकदल तक की लंबी दूरी में हिंदुओं की दुकानों को तहस-नहस कर दिया गया और चीजें लूट ली गईं। सफाकदल, गंजी, खुद और नवाकदल जैसे इलाकों में भी जम कर लूटपाट हुई। बाजार में बही-खातों को जला दिया गया और हिंदू दुकानदारों में भगदड़ मच गई। लाखों के सामान लूट लिए गए, ये सड़कों पर तहस-नहस कर के फेंक दिए गए। इस दौरान किसी मुस्लिम के दुकान में घुस कर लूटपाट की कोई घटना नहीं हुई।श्रीनगर के विचारनाग में मुस्लिम भीड़ अलग से जुटी हुई थी। वहां समृद्ध हिंदुओं के साथ अत्याचार किया गया और उनकी महिलाओं का यौन शोषण हुआ। जब तक सेना आई, तब तक मुस्लिम भीड़ ने हिंदुओं का बड़ा नुकसान कर दिया था। इसके बाद बुद्धिजीवी गिरोह काम पर लगा और उसने इसे सामंती सत्ता के विरुद्ध लोकतांत्रिक विद्रोह नाम दे दिया। याद कीजिए, मोपला मुस्लिमों द्वारा केरल में किए गए बड़े स्तर के नरसंहार को भी जमींदारों के खिलाफ किसानों का विद्रोह कह दिया गया था। जबकि, असल में कश्मीर में 13 जुलाई 1931 को जो भी हुआ, वो एक हिंदू राजा के विरुद्ध इस्लामी जंग था। शेख मोहम्मद अब्दुल्लाह का भी इन दंगों को भड़काने में बड़ा हाथ था। उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेजा गया। हालांकि, अगले ही साल महाराजा ने उसे माफ़ी दे दी और उसने ऑल जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस का गठन कर के लोगों को भड़काना शुरू कर दिया। मीरपुर में हिंदुओं ने भाग कर जान बचाने की कोशिश की। बाद में उनमें से सैकड़ों को शरणार्थी बन कर रहना पड़ा। मंदिरों और गुरुद्वारों पर हमले की कई घटनाएं सामने आईं। गुरुग्रंथ साहिब सहित कई पवित्र सनातनी पुस्तकों को जला दिया गया और देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को खंडित किया गया। इसे 88 ना शौरांश कहते हैं, अर्थात 88 का नरसंहार। विक्रम संवत के हिसाब से तब 1988 चल रहा था।उस घटना के बाद के सैकड़ों परिवार और उनकी पुश्तें दशकों तक पुनर्वास के लिए संघर्ष करती रहीं। खुद अंग्रेजी रिकार्ड्स की मानें तो 31 मंदिरों-गुरुद्वारों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। 600 के आसपास जबरन इस्लामी धर्मांतरण के मामले सामने आए। सुक्खचैनपुर और संवल (मीरपुर) के हिंदुओं को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। अंग्रेज लिखते हैं कि जहां भी दंगाई पहुंचे, स्थानीय मुस्लिम जनसंख्या ने उनका साथ दिया। कुछ हिंदुओं के गांवों को तो एकदम से वीरान ही बना दिया गया, ऐसी लूटपाट और तबाही मचाई गई। इसके बाद 18 जनवरी, 1932 को भी हिंदुओं के 50 गांवों पर हमला हुआ और 300 घरों को लूटा गया। इनमें से 40 को आग के हवाले कर दिया गया। इतना ही नहीं, 40 हिंदुओं को जबरन मुस्लिम बनाया गया। थन्ना गांव में 20 जनवरी, 1932 को फिर से 36 घरों में लूटपाट हुई और 8 को फूंक दिया गया। सोहाना गांव में 84 घरों में लूटपाट हुई और एक अन्य गांव में 28 जनवरी को लूटपाट हुई।जिस कश्मीर को महाराजा रणजीत सिंह ने अफगानों के चंगुल से छुड़ाया था और फिर डोगरा राजाओं ने हिंदू शासन की स्थापना की, वहां के गैर-मुस्लिमों को सदियों के अत्याचार से राहत मिली। लेकिन, इस घटना के बाद से पुनः कश्मीर में पंडितों का नरसंहार शुरू हो गया। वहां भारत का संविधान स्वतंत्रता के बाद भी लागू नहीं हो पाया और मुट्ठी भर अलगाववादियों के अलावा अब्दुल्लाह-मुफ़्ती मिल कर यहां इस्लामी शासन चलाते रहे। जुलाई 2020 में ऐसा पहली बार हुआ, जब कश्मीर में दंगाइयों को श्रद्धांजलि नहीं दी गई। मोदी सरकार के कारण यह संभव हो पाया। आधुनिक कश्मीर में हिंदुओं को संगठित तरीके से खदेड़ना के कार्य तभी शुरू हुआ था। अंग्रेजों के षड्यंत्र और इस्लामी भीड़ की हिंसा ने एक हिंदू सत्ता को उखाड़ने के लिए हिंदुओं का नरसंहार किया और बाद में बुद्धिजीवियों ने इसे एक अलग रंग दिया। महाराजा हरि सिंह ने इन घटनाओं की जांच के लिए हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बरजोर दलाल की अध्यक्षता वाली एक समिति को दी।महाराजा हरि सिंह ने लंदन के गोलमेज सम्मेलन में भारतीय एकता की बात की थी, उसी के बाद अंग्रेज सेनाधिकारी मेजर बोट ने अब्दुल कदीर नाम के पठान को वहां लाकर बसाया। ये सब एक साजिश का हिस्सा था। ब्रिटिश ने सत्ता संभालने के बाद अब्दुल कदीर को 1.5 साल में ही रिहा कर दिया, जबकि उसे 5 साल की जेल हुई थी। कादियां नगर के अहमदिया समुदाय ने इस पूरे मामले में अंग्रेजो की खासी मदद की। इस रिपोर्ट में पता चला कि अंग्रेज अधिकारी वेकफील्ड जानबूझ कर उस दिन जेल के पास स्थिति को काबू करने नहीं गया, जबकि सुरक्षा का नियंत्रण उसके पास ही था। 4 जुलाई, 1931 को कुरान की बेअदबी की खबर सामने आई, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था। लेकिन, वेकफील्ड ने जांच के बाद कुरान के तौहीन की बात प्रचारित की और मुस्लिमों को भड़काया। श्रीनगर में महाराजा हरि सिंह के खिलाफ भड़काऊ सामग्रियां भेजी गईं। वेकफील्ड की जगह प्रधानमंत्री बनाए गए हरि कृष्ण कौल ने मुस्लिम दंगाइयों से राज्य का समझौता कराया, लेकिन दंगे नहीं रुके। देश के कई हिस्सों में इस्लामी दंगों का पैटर्न यही रहा है, आज भी यही है।

लंदन में ...

अनुच्छेद 370 खत्म करना पहला कदम था। कश्मीर में विकास और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था और राज्य में चुनाव कराना तीसरा कदम था। अब मामला सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर का है। उसे वापस लेने के बाद कश्मीर का मुद्दा हमेशा के लिए हल हो जाएगा।जयशंकर 4 से लेकर 9 मार्च तक ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी और अन्य प्रमुख अधिकारियों के साथ बातचीत की। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देना है, जिसमें व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोगों के बीच आपसी संबंध और रक्षा सहयोग शामिल हैं। ब्रिटेन की अपनी आधिकारिक यात्रा के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर 6 और 7 मार्च को आयरलैंड की यात्रा पर रहेंगे। यहां वे आयरिश विदेश मंत्री साइमन हैरिस से मिलेंगे और उनसे कई मुद्दों पर बात करेंगे। इसके अलावा, वे आयरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बातचीत करेंगे। अंत में वे भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।खालिस्तानी चरमपंथी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। वे लगातार भारत के खिलाफ साजिशें रच रहे हैं। कनाडा, ब्रिटेन या हो अमेरिका, हर जगह खालिस्तानी आतंकी भारतीय समुदाय के लोगों, भारतीय अधिकारियों और नेताओं को निशाना बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं। ऐसी ही फिर हुई जब भारत के विदेश मंत्री लंदन पहुंचे। खास बात यह है कि हमला ब्रिटिश पुलिस की मौजूदगी में हुआ। अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों ही नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर बात हुई। इस दौरान वैश्विक परिदृश्य रूस-यूक्रेन युद्ध, मुक्त व्यापार समझौते समेत कई अहम मुद्दों पर बात हुई। लैमी ने जयशंकर की मेजबानी की। केंट के शेवेनिंग हाउस में दो दिन तक नेताओं के बीत चर्चा हुई। इनमें मुक्त व्यापार समझौता से लेकर रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध समेत कई मुद्दे शामिल रहे।लंदन के चैथम हाउस थिंक टैंक में हुए कार्यक्रम में विदेश मंत्री से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और नई अमेरिका सरकार के शुरुआती कुछ सप्ताहों में उठाए गए कदमों समेत कई सवाल किए गए। अमेरिका वाले सवाल पर जयशंकर ने कहा कि हम एक ऐसे राष्ट्रपति और प्रशासन को देख रहे हैं जो बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है और यह भारत के अनुकूल है, जबकि पीओके मुद्दे पर जयशंकर ने कहा कि कश्मीर से चुराए हुए हिस्से की वापसी से ही कश्मीर मुद्दे का हल हो सकता है। इससे पहले मंगलवार को ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर के साथ अपनी बैठक में जयशंकर ने कहा था कि हमने प्रतिभा के प्रवाह और भारत-ब्रिटेन के बीच तस्करी और उग्रवाद से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों जैसे क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, लंदन में गृह सचिव के साथ अच्छी बैठक हुई। हमने प्रतिभा के प्रवाह, लोगों के बीच आदान-प्रदानतस्करी और उग्रवाद से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की।

कर्नाटक सरकार...

भी सरकार इस प्रस्ताव पर काम कर चुकी है लेकिन तब विरोध के कारण इस आइडिया को छोड़ दिया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस का यह कदम मुस्लिम वोटों को अपनी तरफ लुभाने का एक पैंतरा माना जा रहा है। वह इस मामले में जेडी (एस) को किनारे करना चाहती है। सिद्धारमैया सरकार के इस प्रस्ताव को लेकर अब राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा हमलावर है। भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस केवल मुस्लिमों को ही अल्पसंख्यक मानती है।भाजपा ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया है। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने कहा, कांग्रेस पार्टी लगातार ऐसे कानून लाती है जो हिंदुओं और अन्य समुदायों के खिलाफ भेदभाव करते है, उनसे उनके अधिकार छीनते हैं जबकि मुसलमानों को लाभ पहुंचाते हैं।

अब ब्रिटेन से ...

लेबर सरकार के सत्ता में आने के बाद से लगभग 19,000 विदेशी अपराधियों और अवैध प्रवासियों को देश से निकाला जा चुका है। इनमें भी सबसे अधिक पंजाबी हैं। इस सख्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप अवैध प्रवासियों को रोजगार देने वाले नियोक्ताओं पर भी भारी जुर्माना लगाया जा रहा है। एक अवैध कर्मचारी रखने पर मालिक को 60,000 पाउंड (60 लाख रुपए) तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है।यूके के रहने वाले किरपाल सिंह का कहना है कि यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त माइग्रेशन नीति के साथ मेल खाता है, जिसने हाल ही में अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। ब्रिटेन में इस अभियान के बाद भारतीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है। विशेष रूप से छोटे व्यवसाय मालिकों के बीच, जो डरते हैं कि उनके स्टाफ में कोई अवैध प्रवासी निकला तो उन पर भारी जुर्माना लग सकता है। यूके में भारतीय प्रवासी समुदाय सबसे बड़े समूहों में से एक है, जिसकी दोनों देशों के साथ मजबूत सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं। ब्रिटेन में कई अवैध भारतीय प्रवासी मूलरूप से कानूनी तरीकों से जैसे छात्र या वर्क वीजा के माध्यम से आए थे लेकिन बाद में विभिन्न प्रशासनिक बाधाओं, आर्थिक कठिनाइयों या उचित कानूनी मार्गदर्शन की कमी के कारण अनियमित स्थिति में आ गए।सरकार का कहना है कि ये बेहद खराब स्थिति में जीने को मजबूर हैं। कुछ मानवाधिकार संगठनों ने कहा है कि सरकार को अवैध प्रवासियों को निकालने के बजाय उन्हें वैध बनाने का मौका देना चाहिए लेकिन सरकार अपनी सख्ती जारी रखने के मूड में है। गृह कार्यालय के प्रवर्तन प्रमुख एडी मोंटगोमरी ने कहा कि जो लोग हमारे सिस्टम का उल्लंघन करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। यूके में इस समय में सात लाख से अधिक पंजाबी हैं और बहुसंख्यक सिख समुदाय से हैं। यूके ने 2008 के बाद से स्टडी वीजा में काफी ढील दी, जिसका फायदा उठाकर भारी संख्या में युवा यूके में स्टडी वीजा पर चले गए। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन में दस लाख छात्रों की दूसरी भाषा अंग्रेजी है, जबकि जिन छात्रों की पहली भाषा अंग्रेजी नहीं है, उनमें पंजाबी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।हाल की रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन के लिए ब्रिटेन जाने वाले भारतीय छात्रों में से एक महत्वपूर्ण हिस्सा पंजाब से है। अनुमान है कि ब्रिटेन में भारतीय छात्र वीजा धारकों में से लगभग 40 फीसदी पंजाबी मूल के हैं, जिससे यह पता चलता है कि ब्रिटेन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पंजाबी छात्रों की एक बड़ी संख्या है। यूके के नामचीन हस्ती परमजीत सिंह बंसल का कहना है कि दिसंबर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष में 108130 से अधिक लोगों ने ब्रिटेन में शरण का दावा किया, जो 1979 के बाद से सबसे अधिक संख्या है। 2024 में शरण के लिए 32 फीसदी दावे छोटी नावों से आने वाले लोगों से आए। साल 2024 में 36816 लोग छोटी नावों से यूके में पहुंचे। यूके अब ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। पंजाब में अमेरिका के बाद अब यूके से भी निर्वासन की तैयारी चल रही है।

सबको उत्तराखंड ...

पीएम ने कहा, इससे सालभर रहने वाले रोजगार के अवसर मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दशक उत्तराखंड का बन रहा है। उत्त-राखंड की प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं। शीतकालीन पर्यटन एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम ने कहा कि घाम तापो पर्यटन उत्तराखंड के लिए नया आयाम लेकर आएगा। प्रधानमंत्री ने लोगों से उत्तराखंड में आकर शादी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड बेहतरीन स्थान है। उन्होंने फिल्मों की शूटिंग के लिए भी उत्तराखंड को बेहतर बताया। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करने की बात कही। उन्होंने कॉरपोरेट घरानों से भी आग्रह किया कि वह अपनी बैठकों के लिए उत्तराखंड आएं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां विंटर योगा सेशन आयोजित किए जाएं। पीएम ने सरकार से कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के लिए प्रतियोगिता आयोजित करें। वह उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म पर शॉर्ट फिल्म बनाएं। जो सबसे अच्छी बनाएं उन्हें इनाम दें। इससे प्रदेश के खूबसूरत स्थलों की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी।

एसडीपीआई...

दिनभर जारी रही। इस ऑपरेशन में कई टीमें शामिल हैं, जो दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की तलाश में जुटी हैं।ईडी की यह कार्रवाई एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी की गिरफ्तारी के बाद तेज हुई है। फैजी को 3 मार्च को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 6 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। फैजी से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर ही यह देशव्यापी छापेमारी शुरू की गई। ईडी का दावा है कि फैजी और एसडीपीआई का पीएफआई के साथ गहरा संबंध है, जिसे सितंबर 2022 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियों और आतंकी कृत्यों के आरोप में प्रतिबंधित कर दिया था।ईडी का कहना है कि एसडीपीआई, पीएफआई की राजनीतिक शाखा के तौर पर काम कर रही थी और इसके जरिए प्रतिबंधित संगठन अपनी गतिविधियों को जारी रखे हुए था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि पीएफआई ने अवैध तरीकों से जुटाए गए धन को एसडीपीआई के संचालन, चुनावी अभियानों और अन्य गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया। अब तक की जांच में 4.07 करोड़ रुपए की प्रोसीड्स ऑफ क्राइम का पता चला है, जिसमें संदिग्ध और अघोषित स्रोतों से आए फंड शामिल हैं। ईडी ने यह भी कहा कि फैजी ने जांच में सहयोग नहीं किया और मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक 12 समन के बावजूद पेश नहीं हुए, जिसके बाद उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।फैजी की गिरफ्तारी पीएफआई से संबंधित मामलों में ईडी की 27वीं गिरफ्तारी है। इससे पहले 2022 में भी एसडीपीआई और पीएफआई के कार्यालयों पर समन्वित छापेमारी की गई थी, जिसमें कई लोग गिरफ्तार हुए थे। वर्तमान छापेमारी में ईडी का फोकस क्रॉस-बॉर्डर फंडिंग, हवाला चैनलों और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच पर है। जांच एजेंसी का मानना है कि पीएफआई ने खाड़ी देशों से धन जुटाया और इसे भारत में गैरकानूनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया।यह छापेमारी और फैजी की गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा और व्यापक होने की संभावना है। ईडी अब उन साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है जो छापेमारी के दौरान जब्त किए गए हैं। साथ ही, इस मामले की जानकारी जल्द ही चुनाव आयोग को भी दी जा सकती है, ताकि एसडीपीआई की गतिविधियों और फंडिंग की और गहन जांच हो सके। इस बीच, देशभर में इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है।

परस्पर...

उसकी वापसी से हर चीज का समाधान हो जाएगा।याद रहे, विदेश मंत्री जयशंकर ने इससे पहले मई 2024 में भी कहा था कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा था कि हर भारतीय राजनीतिक दल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पीओके भारत को वापस मिले। दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज, नई दिल्ली के छात्रों के साथ बातचीत के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था, मैं पीओके के बारे में बस इतना ही कह सकता हूं कि इस देश का हर राजनीतिक दल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पीओके, जो भारत का हिस्सा है, भारत को वापस मिले। यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है। ओड़ीशा के कटक में एक कार्यक्रम के दौरान 5 मई 2024 को विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था, पीओके भारत का हिस्सा है। पीओके कभी भी इस देश से अलग नहीं हो सकता। भारतीय संसद का संकल्प है कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है।विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि भारत ने आजादी के शुरुआती वर्षों के दौरान पाकिस्तान को इस क्षेत्र को खाली करने के लिए नहीं कहा, जिसके कारण यह दुखद स्थिति बनी रही। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था, जब आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो सदन का जिम्मेदार संरक्षक नहीं होता है, तो बाहर से कोई चोरी कर लेता है। लोगों को पीओके के मुद्दे को भूलने के लिए मजबूर किया गया और इसे फिर से लोगों की चेतना में लाया गया।

होलाष्टक में फैलती है नकारात्मक ऊर्जा, पूजा पाठ का विशेष महत्व

होलाष्टक के दौरान ग्रहों की नकारात्मकता बढ़ने से आठ दिन तक वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव रहेगा। ग्रह-नक्षत्र के कमजोर होने के कारण इस दौरान जातक की निर्णय क्षमता कम हो जाती है। होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष महत्व होता है। होलाष्टक के समय में मौसम में बदलाव होता है, इसलिए दिनचर्या को काफी अनुशासित रखें। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार गुरुवार 6 मार्च को प्रात: 10:51 पर होलाष्टक आरंभ हो गया है तथा 14 मार्च को दोपहर 12:24 पर होलाष्टक समाप्त होंगे। होलाष्टक 6 मार्च से 14 मार्च तक होगा। होलाष्टक का समापन होलिका दहन के दिन हो जाता है। होलाष्टक के दौरान विवाह का मुहूर्त नहीं होता इसलिए इन दिनों में विवाह जैसा मांगलिक कार्य संपन्न नहीं करना चाहिए। नए घर में प्रवेश भी इन दिनों में नहीं करना चाहिए। भूमि पूजन भी इन दिनों में न ही किया जाए तो बेहतर है। नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताए जाते हैं, इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिए। होलिका दहन 13 व 14 मार्च को होली खेली जाएगी। होलाष्टक के समय विशेष रूप से विवाह, वाहन खरीद, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात् इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

होलाष्टक को क्यों माना जाता है अशुभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होलाष्टक के दौरान आठ ग्रह उग्र अवस्था में रहते हैं। अष्टमी तिथि को चन्द्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी तिथि पर शनि, एकादशी पर शुक्र, द्वादशी पर गुरु, त्रयोदशी तिथि पर बुध, चतुर्दशी पर मंगल और पूर्णिमा तिथि के दिन राहु उग्र स्थिति में रहते हैं। होलाष्टक के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। माना जाता है कि होलाष्टक की अवधि में किए शुभ और मांगलिक कार्यों पर इन ग्रहों का बुरा असर पड़ता है, जिसका असर सभी राशियों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इस वजह से जीवन में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि होली से पहले इन आठ दिनों में सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है।

होलाष्टक का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, होलाष्टक के दौरान भगवान हनुमान, भगवान विष्णु और भगवान नरसिंह की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही होलाष्टक के आठ दिनों में व्यक्ति को निरंतर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।

होलाष्टक कथा

होलाष्टक को लेकर शिव पुराण में कथा वर्णित की गई है। कथा के अनुसार, तारकासुर का वध करने के लिए भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह होने जरुरी थी। क्योंकि, उस असुर का वध शिव पुत्र के हाथ से होना था। लेकिन, देवी सती के आत्मदाह के बाद भगवान शिव तपस्या में लीन थे। सभी देवताओं ने भगवान शिव को तपस्या से जगाना चाहा। इस काम के लिए भगवान शिव और देवी रति को बुलाया गया। इसके बाद कामदेव और रति ने शिवजी की तपस्या को भंग कर दिया और भगवान शिव क्रोधित हो गए। शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र से कामदेव को भस्म कर दिया। जिस दिन भगवान शिव से कामदेव को भस्म किया उस दिन फाल्गुन शुक्लपक्ष की अष्टमी तिथि थी। इसके बाद सभी देवताओं ने रति के साथ मिलकर भगवान शिव से क्षमा मांगी। भगवान शिव को मनाने में सभी को आठ दिन का समय लग गया। इसके बाद भगवान शिव ने कामदेव को जीवित होने का आशीर्वाद दिया। इस वजह से इन आठ दिनों को अशुभ माना जाता है।

होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए

होलाष्टक के आठ दिनों तक शादी विवाह जैसे कार्य नहीं किए जाते हैं। इसके साथ ही भूमि, भवन और वाहन आदि की भी खरीदारी को शुभ नहीं माना गया है। वहीं नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है। हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताये जाते हैं इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिये। हालांकि दुर्भाग्यवश इन दिनों किसी की मौत होती है तो उसके अंत्येष्टि संस्कार के लिये भी शांति पूजन करवाई जाती है। इसके साथ ही इस दौरान किसी भी प्रकार का हवनए यज्ञ कर्म भी इन दिनों में नहीं किये जाते।

होलाष्टक में क्या करना चाहिए

होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इस दौरान मौसम में तेजी बदलाव होता है। इसलिए अनुशासित दिनचर्या को अपनाने की सलाह दी जाती है। होलाष्टक में स्वच्छता और खानपान का उचित ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। होलाष्टक में भले ही शुभ कार्यों के करने की मनाही है लेकिन इन दिनों में अपने आराध्य देव की पूजा अर्चना कर सकते हैं। व्रत उपवास करने से भी आपको पुण्य फल मिलते हैं। इन दिनों में धर्म कर्म के कार्य वस्त्र अनाज व अपनी इच्छा व सामर्थ्य के अनुसार जरुरतमंदों को धन का दान करने से भी आपको लाभ मिल सकता है।

होलाष्टक पर करने के विशेष उपाय।

संतान के लिए

यदि किसी कपल को संतान की प्राप्ति नहीं हो रही है तो वह होलाष्टक में लड्डु गोपाल की विधि विधान से पूजा पाठ करें। इस दौरान हवन भी करें जिसमें गाय का शुद्ध घी और मिश्री का इस्तेमाल करें। इस उपाय को करने से निसन्तान को भी संतान प्राप्त हो जाती है।

करियर में सफलता के लिए

यदि आप अपने करियर में तरक्की पर तरक्की चाहते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय करें। घर या ऑफिस में जौ तिल और शक्कर से हवन करवाएं। ऐसा कर आपके करियर में आने वाली सभी बाधाएं खत्म हो जाएगी। आप जिस भी फील्ड में काम स्टार्ट करेंगे उसमें आसानी से सफलता का स्वाद चख सकेंगे।

धन प्राप्ति के लिए

यदि आप आर्थिक रूप से कमजोर हैं या अत्यधिक धन की कामना रखते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय जरूर करें। कनेर के फूलए गांठ वाली हल्तीए पीली सरसों और गुड़ के द्वारा अपने घर में हवन करें। ऐसा करने से पैसों से जुड़ी सभी दिक्कतें दूर हो जाएगी। इतना ही नहीं संपत्ति से जुड़े मामलों में भी लाभ होगा।

अच्छी हेल्थ के लिए

अपनी अच्छी सेहत के लिए आपको होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। ये जाप करने के बाद गुग्गल से हवन भी करना न भूलें। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से असाध्य रोग से मुक्ति प्राप्त होती है।

सुखमय जीवन के लिए

यदि आपके जीवन में अत्यधिक दुख हैं तो होलाष्टक में हनुमान चालीसा और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना शुरू कर दें।

इससे आपके सभी दुख समाप्त हो जाएंगे। जीवन में खुशियां ही खुशियां होगी। आपकी लाइफ सुख सुविधाओं से सज्जित होगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

आज धन योग के साथ अष्टमी तिथि का संयोग

आज 7 मार्च दिन शुक्रवार है और तिथि है अष्टमी। ऐसे में आज के दिन होलाष्टक का संयोग बन रहा है। लेकिन शुभ और उत्तम संयोग यह है कि आज के दिन शुक्र राजयोग बना रहे हैं तो दूसरी ओर आज चंद्रमा मिथुन राशि में पहुंचकर मंगल के साथ युति संबंध बनाकर धन योग का निर्माण कर रहे हैं। इस पर प्रीति योग के साथ मृगशिरा नक्षत्र का भी शुभ संयोग बन रहा है ऐसे में कल लक्ष्मी योग में देवी लक्ष्मी की कृपा का विशेष लाभ पाएंगे वृषभ, मिथुन, तुला, धनु और मकर राशि के जातक। कमाई के साथ करियर में उन्नति के भी बनेंगे संयोग। साथ ही जानें आज शुक्रवार के दिन को शुभ बनाने के उपाय। आज भाग्यशाली राशियों को कहां से और कितना लाभ मिल रहा है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के लिए आज का दिन लाभदायक रहेगा। आपको कल बिजनेस में पूर्व में किए गए निवेश और प्रयास का भी प्रतिफल मिलेगा। कोई अधूरा काम जो आपका काफी समय से अटक रहा है वह कल पूरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी किसी उलझन और परेशानी का समाधान मिलेगा। आपकी मुलाकात आज किसी निकट सगे संबंधी से हो सकती है जिनसे आपको सहयगो और कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आप बिजनेस में भी आज अच्छी कमाई कर पाएंगे।

आज दिन को शुभ बनाने के लिए मिथुन राशि के जातक क्या करें, आपको कल धन समृद्धि में वृद्धि के लिए कमलगट्टे की माला से देवी लक्ष्मी के मंत्र ओम ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं महालक्ष्मीयै नमः मंत्र का जप करें।

तुला राशि

तुला राशि के लिए आज का दिन भाग्यशाली रहेगा। आपको आज अपनी मेहनत के बढकर लाभ और कामयाबी मिलेगी। आपका पैसा कहीं फंसा हुआ है तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। जो लोग नौकरी कारोबार में बदलाव करने का विचार कर रहे हैं उनके लिए आज का दिन महत्वपूर्ण हो सकता है। आपको पिता और पैतृक धन संपत्ति से फायदा हो सकता है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आज आपको सफलता मिलेगाी। किसी कोर्स में दाखिला लेना चाह रहे हैं तो इसमें आप कामयाब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अगर आप भविष्य में लाभ के लिए निवेश करना चाह रहे हैं तो इसके लिए भी दिन आपके पक्ष में रहेगा। आज दिन को शुभ बनाने के लिए तुला राशि के जातक क्या करें, दिन को शुभ और लाभदायक बनाने के लिए आप श्रीलक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें, लाल चंदन का तिलक भी शुभ रहेगा।

धनु राशि

धनु राशि के लोगों के लिए कल का दिन साझेदारी और पारिवारिक जीवन के मामले में विशेष तौर पर लाभदायक रहेगा। अगर आप साझेदारी में कोई काम शुरू करना चाह रहे हैं तो इसके लिए दिन आपके पक्ष में रहेगा। नौकरी में भी कल का दिन आपका उत्साह और उमंग में बीतेगा आपको अपनी मेहनत के लिए प्रोत्साहित और सम्मानित किया जा सकता है। आज के दि छात्रों का प्रदर्शन भी शिक्षा में बेहतर होगा। वैवाहिक जीवन में आपकी खुशियां बनी रहेगी। और आप जीवनसाथी के सहयोग और समर्थन से भी किसी उलझन से निकलने में सफल रहेंगे। ससुराल पक्ष के संबंधियों से आपको आज लाभ मिल सकता है। पूर्व में किया गया काम और निवेश भी आपके लिए आज फलीभूत हो सकता है।आज दिन को शुभ बनाने के लिए धनु राशि के जातक क्या करें, धनु राशि के लोगों को अपना दिन शुभ बनाए रखने के लिए कल पान के पत्ते पर तीन लौंग और कर्पूर रखकर देवी लक्ष्मी की आरती करनी चाहिए।

मकर राशि

आज मकर राशि के जातक अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे और करियर में इनको आगे बढने का मौका मिलेगा। आपके विरोधी और शत्रु आज आपका चाहकर भी अहित नहीं कर पाएंगे। अगर बीते दिनों कुछ विवाद या तनाव कार्यक्षेत्र में चल रहा है तो इसका भी समाधान निकल सकता है। नौकरी में इंक्रीमेंट और पदोन्नति की बात चल रही है तो आपके लिए आज कुछ शुभ संयोग बना सकता है। आप विदेशी क्षेत्र से भी आज लाभ पाने में सफल रहेंगे। आपको कल आर्थिक लाभ भी अप्रत्याशित रूप से मिलेगी। जो लोग बैंकिंग, अकाउंट और इंश्योरेंस से संबंधित काम से जुड़े हुए हैं उनके काम में सफलता का संयोग बनेगा। किसी बिजनेस में डील में आपके लिए लाभ का संयोग बनने से मन प्रसन्न होगा। आज दिन को शुभ बनाने के लिए मकर राशि के जातक क्या करें,आपको आज के दिन जीवनसाथी से विवाद में उलझने से बचना चाहिए और कोई श्रृंगार सामग्री गिफ्ट करना चाहिए। गृहलक्ष्मी की प्रसन्नता आपके लिए शुभता लेकर आएगा।

शुक्रवार को प्रीति योग में राशियों पर मां लक्ष्मी होगी कृपा दृष्टि

मिलेगा रुका हुआ धन, कारोबार में मिलेगी शानदार सफलता

शुक्रवार 7 मार्च को प्रीति योग में मां लक्ष्मी मकर और मीन सहित अन्य राशियों के लोगों को जबर्दस्त आर्थिक लाभ होगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपका दिन प्रसन्नता में बीतेगा और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। आपको अचानक से कहीं से रुका पैसा मिलने से खुशी होगी और आपका परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

मेष : सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी

मेष राशि वालों के लिए आज का दिन लाभ और सफलता से भरा रहेगा। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सहयोग करने से लाभ होगा। ऑफिस में आपकी बातों की सराहना होगी और आपको तवज्जो दी जाएगी। कारोबार में लाभ और सफलता मिलेगी। व्यापार में नए परिवर्तन होंगे जो आगे चलकर फायदेमंद साबित होंगे।

वृषभ : सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी

वृष राशि के जातकों को करियर में लाभ होगा। आज आप हर प्रकार की चिंता से दूर रहेंगे। सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी। हर कार्य में सफलता मिलने के योग हैं। परिवार से शुभ समाचार मिलने से खुशी होगी। बच्चों की तरक्की देखकर मन प्रसन्न रहेगा। धैर्य बनाए रखें। पड़ोसी आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन : अचानक खर्च बढ़ सकता है

मिथुन राशि वालों के लिए आज का दिन करियर के मामले में सफलतादायक रहेगा। जिस काम को लगन से करेंगे, उसमें लाभ होगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। निवेश की गई योजनाओं में लाभ होगा। परिवार में मनमुटाव हो सकता है, इसलिए समझदारी से काम लें। शाम के समय वाहन खराब होने से अचानक खर्च बढ़ सकता है। धैर्य रखें, जल्दबाजी में किए गए काम से परेशानी हो सकती है।

कर्क : मनचाही सफलता मिलेगी

कर्क राशि वालों को करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। भाग्य आपका साथ देगा। ज्ञान में वृद्धि होगी। कुछ नया करने के बारे में सोचेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। सभी रुके हुए काम पूरे होंगे। नए कार्यों की खोज में मन लगेगा। दूसरों की बातों पर ध्यान न दें, अपने काम पर फोकस करें। इससे अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके धन में वृद्धि होगी और आपके लिए करियर की नई संभावनाएं बन रही हैं।

सिंह : आपके धन में वृद्धि होगी

सिंह राशि वालों के लिए लाभ के योग बन रहे हैं। चंद्रमा का शुभ योग धन लाभ कराएगा। शान-शौकत पर धन खर्च करने से सम्मान बढ़ेगा। गरीबों की मदद करेंगे। आपकी बातें लोगों को खुश करेंगी। कार्य कुशलता से दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। शाम से रात तक शुभ कार्यों में मन लगेगा। आपको परिवार के साथ कहीं सैर सपाटे पर जाने के अवसर मिल सकते हैं। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में सफलता मिलेगी।

कन्या : प्रभाव और प्रताप में भी वृद्धि होगी

कन्या राशि वालों को करियर के मामले में लाभ होगा। धन में वृद्धि होगी। प्रभाव और प्रताप में भी वृद्धि होगी। देर रात अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं, जो आपको पसंद नहीं आएंगे। कुछ खर्च ऐसे होंगे जो आपको फालतू लगेंगे। आपका किसी काम में मन नहीं लगेगा। दिन को सोच-समझकर बिताएंगे तो आपको लाभ होगा। आपको करियर से जुड़ा कोई शुभ समाचार कहीं से मिल सकता है।

तुला : अधिकारों में वृद्धि होगी

तुला राशि वालों के लिए दिन मेहनत वाला रहेगा। आपको ज्यादा काम करना पड़ेगा। राज्य और समाज से सहयोग मिलेगा। घर में शुभ समाचार आने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरीपेशा लोगों के अधिकारों में वृद्धि होगी और जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। लोग आपके काम की तारीफ करेंगे। आपके घर में दोस्तों का आगमन होगा और उनकी वजह से आपका काम काफी बढ़ सकता है।

वृश्चिक : दिन मिलाजुला रहेगा

वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन मिलाजुला रहेगा। सेहत में गिरावट आ सकती है। बिना मन के भी अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं। शाम के समय मन उदास रहेगा और काम में मन नहीं लगेगा। शाम को कोई खुशखबरी मिल सकती है, जिससे उत्साह बढ़ेगा। रात में किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने से मन खुश रहेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। योजनाएं सफल होंगी।

धनु : आपका मन काफी खुश होगा

धनु राशि वालों के लिए दिन धन लाभ के लिए अच्छा है। अचानक धन लाभ हो सकता है। अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढने की कोशिश करें। इससे आपको स्थायी सफलता मिलेगी। करियर में लाभ होगा और हर काम में सफलता मिलेगी। आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपका दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा।

एकादशी के दिन चावल क्यों नहीं खाना चाहिए? जानिए इसके पीछे की वजह

आमलकी एकादशी का व्रत बहुत पावन माना जाता है। हिंदुओं में एकादशी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। आमलकी एकादशी पर भक्त कठोर उपवास रखते हैं और विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि यानी 10 मार्च को एकादशी मनाई जाएगी, तो आइए यहां जानते हैं कि एकादशी तिथि पर चावल क्यों नहीं खाते हैं?

एकादशी पर क्यों नहीं खाया जाता चावल?

एकादशी तिथि पर चावल न खाने की सलाह दी जाती है। विष्णु पुराण के अनुसार, इस तिथि पर चावल खाने से घर में दरिद्रता आती है। साथ ही इससे व्यक्ति का पुण्य समाप्त होता है। ऐसा कहते हैं कि चावल को हविष्य अन्न (देवताओं का भोजन) कहा जाता है। इसी वजह से देवी-देवताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए एकादशी तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए।

इसके अलावा प्रचलित पौराणिक कथाओं के अनुसार, जगत जननी के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपने शरीर का त्याग कर दिया था और उनके अंश पृथ्वी में समा गए और बाद में उसी स्थान पर चावल और जौ के रूप में महर्षि मेधा उत्पन्न हुए, जब महर्षि मेधा का अंश धरती में समाया था। उस दिन एकादशी तिथि थी। इसलिए माना जाता है कि जो लोग इस दिन चावल का सेवन करते हैं, वे महापाप के भागीदार बनते हैं, क्योंकि यह उनके मांस और रक्त का सेवन करने के समान माना जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 09 मार्च को रात 07 बजकर 45 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 10 मार्च को सुबह 07 बजकर 44 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 10 मार्च को आमलकी एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

जब दिलीप कुमार ने मधुबाला को जड़ दिया था तमाचा!

एक दौर ऐसा था जब मधुबाला और दिलीप कुमार के प्यार के किस्से हर तरफ छाए हुए थे। फिर एक दौर ऐसा भी आया जब दोनों एक दूसरे के दुश्मन भी बन गए। ये सब कुछ हुआ मुगल-ए-आजम सेट पर। इस आइकोनिक फिल्म के सेट पर दिलीप ने मधुबाला को जोरदार तमाचा जड़ दिया था। इस तमाचे के बाद फिल्म के डायरेक्टर ने मधुबाला से एक ऐसी बात कही कि वह पूरी तरह हैरान रह गई थी। क्या है ये मामला और क्यों मारा था दिलीप कुमार ने मधुबाला को थप्पड़।

दिलीप कुमार ने मारा तमाचा

के। आसिफ की फिल्म मुगल-ए-आजम के सेट पर दोनों का प्यार हुआ और तकरार भी यहीं हुई। फिल्म में एक सीन के लिए दिलीप कुमार को मधुबाला को थप्पड़ मारना था। उस वक्त में इस तरह के सीन्स केवल एक्शन किए जाते थे कोई भी सच में थप्पड़ नहीं मारता था। लेकिन दिलीप ने कुछ ऐसा कर दिया जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। इस बात का खुलासा खतीजा अकबर की बुक 'आई वांट टू लिव: द स्टोरी ऑफ मधुबाला' में अजीत के हवाले से किया गया अजीत 'मुगल-ए-आजम' में उनके को-एक्टर थे। वे दिलीप के साथ 'नया दौर' में भी को-एक्टर थे।

किताब में हुआ खुलासा

अजीत ने बताया कि दिलीप कुमार ने पूरी ताकत के साथ मधुबाला को तमाचा मारा था और इसके बाद सेट पर एक खामोशी छा गई थी। हर कोई दंग गया और सबसे बड़ा झटका मधुबाला को लगा कि आखिर जो शख्स मुझसे प्यार करता था वो ऐसा कैसे कर सकता है। फिल्म के डायरेक्टर ने मधुबाला से कहा कि वो अब भी आप से प्यार करते हैं। बता दें कि मधुबाला के पिता क वजह से दिलीप और के बीच दूरी आ गई थी।

इसके अलावा एक केस जो मधुबाला पर किया गया था और दिलीप कुमार उसमें गवाह बने थे, जिसके बाद दोनों के बीच दुश्मनी हो गई।

सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी अक्षय कुमार की नमस्ते लंदन

अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की रोमांटिक कॉमेडी नमस्ते लंदन साल 2007 में रिलीज हुई थी। दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आई थी, अब अक्षय कुमार ने इसकी री-रिलीज की अनाउंसमेंट करते हुए फैंस का दिल खुश कर दिया है। खिलाड़ी कुमार ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म को दोबारा रिलीज करने का अनाउंसमेंट किया।अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की नमस्ते लंदन होली के अवसर पर यानि 14 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक ब्लॉकबस्टर हिट थी।

अक्षय ने अपने इंस्टाग्राम इसकी अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, इस होली, 14 मार्च को बड़े पर्दे पर नमस्ते लंदन की फिर से रिलीज की घोषणा करते हुए एक्साइटेड हूं। कैटरीना कैफ के साथ जादुई गोनों, बेहतरीन डायलॉग्स और रोमांस को फइर से जीने के लिए तैयार हो जाइए। थिएटर में मिलते हैं।नमस्ते लंदन जसमीत या जैज (कैटरीना) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत में जन्मी और यूके में पली-बढ़ी है। उसे पार्टी करना, फैशनेबल कपड़े पहनना और रात भर शराब पीना पसंद है। जब वह अपने माता-पिता (ऋषि कपूर और नीना वाडिया) को बताती है कि वह एक गोरे आदमी से शादी करना चाहती है, जिसके बाद वे उसे भारत ले जाते हैं। वहीं अक्षय कुमार की एंट्री होती है जिसका नाम अर्जुन सिंह है। जो तुरंत जसमीत के प्यार में पड़ जाता है। वह उससे शादी करने में कामयाब हो जाता है, लेकिन यूके लौटने पर वह उससे धोखा खा जाता है। आखिर में जसमीत उसके प्यार को समझती है या नहीं यही कहानी है।नमस्ते लंदन कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर है जिसे दर्शक आज भी उतना ही पसंद है।

मेकर्स ने इसकी री रिलीज का अनाउंसमेंट करके लोगों का दिल खुश कर दिया है। फिल्म के गाने, डॉयलॉग और कहानी फैंस के फेवरेट बने हुए हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो पिछली बार वे फिल्म स्काई फोर्स में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ वीर पहाड़िया थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं कैटरीना कैफ मैरी क्रिसमस में नजर आई थी उनकी आने वाली फिल्म वरुण धवन के साथ है।

फिल्म दिलरुबा का दूसरा गाना हे जिंगिली रिलीज़

किरण अब्बाराम और रुखसार ढिल्लन की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

किरण अब्बाराम अपनी आने वाली फिल्म दिलरुबा के साथ फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्माता फिल्म का प्रचार कर रहे हैं और पहला सिंगल अग्गी पुले रिलीज़ करने के बाद, निर्माताओं ने हे जिंगिली गाना रिलीज़ किया। इस गाने को खुद सैम।सीएस ने गाया है, जिन्होंने इसके लिए जोशीला संगीत तैयार किया है।गाने के बोल भास्कर भटला ने लिखे हैं। रुखसार ढिल्लन और किरण अब्बाराम के बीच की केमिस्ट्री मनमोहक है और गाने को खूबसूरत लोकेशन पर कोरियोग्राफ किया गया है और इसे मनोरंजक तरीके से शूट किया गया है। फिल्म में नाजिया डेविसन अहम भूमिका में हैं।फिल्म को 14 मार्च 2025 को भव्य तरीके से रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म को रवि, जोजो जोस, राकेश रेड्डी और सारेगामा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। किरण अब्बावरम दिलरुबा के साथ फिल्म प्रेमियों को लुभाने और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। किरण अब्बावरम को आखिरी बार थ्रिलर केए में देखा गया था।

अखिल अक्किनेनी की फिल्म एजेंट अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार

सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी पिछली बार फिल्म एजेंट में नजर आए थे, जिसमें वह भरपूर एक्शन करते दिखे। अखिल अक्किनेनी की फिल्म एजेंट एक्शन से भरी जासूसी थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म 28 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन अब करीब दो साल बाद जाकर फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है।जासूसी थ्रिलर फिल्म एजेंट को 14 मार्च, 2025 से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी। कई बार देरी और हिंदी टीवी प्रीमियर के बाद, यह फिल्म तेलुगु के साथ-साथ मलयालम, तमिल और कन्नड़ में भी स्ट्रीम होगी, जिससे अखिल के ज्यादा प्रशंसक इस फिल्म को देख सकें।

फिल्म निर्माताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए एक वीडियो एक्स पर साझा किया और लिखा, अलर्ट एक ऐसा जासूस जो किसी और जैसा नहीं है। मिशन ब्रीफ चालाकी भरी चालें। जानलेवा दांव। बेहतरीन एक्शन।फिल्म एजेंट का निर्देशन सुरेंदर रेड्डी ने किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन अखिल के प्रशंसक इसे लेकर अभी भी उत्साहित हैं। इसमें मॉलीवुड के बड़े स्टार ममूटी अहम किरदार में हैं, जबकि साक्षी वैद्य और डिनो मोरिया भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म की कहानी वक्कन्थम वामसी ने लिखी है और इसे रामब्रह्मम सुनकारा ने प्रोड्यूस किया है। हिपहॉप तमिझा ने फिल्म में संगीत दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म को करीब 85 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया था। वहीं इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 8 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार, एजेंट की ओटीटी रिलीज तय होने पर अखिल के प्रशंसक खुश हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि अब कोई देरी नहीं होगी। एजेंट में भरपूर एक्शन, ड्रामा और सस्पेंस है, जो दर्शकों को बांधे रख सकता है। बहरहाल, अखिल के प्रशंसकों की नजरें 14 मार्च पर टिकी हैं, जब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

इम्तियाज अली की माई मेलबर्न का ट्रेलर आया सामने, 14 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

इम्तियाज अली पिछली बार दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा के साथ फिल्म अमर सिंह चमकीला लेकर आए थे, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।अब दर्शक इम्तियाज की आगामी फिल्म की राह देख रहे हैं, जिसका नाम माई मेलबर्न है। यह फिल्म 14 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।अब निर्माताओं ने माई मेलबर्न का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें 4 अलग-अलग कहानियां दिखाई गई हैं।इम्तियाज इस फिल्म का निर्देशन ओनिर, रीमा दास और कबीर खान के साथ मिलकर कर रहे हैं। विलियम डुआन, झाओ टैमी यांग, समीरा कॉक्स और पुनीत गुलाटी फिल्म के सह-निर्देशक हैं।इस फिल्म के निर्माता मितु भौमिक लांगे हैं, जो प्रमुख फिल्म वितरक और मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव के महोत्सव निदेशक हैं।माई मेलबर्न में अर्का दास, जैक्सन गैलाघर, मौली गांगुली, आरुषि शर्मा, कैट स्टीवर्ट, रियाना लॉसन, मिखाइला एबोनी, सेतारा अमीरी और ब्रैड हॉज जैसे कलाकार नजर आएंगे।

शिबानी को कहां से आया सीरीज डिब्बा कार्टेल का आइडिया? चर्चा में है नया क्राइम ड्रामा

शबाना आजमी के अलावा ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी उम्दा एक्ट्रेस ने वेब सीरीज डिब्बा कार्टेल में ऐसी महिलाओं का रोल किया है, जो ड्रग, क्राइम के जाल में फंस जाती हैं। फिर ड्रग्स का बिजनेस करने लगती हैं। इस कहानी का आइडिया वेब सीरीज की क्रिएटर शिबानी दांडेकर को कैसे आया? इस सीक्रेट के बारे में शिबानी ने हाल ही में बताया है। शिबानी दांडेकर ने बताया कि वह एक समय में बहुत ज्यादा क्राइम ड्रामा देखा करती थीं। ऐसे में अचानक उन्हें ख्याल आया कि क्राइम ड्रामा में महिलाओं की कहानी को दिखाया जाए। इस तरह वेब सीरीज डिब्बा कार्टेलऴ का आइडिया शिबानी दांडेकर को आया।शबाना आजमी इस सीरीज का हिस्सा इसलिए बनी हैं क्योंकि यह उनके लिए फैमिली प्रोजेक्ट की तरह है। वह रिश्ते में शिबानी की सास लगती हैं। शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से शादी की है। फरहान अख्तर, जावेद अख्तर के बेटे हैं, वह उनकी पहली शादी से हुए हैं। शिबानी, फरहान की पत्नी हैं।

ऐसे में शिबानी और शबाना रिश्ते में सास-बहू हैं। पिछले दिनों शबाना ने कहा था कि शिबानी ने इस वेब सीरीज को क्रिएट किया। वह कहती हैं, उसने मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। मैं बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा (फरहान) तो प्रोड्यूसर ही है। डिब्बा कार्टेल की स्टोरी काफी यूनीक नजर आती है। इसमें कुछ महिलाएं एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। वेब सीरीज में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन ने अहम किरदार निभाए हैं। लेकिन शबाना आजमी सीरीज में छा जाती हैं। साथ ही ज्योतिका की एक्टिंग की भी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है।

ऑफ शोल्डर आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने सोशल मीडिया का पारा चढ़ाया

अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अंदाज देककर फैंस मदहोश हो गए हैं।एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उन पर से नजरें हटाने का नाम नहीं ले रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर का ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बॉक्स ऑफिस पर छावा की कमाई की रफ्तार धीमी

हिस्टोरिकल पीरियड ड्रामा फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 19 दिन पूरे कर लिए हैं। छावा ने अपने तीसरे मंगलवार यानि 19वें दिन की कमाई से कलेक्शन में थोड़ी बढ़ोतरी की है। फिल्म छावा की कमाई में लगातार दूसरी बार गिरावट देखने को मिली है। छावा ने तीसरे सोमवार कमाई में बढ़ी गिरावट दर्ज की थी। छावा ने 19वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की और फिल्म का कुल कलेक्शन कितना हो गया और फिल्म 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा कब तक छुएगी आइए जानते हैं।सैकनिल्क के अनुसार, छावा की कमाई में एक बार फिर गिरावट हुई है। जहां, छावा ने सोमवार 7।75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, फिल्म ने 19वें दिन 5।50 करोड़ रुपये कमाए हैं। 19वें दिन के कलेक्शन से छावा की भारत में कुल कमाई 472 करोड़ रुपये हो गई है। छावा कमाई की इस रफ्तार से अपने अगले वीकेंड तक 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने में कामयाब हो सकती है। छावा के वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो यह 650 करोड़ रुपये के करीब जा पहुंचा है।छावा में विक्की कौशल मराठा किंग छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज के रोल में हैं। रश्मिका मंदाना येसूबाई का किरदार कर रही हैं। अक्षय खन्ना ने मुगल बादशाह औरंगजेब के रोल में गजब ढा दिया है। फिल्म में विनीत कुमार का कवि कलश का रोल भी दर्शकों के रोंगटे खड़े कर रहा है। फिल्म को लक्ष्मण उटेकर ने डायरेक्ट किया है। इससे पहले लक्ष्मण ने विक्की के साथ फिल्म जरा हटके जरा बचके बनाई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है । व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नही तो समस्याएं बढते रहेगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें ढ किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख–समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें । धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 07 मार्च 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 09:21 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 11:32 तक
योग : प्रीति सायं 06:14 तक
करण : बव प्रातः 09:21 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रातः 11:45 तक
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : होलाष्टक आरंभ , दुर्गा अष्टमी , श्री दादू दयाल जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दिया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड, बर्लिन आइटीबी में किया सम्मानित

जयपुर,06 मार्च (एजेंसियां)। पेसिफिक एशिया ट्रैवल राइटर्स एसोसिएशन' ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया के सम्मान से सम्मानित किया गया हैं। उन्हें यह सम्मान आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री, डॉ। एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया।

उप मुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी, अपर निदेशक आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्कर्ष्ठ कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर राजस्थान के पर्यटन की ब्रांडिंग की जा रही है। इसी के तहत पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) ने राजस्थान ने को यह सम्मान प्रदान किया हैं।

सबसे बड़े जुआघर का किंग बबलू गन्या गिरफ्तार

48 लाख कैश और 44 जुआरी दबोचे

जयपुर,06 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के अंडरवर्ल्ड में जिस जुआघर की चर्चा थी, वह आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गया। नाहरगढ़ पुलिस ने रविवार देर रात जयपुर के कुख्यात जुआ संचालक बबलू गन्या उर्फ फिरोज को गिरफ्तार कर लिया। 48 लाख 80 हजार रुपये की जुआ रकम, खेल में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और 44 जुआरी पुलिस की पकड़ में आ चुके हैं।

बबलू गन्या पुलिस की नज़रों में काफ़ी समय से था, लेकिन वह हर बार कार्रवाई से बच निकलता था। महिलाओं को आगे कर, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखकर, और लोहे के गेट लगवाकर उसने अपना जुआ साम्राज्य सुरक्षित कर रखा था। पुलिस की रेड से बचने के लिए उसने अपने जुआघर के चारों ओर निगरानी तंत्र फैला रखा था।

पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश में दो जुआरियों की टांगे टूट गईं। वहीं, जब पुलिस ने दरवाजे पर दस्तक दी तो महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे पुलिस टीम को अंदर घुसने में दिक्कत हुई। लेकिन, पुलिस ने इस चालाकी का पहले से ही इंतज़ाम कर रखा था। निर्भया स्क्वाड और जेवरा टीम की महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी ने इस रेड को सफल बना दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि बबलू गन्या हर जुआरी से 2000 रुपये लेता था और उन्हें पूरी सुरक्षा का भरोसा देता था। सीसीटीवी कैमरों के ज़रिए वह हर मूवमेंट पर नज़र रखता था, और गलियों में गेट लगवाकर हर बाहरी शख्स पर कंट्रोल रखता था। वह रात में ही जुआघर खोलता था और किसी बाहरी को पास फटकने तक नहीं देता था।

गिरफ्तारी के बाद जमानत पर छूटे कुछ जुआरियों ने पैसों के बंटवारे और मुखबिरी के शक में आपस में झगड़ा कर लिया। मामला इतना बढ़ गया कि पुलिस को दोबारा उन्हें हिरासत में लेना पड़ा। इस जुए के कारोबार को पड़ोसियों का भी संरक्षण प्राप्त था। पुलिस अब इन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि जुआघर को और किन–किन लोगों का समर्थन प्राप्त था।

जयपुर उत्तर पुलिस उपायुक्त श्रीमती राशि डूडी डोगरा आईपीएस ने इस ऑपरेशन को शहर की सबसे बड़ी जुआ रेड बताया है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप के निर्देशन में यह ऑपरेशन सफल रहा।

जाम्बिया के प्रतिनिधिमंडल ने ली राज्य के सहकारी आन्दोलन और कार्यप्रणाली की जानकारी

जयपुर,06 मार्च (एजेंसियां)। सहकारिता विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के अंतर्गत प्रदेश भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दि जयपुर सेन्ट्रल को–ऑपरेटिव बैंक लि। द्वारा बुधवार को बैंक के प्रधान कार्यालय में जाम्बिया से आये प्रतिनिधिमंडल को बैंक की कार्यप्रणाली एवं राज्य में संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल अन्य देशों का दौरा कर वहां के सहकारी आन्दोलन तथा कार्यप्रणाली का अध्ययन कर रहे हैं। इसी के तहत जाम्बिया का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत के दौरे पर है। प्रतिनिधिमंडल ने दि जयपुर सेन्ट्रल को–ऑपरेटिव बैंक लि। के साथ ही अपेक्स बैंक, बीलवा ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं बड़ का बालाजी प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का भी दौरा कर कार्यप्रणाली को बारीकी से समझा।दि जयपुर सेन्ट्रल को–ऑपरेटिव बैंक के प्रधान कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को राज्य में सहकारी आन्दोलन को प्रभावी और सार्थक बनाने तथा विभिन्न सहकारी योजनाओं की आमजन तक पहुंच सुलभ कराने के उद्देश्य से किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

ज़िले में ईंट भट्टों के संचालन पर सख्ती

भीलवाड़ा,06 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशों की अनुपालना में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश में संचालित सभी ईंट भट्टों (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को छोड़कर) को 01 जनवरी से 30 जून 2025 तक ही संचालन हेतु जलाई कार्य (फायरिंग) करने की अनुमति दी गई है।

इसके पूर्व या पश्चात किसी भी भट्टे का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रदूषण नियंत्रण मंडल के आदेशों के तहत भीलवाड़ा जिले के सभी ईंट भट्टा संचालकों को निर्देशित किया गया है कि यदि प्रतिबंधित अवधि में कोई भट्टा संचालित पाया जाता है, तो क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमें भट्टा बंद कराने के साथ–साथ पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति भी अधिरोपित की जाएगी। इसके लिए अधिकारी लगातार संबंधित क्षेत्रों में निगरानी करेंगे, ताकि आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो सके।

चूरू में थाना साहवा पुलिस ने किया 8 लाख की लूट का खुलासा

चूरू,06 मार्च (एजेंसियां)। चूरू जिले की थाना साहवा पुलिस ने रविवार 2 मार्च की रैयाटुंडा के पास बाइक सवार से 8।68 लाख रुपए की लूट का खुलासा कर सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज खंगाल कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए अज्ञात आरोपियों की पहचान की। घटना के दो आरोपियों मोहन लाल जाट पुत्र काशीराम (28) निवासी भावलदेसर तथा थान सिंह जाट पुत्र भीमराज (25) निवासी कानसर को राउंडअप कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। जिनसे लूट की रकम की बरामदकी के लिए पूछताछ की जा रही है।

चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि 02 मार्च को राकेश मेघवाल पुत्र दुला राम मेघवाल निवासी खुईया तहसील नोहर, जिला हनुमानगढ ने एक रिपोर्ट दी कि वह खुईयॉ निवासी व्यापारी उदमी राम के कहने पर उधारी की रकम लेने भालेरी आया था। रकम लेकर बाइक से वापस खुइयॉ जा रहा था। रास्ते में रैयाटुण्डा से सोमसीसर रोड़ पर अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी बाइक के आगे अपनी बाइक लगाकर रोक लिया। मारपीट कर उसके पास से कुल 8 लाख 68 हजार 100 रूपये, मोबाईल व बाइक की चाबी छीनकर ले गये। रिपोर्ट पर थाना साहवा पर प्रकरण दर्ज किया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए अज्ञात मुलजिमों व लूट की रकम की बरामदगी के लिए एसपी यादव द्वारा एएसपी किशोरी लाल व सीओ तारानगर रोहित सांखला के निकट सुपरविजन एवं एसएचओ रामप्रताप के नेतृत्व में विशेष टीमो का गठन किया गया।

गठित टीमों ने घटना के बाद लगातार चार दिन तक पल्लू, खुइँया, भालेरी व रावतसर में कैंप कर अज्ञात लूटेरो की तलाश की। चूरू से हनुमानगढ़ तक सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज खंगाले गये। आसुचना अधिकारी कांस्टेबल भुरा राम को आसूचना तंत्र से घटना के सम्बंध में इनपुट मिले थे।

तकनीकी साक्ष्यों का संकलन कर कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए टीम ने सन्दिग्ध मोहन लाल जाट तथा थान सिंह की पहचान करने के बाद राउन्ड अप किया गया। जिन्हें पुछताछ के बाद गिरफतार किया गया। लूट की रकम की बरामदगी के लिए इन्हें कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी रिमाण्ड हासिल किया जायेगा।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही लागू होगा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट : जोगाराम

जयपुर,06 मार्च (एजेंसियां)। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाएगा। अभी तक इस पर राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है।

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक अमीन कागजी द्वारा इस संबंध में पूछे गए प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राज्य में अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पिछली कांग्रेस सरकार के समय विधानसभा में प्रस्तुत किया गया था। इसे 15वीं विधानसभा के अष्ठम सत्र में 21 मार्च 2023 को विधानसभा द्वारा पारित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस बिल पर राष्ट्रपति की स्वीकृति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।इससे पहले विधायक अमीन कागजी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 31 जिला एवं सेशन न्यायालय परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

हिसार में कार पेड़ से टकराई, 4 दोस्तों की मौत

हिसार,06 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले में मंगली रोड पर बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। चारों एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में उनकी कार बेकाबू होकर एक पेड़ से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति बहुत तेज थी, जिसके कारण मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और सीधे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एयरबैग खुलने के बावजूद कोई भी बच नहीं पाया। हादसे में एक युवक, हितेश, कार से बाहर गिर गया, जबकि बाकी तीन युवक कार में ही फंसे रह गए। मृतकों की पहचान अंकुश (19), निखिल, हितेश और साहिल के रूप में हुई है। चारों पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ते थे और गहरे दोस्त थे। वे मंगली एक दोस्त की शादी में शामिल होने आए थे। परिजनों के मुताबिक, चारों दोस्त हरिकोट के पास एक पैलेस में शादी में शामिल हुए थे, फिर हिसार पीएलए से कुछ सामान लेने के बाद वापस लौट रहे थे। इस दौरान हादसा हुआ। अंकुश अपने परिवार का इकलौता बेटा था और निखिल का बचपन से करीबी दोस्त था।

हादसा हरिकोट गांव के पास एक तीखे मोड़ पर हुआ। यह मोड़ पहले भी कई हादसों का कारण बन चुका है। हादसे की सूचना मिलते ही आजाद नगर थाना प्रभारी साधुराम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्रारंभिक रूप से तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है।

हरियाणा बजट सत्र 2025

17 मार्च को पेश होगा बजट

चंडीगढ़,06 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में सत्र की अवधि अब 28 मार्च तक बढ़ा दी गई है। पहले यह सत्र 25 मार्च तक प्रस्तावित था।स्पीकर ने बुलाई सर्वदलीय बैठक।बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया। इस बैठक में सत्र की कार्यवाही और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बजट सत्र के संभावित शेड्यूल में बदलाव किया गया है। अब यह सत्र 28 मार्च तक चलेगा और होली के मद्देनजर 17 मार्च को विधानसभा में प्रदेश का वार्षिक बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बजट सत्र की तैयारियों पर चर्चा की। साल के पहले सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होता है, जिसकी संवैधानिक और संसदीय व्यवस्था में अहम भूमिका होती है। बजट सत्र के दौरान हरियाणा सरकार विभिन्न नीतियों और योजनाओं को सदन में पेश करेगी। इसमें प्रदेश की आर्थिक स्थिति, किसान, युवा, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी घोषणाओं पर खास फोकस रहेगा।अब देखना यह है कि मुख्यमंत्री द्वारा पेश किए जाने वाले इस बजट में जनता के लिए क्या नई सौगातें मिलती हैं और विपक्ष इस पर क्या प्रतिक्रिया देता है।

बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम को एचकेआरएनएल से उपलब्ध कराएंगे मैन पावर : सैनी

गुरुग्राम,06 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को गुरुग्राम जिला की विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार की प्रमुख परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण कार्य करना है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से गुरुग्राम में सीवरेज, ड्रेनेज, स्वच्छता, जलापूर्ति, सी एंड डी वेस्ट तथा सड़क व्यवस्था की विस्तृत रिपार्ट लेने उपरान्त कहा कि राज्य सरकार जिले में विकास के नये आयाम स्थापित करने के लिए आधारभूत संरचनाओं का विकास बेहद जरूरी है। इसके लिए कार्यों की समय सीमा सुनिश्चित कर सभी विभाग आपसी समन्वय से इन्हें पूरा करें।

उन्होंने कहा कि जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही है, इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें के वे शहर में क्रियान्वित सभी विकास परियोजनाओं की प्रगति की निरंतर समीक्षा करें। जिन परियोजनाओं में संबंधित एजेंसी द्वारा देर की जा रही है, उन पर पेनल्टी लगाने के साथ–साथ एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि गुरुग्राम प्रदेश की आर्थिक उन्नति का प्रमुख आधार है। ऐसे में शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मैनपावर की समस्या के निदान के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से संबंधित निकाय क्षेत्र आवश्यकता अनुसार सफाई कर्मचारी रख सकते हैं। बैठक में निगम क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन पर भी सार्थक चर्चा की गईं।

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे शहर में आमजन को सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के लक्ष्यों के साथ समयबद्ध रूप से सभी सड़कों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि अभी मानसून आने में काफी समय है। ऐसे में अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जून माह के अंत तक यह कार्य पूरा कर लिया जाए। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी (वीडियो कॉन्फ्रेंस से) सहित प्रिंसिपल एडवाइजर डी।एस ढेसी मौजूद रहे।

सुनील सिंह ने नीतीश सरकार पर लगाए तानाशाही और निरंकुश शासन के आरोप

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई व राष्ट्रीय जनता दल के विधान परिषद सदस्य डॉ. सुनील कुमार सिंह ने सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। विधान परिषद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्य सरकार पर तीखे आरोप लगाए हैं। डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह जीत राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लाखों कार्यकर्ताओं की है, जिन्होंने मेरे साथ चट्टानी एकता के साथ खड़ा होकर संघर्ष किया।

उन्होंने राज्य सरकार पर तानाशाही और निरंकुश शासन का आरोप लगाते हुए कहा, अगर कोई निरंकुश सरकार है, तानाशाह सरकार है, हिटलरशाही सरकार है, तो उसे पर अंकुश लगाने का यह आदेश है।लोकतंत्र के इस मंदिर में 26 जुलाई 2024 को किस तरह से जनतांत्रिक मूल्यों का गला घोंटा गया। उसमें दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने मुझे न्याय दिया है। मेरे जैसे लाखों लोग लगातार तानाशाहों के शिकार होते रहे हैं उनके नौकरशाही के शिकार होते रहे हैं उसमें यह एक बहुत बड़ा शिकंजा है। मैं लगातार शोषितों की आवाज को उठाता था, बेरोजगारों की आवाज को उठता था। किसानों की आवाज को उठाता था यह बात इस सरकार को ठीक नहीं लगती थी।

बजट पर टिप्पणी करते हुए डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि बजट में जिस तरह कागज पर छलावा किया जा रहा है, जिस तरह से बेरोजगारों के साथ छलावा किया जा रहा है। इस राज्य में जैसे ही कोई बच्चा जन्म लेता है, उसके ऊपर 29,000 का कर्ज होता है उन्होंने राज्य की प्रति व्यक्ति आय को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 68,000 है और यह पूरे देश में नीचे से टॉप है। डॉ. सुनील कुमार सिंह ने अपनी बातों में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का भी समर्थन किया कि 'जब आप लालू यादव को नहीं झुका पाए, तेजस्वी यादव को नहीं डरा पाए तो आप सुनील कुमार का क्या बिगाड़ लीजिएगा।

दरअसल, उच्चतम न्यायालय ने 26 फरवरी 2025 को एमएलसी सुनील कुमार सिंह के निष्कासन को अनुचित मानते हुए उनकी सदस्यता बहाल कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद उनकी सदस्यता फिर से बहाल कर दी गई। बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने सदन में उनकी सदस्यता बहाल करने की घोषणा की। सभापति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सुनील कुमार सिंह के कृत्य को अनुचित माना, लेकिन उनकी सात महीने की निष्कासन अवधि को सजा के लिए पर्याप्त माना, इसलिए सदस्यता बहाल की गई है।

पुलिस कस्टडी से जिला पार्षद फरार

पिस्टल से धमकाने का था आरोप

पुलिस ने शुरू की छापेमारी

सीवान (एजेंसियां)।

बिहार के सीवान जिले में गुठनी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पुलिस कस्टडी में लिए गए जिला पार्षद छोटेलाल यादव थाने से फरार हो गए। उन पर एक महंत को पिस्टल से धमकाने और मारपीट करने का आरोप है।

घटना गुठनी थाना क्षेत्र के सुहागरा मंदिर की है, जहां कुछ निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान जिला पार्षद छोटेलाल यादव अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचे और मंदिर के महंत अरविंद कुमार पर बालू-गिट्टी चोरी करने का आरोप लगाते हुए उनके साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर महंत की कनपटी पर तान दी।

हालात बिगड़ते देख वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गुठनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जिला पार्षद को पिस्टल समेत हिरासत में लेकर थाने ले आई।

थाने लाने के बाद जब तक पुलिस एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में लगी थी, उसी दौरान छोटेलाल यादव पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। अब पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

गुठनी थाना प्रभारी विकास कुमार सिंह ने बताया कि, 'मारपीट के आरोप में जिला पार्षद को थाने लाया गया था, लेकिन एफआईआर दर्ज होने से पहले ही वह फरार हो गए। अब दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।

फरारी के बाद से पुलिस जिला पार्षद छोटेलाल यादव की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं, इस घटना ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर एक हिरासत में लिया गया व्यक्ति थाने से कैसे फरार हो गया?

जमीनी विवाद में तलवार से वार कर बुजुर्ग की हत्या

सिरोही (एजेंसियां)।

जमीनी विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में एक बुजुर्ग की तलवार से वार कर हत्या कर दी गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे सदर अस्पताल छपरा में भर्ती कराया गया है। घटना बिहार के सारण जिले के डेरनी थाना क्षेत्र के सूतिहार गांव की है, जहां विवाद इतना बढ़ गया कि तलवारबाजी और तीर-कमान चलने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वहीं, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सनी

तलवार, धनुष और तीर बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि सूतिहार गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई झड़प में अर्जुन प्रसाद ने तलवार से हमला कर जंगी साह के पुत्र शिवपूजन साह की हत्या कर दी। वहीं, शिवपूजन साह के पुत्र राजेश साह पर तीर से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने अभियुक्त अर्जुन प्रसाद की पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची डेरनी थाना पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सदर अस्पताल छपरा में भर्ती कराया।

घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी और सोनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नवल किशोर ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की जांच जारी है।

पटना हाईकोर्ट ने दरभंगा के जिलाधिकारी को भेजा शोकॉज नोटिस

डीएम ने कहा- अभी तक नहीं मिला है

दरभंगा (एजेंसियां)।

पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राजीव रॉय की एकलपीठ ने कुशेश्वर धाम मन्दिर में न्यास प्रबंधन के लिए समिति का गठन नहीं करने के मामले में दरभंगा के डीएम को शो कॉज नोटिस भेजा है। इधर, डीएम राजीव रौशन ने कहा कि न्यास समिति के सदस्य और पदाधिकारी बनने के लिए दिए गए आवेदकों के चरित्र के सत्यापन कराया जा रहा है। चरित्र सत्यापन के बाद गठन कर दिया जाएगा। फिलहाल अभी मुझे हाईकोर्ट का नोटिस नहीं मिला है। मिलने और जबाब दिया जाएगा।

दरभंगा के बिरौल अनुमंडल के कुशेश्वरस्थान स्थित कुशेश्वर धाम

मंदिर के प्रबंधन के लिए न्यास समिति का गठन नहीं होने पर पटना हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राजीव रॉय की एकलपीठ ने संतोष कुमार झा की अवमानना अर्जी पर सुनवाई के बाद यह निर्देश दिया। निर्देश में कहा गया है कि गत वर्ष 23 जुलाई को कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया था। जिसमें पूरे बिहार के सार्वजनिक हिंदू धार्मिक न्यास के प्रबंधन एवं संरक्षण के लिए स्थाई न्यास समिति गठित करने के तरीकों पर विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया था। इस आदेश में कहा गया था कि जिन्हें भी न्यास समिति का पाधिकारी या सदस्य बनना है। वह व्यक्ति सीधे अपने डीएम को आवेदन कर सकते है। डीएम की तरफ से सम्बंधित व्यक्ति का आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करते हुए चिंहित लोगों की सूची बनाकर बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को देना था। इसी सूची के आधार पर न्यास समिति का गठन किया जाना था।

पटना हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता संतोष कुमार झा के वकील पंकज कुमार झा ने कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट के दिशा निर्देशों का पालन नहीं करते हुए दरभंगा के डीएम ने कुशेश्वरधाम न्यास समिति गठन करने में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि बिरौल के अनुमंडल पदाधिकारी सह मंदिर के पुराने न्यास समिति के अध्यक्ष उमेश कुमार भारती कार्यकारी अध्यक्ष बनकर न्यास गठित करने के लिए मनमाने तरीके से न्यास सदस्य बनाने के लिए अभ्यर्थियों की सूची भेज रहे हैं। हाईकोर्ट ने इसे प्रथम दृष्टया अवमानना मानते हुए उमेश कुमार भारती को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। दरभंगा के डीएम राजीव रौशन ने कहा कि कुशेश्वरधाम मन्दिर के न्यास समिति के गठन के लिए विज्ञापन निकाला गया था। इस आलोक में कुछ लोगों ने आवेदन दिए हैं। प्रक्रिया के तहत उन लोगों का चरित्र सत्यापन कराया जा रहा है। चरित्र सत्यापन के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फिलहाल अभी तक मुझे शोकॉज के नोटिस अभी नहीं मिला है।

तलवों में कीलें ठोंकी, शरीर जख्मों से भरा था

महिला के साथ इस बर्बरता की चर्चा सड़क से लेकर सदन तक

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा में एक महिला की लाश मिली है। उसके साथ बर्बरता की गई है। इसका प्रमाण तस्वीर में दिख रहा है। महिला का शरीर जख्मों से भरा था। तलवों में कीलें ठोंकी गई थीं। इतना ही नहीं हाथ में स्लाइन चढ़ाने वाला ड्रिप भी लगा हुआ था। बुधवार को हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास नेशनल हाईवे (30 अ) के किनारे इस शव को देख लोग हैरान रह गए। आशंका है कि किसी ने निर्ममता पूर्वक महिला की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंक दिया है। गुरुवार को इस मामले की गूंज सड़क से लेकर सदन तक सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस मामले को लेकर विधानसभा में सवाल उठाया। हालांकि, सरकार की ओर से अब

तक कोई जवाब नहीं दिया गया है।

चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि बुधवार को नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास नेशनल हाईवे (30 अ) के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की उम्र करीब 26 वर्ष प्रतीत हो रही और उसकी लाश नाइटी में थी। हाथ पर ड्रीप लगा था, जिससे ये पता चलता है कि महिला को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। अब तक यह बात सामने नहीं आ पायी है कि महिला को किस अस्पताल में एडमिट किया गया था।

लोगें का कहना है कि महिला के दाहिने हाथ पर कोहनी से ऊपर पट्टी लगी है, जिससे ब्लड चढ़ाए जाने की आशंका है। हालांकि, महिला के प्रेग्नेंट होने की भी आशंका है, लेकिन इस संबंध में अब तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। महिला के दोनों तलवों में कुल नौ कीलें ठोकी मिली हैं। लेकिन, हैरानी की बात ये कि एक भी कील में खून लगा नहीं मिला है। जहां शव पाया गया वहां भी खून का धब्बा नहीं मिला है। प्रतीत होता है कि महिला की मौत के काफी देर बाद पैर में कील ठोंका गया है। पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला के शरीर पर राख लगा पाया गया है। हाथों में स्लाइन चढ़ाने वाली ड्रीप लगी है। आशंका है कि करंट लगने के बाद महिला को अस्पताल में एडमिट किया गया होगा। यहां मौत के बाद परिजन किसी ओझा के चक्कर में पड़ गए होंगे। लिहाजा उसकी लाश को ओझा या भगत के पास ले जाया गया होगा। यहां ओझा ने महिला के पैर में कील ठोंकी होगी, लेकिन जब महिला होश में नहीं आ पाई तो उसकी लाश को ओझा की ओर से ही यहां लाकर फेंक दिया गया होगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शर्म है कि आती ही नहीं! उनके गृह जिला में घटित इस रूह कंपकंपाने वाले वीभत्स कांड और दरिंदगी से भी अगर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता तो वह इंसान है नहीं! वैसे इस घटना को भी बेशर्म भाजपाई और एनडीए के सत्तालोलुप लोग राम राज्य की मंगलकारी घटना ही बतायेंगे और कहेंगे कि 15वीं शताब्दी में क्या होता था जी?

मामा की शादी में आई युवती की कुएं में गिरकर मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।

समस्तीपुर के सरायरंजन थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर गांव में गुरुवार सुबह एक दुखद हादसा हो गया। मामा की शादी में शामिल होने आई 18 वर्षीय युवती की कुएं में गिरकर मौत हो गई। मृतका की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के परतापुर गांव निवासी अवधेश पोद्दार की पुत्री गुड़िया कुमारी के रूप में हुई है। इस घटना के बाद शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गई। गुड़िया के मामा रंजीत पोद्दार ने बताया कि उनके बड़े भाई चंदन कुमार की आज (6 मार्च) शादी थी। इसको लेकर बुधवार रात मटकोर की रस्म पूरी की गई थी। गुरुवार सुबह कुआं पूजन (पनकट्टी) की रस्म के लिए परिवार के लोग कुएं के पास पहुंचे थे। इसी दौरान गुड़िया का पैर पास में रखी गिट्टी पर फिसल गया, जिससे वह सीधे कुएं में जा गिरी। परिजनों और ग्रामीणों ने उसे तुरंत बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह बेहोश हो चुकी थी। आनन-फानन में उसे सरायरंजन के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस घर में सुबह तक शादी के गीत गूंज रहे थे, वहां देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। शादी की खुशियों के बीच इस दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया।

राम जानकी मठ पर हनुमंत कथा का आयोजन

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण होंगे शामिल

सारण (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के भोरे प्रखंड के हुस्सेपुर पंचायत स्थित रामनगर गांव में बने राम जानकी मठ पर हनुमंत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कुछ ही देर में यहां पहुंचने वाले हैं। वे 6 मार्च से 10 मार्च तक इस स्थान पर कथा करेंगे। पांच दिवसीय इस कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी है। प्रशासन ने अनुमान लगाया है कि एक से दो लाख लोग कथा में शामिल हो सकते हैं। भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाबा का दिव्य दरबार केवल 8 मार्च को लगेगा, जो कथा शुरू होने से पहले आयोजित किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने के लिए गोपालगंज के डीएम प्रशांत कुमार सीएच और सारण के डीआईजी लगातार बैठकें कर रहे हैं। डीएम ने सुरक्षा, ट्रैफिक और श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं। एसपी अवधेश दीक्षित भी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। हथुआ के एसडीएम, एसडीपीओ, भोरे के बीडीओ और सीओ ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। उन्होंने आयोजकों के साथ मिलकर आवश्यक प्रबंधों को अंतिम रूप दिया है।

सभी पुलिसकर्मियों को उनकी ड्यूटी के बारे में विस्तार से बताया गया है। उन्हें अपनी तैनाती वाले स्थान पर डेढ़ घंटे पहले पहुंचने और सुरक्षा व्यवस्था की जांच करने को कहा गया है। किसी भी समस्या की तुरंत सूचना कंट्रोल रूम को देने के निर्देश दिए गए हैं। क्विक रिस्पांस टीम अलर्ट मोड में रहेगी और तत्काल कार्रवाई करेगी। यूपी समेत दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने की हिदायत दी गई है। बिना पास के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिलेगा। रूट, ट्रैफिक, मेला क्षेत्र और कथा स्थल पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सभी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी तीन शिफ्टों में लगाई गई है। वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जहां पार्किंग के नियमों का सख्ती से पालन होगा। मीरगंज और भोरे की ओर से आने वाले रास्तों पर पुलिस तैनात रहेगी। सभी प्रमुख चौराहों और बाजारों में जाम से बचाव के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। डीएम प्रशांत कुमार सीएच ने कहा कि ये पांच दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं। सभी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को सतर्क रहना होगा। हथुआ के एसडीएम को निर्देश दिया गया है कि सभी कर्मचारियों को समय पर भोजन उपलब्ध कराया जाए।

आयोजन स्थल पर 24 घंटे मेडिकल कैंप संचालित रहेगा, जहां डॉक्टरों की टीम, एंबुलेंस और अन्य जरूरी सुविधाएं मौजूद रहेंगी। भोरे और हथुआ के अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। आग से सुरक्षा के लिए अग्निशमन वाहन भी तैनात किए गए हैं। नगर परिषद की टीम सफाई का विशेष ध्यान रखेगी और कूड़ा उठाने के लिए तैनात रहेगी।

दिव्य दरबार 8 मार्च को कथा शुरू होने से पहले लगाया जाएगा। सुरक्षा कारणों से इस दौरान विशेष सतर्कता बरती जाएगी। साथ ही, सोशल मीडिया पर भी प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। गलत या भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। डीएम ने कहा कि यह एक टीम वर्क है, जिसमें जरा सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com